शब्द एवं चित्र : विलियम डे विंक

यीशु मसीहा

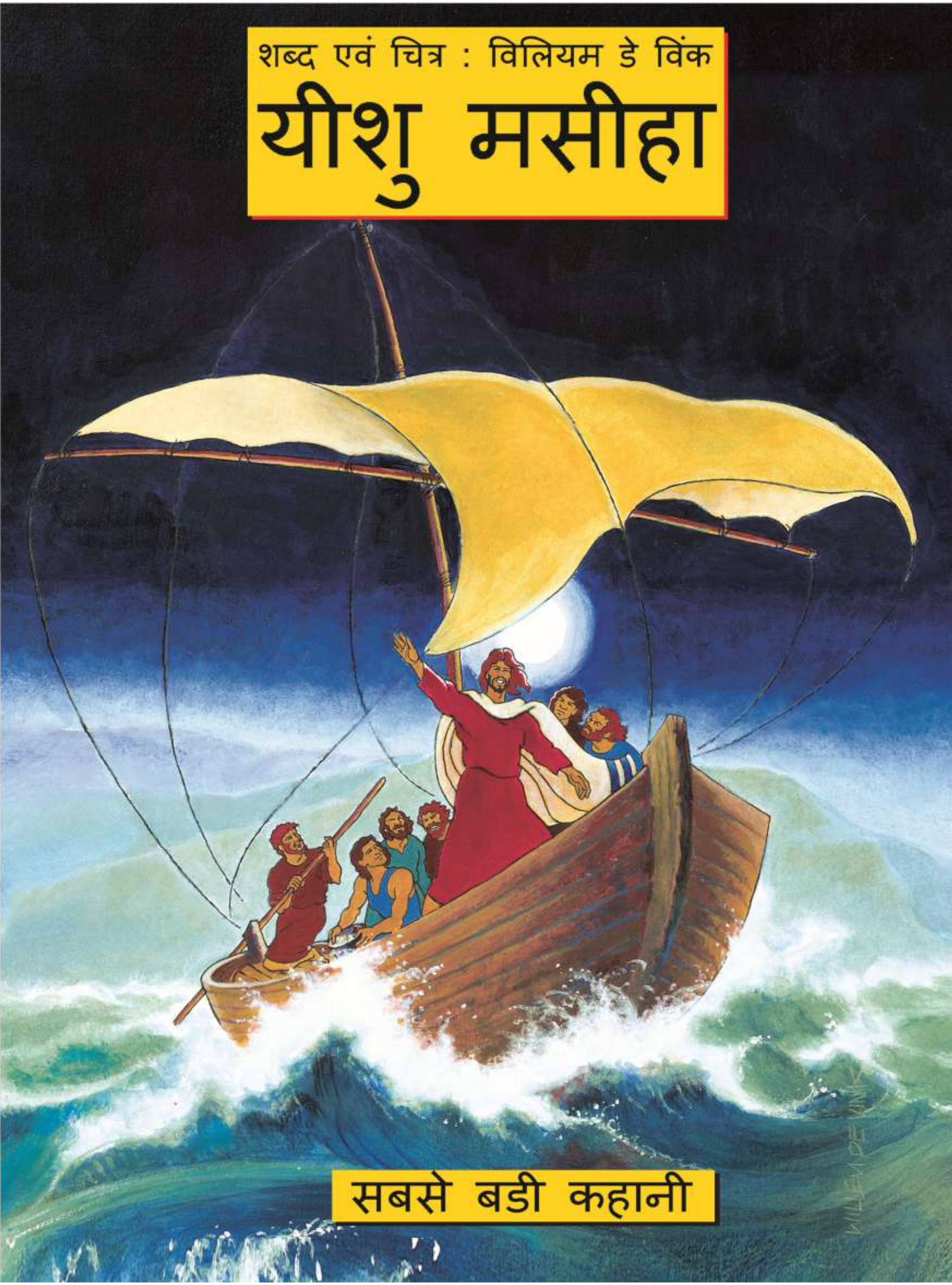

सबसे बडी कहानी

❖ क्या है....

स्वर्गदूत : परमेश्वर का एक अदृश्य संदेशवाहक।(पन्ना ५)

आशीष : सभी अच्छी बाते जो परमेश्वर हमे देना चाहता है।

बाइबल : बाइबल मे आप पढ सकते है की कैसे परमेश्वर अपने लोगो के तरफ ध्यान देता है और उनसे कैसा बरताव करता है।

प्रभुभोज : यीशु के शिष्य यीशु का मृत्यू और पुनरुत्थान का स्मरण रोटी एवं दाखरस लेकर करते है।(पन्ना ४१)

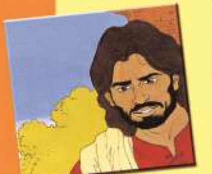

क्रूस : पीडा देने का एक साधन जिसपर यीशु खुद की ईच्छा से मारा गया, यीशु के शिष्यो का वह एक चिन्ह बन गया। (पन्ना २५,५०)

शिष्य : यीशु के चेले।(पन्ना १८)

ईस्टर : यीशु के पुनरुत्थान का पर्व मनाना।यहूदी इसी दिन फसह का पर्व मनाते है। (पन्ना ३८-५४)

अनन्त जीवन: यीशु के साथ जीवन जीना यह परमेश्वर का उद्देश है, वह मृत्यूपर विजय प्राप्त करके अनन्त जीवन है। (पन्ना २३,२९-३० एवं ५९)

विश्वास : परमेशवर पर भरोसा रखना और उसके प्रतिज्ञाओ पर भरोसा रखना। (पन्ना ५८)

क्षमाशिलता: परमेश्वर क्षमा करता है, जब कि हम मे कोई भी उसके लिये पात्र नही परमेश्वर क्षमा करता है जब आप उसे पापो कि क्षमा मांगते है और खुद मे परिवर्तन करते है। क्षमाशिलता संभव है क्योकी यीशु के बलीदान से हम उसलिये योग्य किये गये है। (पन्ना ५८)

परमेश्वर का राज्य: जहा लोग परमेश्वर कि आज्ञा का पालन करते है वहा परमेश्वर का राज्य है।

पवित्र आत्मा : परमेश्वर का आत्मा जो लोगो मे रहता है जो यीशु के अनुयायी है। (पन्ना ५८)

यीशु : परमेश्वर के पुत्र का नाम अर्थात परमेश्वर हमारे साथ।

मसीहा : अभिषिक्त राजा "मसीहा" (एक हिब्रु शब्द) जो कि ग्रीक भाषांतर मे है अर्थात मसीह।(पन्ना ५२,५५)

प्रार्थना : आप का परमेश्वर के साथ धीरज से और बडी आवाज मे बात करना। (पन्ना १८, १९, ४२)

पुनरुत्थान : यीशु मृत्यू मे से फिरसे जी उठा।एक दिन सबको मृत्यू मे से जिलाया जायेंगा, तब परमेश्वर हर एक मनुष्य का न्याय करेंगा।(पन्ना ५३,५७)

फिर से आना : जब यीशू पृथ्वी पर फिर से आयेंगा,स्वर्ग और पृथ्वी नये हो जायेंगे। परमेश्वर के द्वारा सबकुछ नया हो जायेंगा। (पन्ना ५७)

शैतान : जो अदृश्य् स्वरुप मे है वह परमेश्वर और मनुष्य का शत्रू है।

पाप : वह बाते जो हम परमेश्वर की इच्छा के विरुध्द करते है और परमेश्वर का उद्देश जो हमारे लिये है उससे हमे दूर रखता है।(पन्ना ४)

परमेश्वर का पुत्र : यीशु का नाम, जो परमेश्वर का पुत्र कहलाते हुए वह मनुष्य रुप मे जगत मे आया।

jezus messias - vol 1

❖ यीशु मसीहा कौन है ?

❖ यीशु के समय

यीशु २००० हजार वर्षपूर्व इस्त्राएल मे रहा। हम उसे "यीशु मसीह" या "ईसा मसीह" कहते है।अर्थात वह एक राजा, परमेश्वर का एक पुत्र कहलाता है। अर्थात परमेश्वर और "मनुष्य का पुत्र" मनुष्य से आया है। बाइबल मे यीशु के जीवन का इतिहास बताया है। यह एक महान कहानी है।

हमारा इतिहास यीशु के जन्म से शुरु होता है। तब लोग सफर पैदल, गधेपर, उंटपर या घोडोपर करते थे। तब रोमी साम्राज्य यह यूरोप, मध्य पूर्व और उत्तर आफ्रिका मे था। बहुत सारे लोग लिखना या पढना नही जानते थे। इस्त्राएल मे के यहुदीयो को "किताब मे के लोग" कहा गया है। परमेश्वर किताब मे से बात करता है वह है बाइबल। वह सब दिखनेवाली बातो का निर्माता है और उसे हम लोगो से दोस्ती करनी है।यह यीशु ने हमे साफ दिखलाया है।

❖ यीशु के समय मे इस्त्राइल

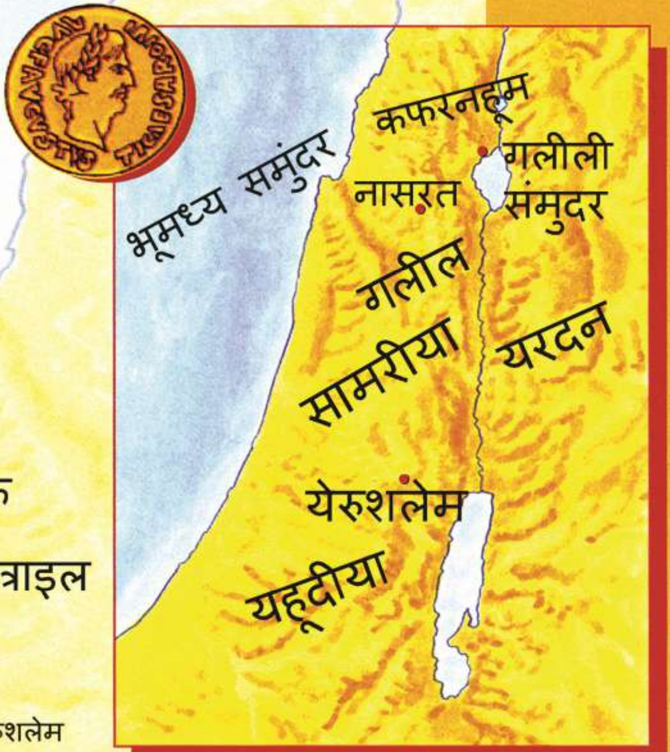

राजधानी : यरुशलेम

बडे प्रांत : गलील, सामरिया, यहूदीया

विस्तार : लगभग २८००० किमी. (१०८१० मील)

मौसम : उष्ण कटिबंध

राजनैतिक : ६३ बी. सी शुरुवातसे (मसीह से पहले) रोमी साम्राज्य की हूकुमत इस्त्राइल मे है।

सरकार : मुख्य पिलातुस, रोमी राज्यपाल इस्त्राइल मे राज्य, तिबेरियस, रोमी साम्राज्य

धर्म : यहूदी धर्म, यरुशलेम मे यहूदीयो का मंदिर है। वहा यहूदी पुजारी सभी धार्मिक कार्य करते है। और (जैसै फरीसी) बाइबल मे से वह लोगो को सिखाते है।

भाषा : हिब्रू (यहूदीयो की भाषा) ग्रीक(आतंरराष्टीय स्तर पर बोले जानेवाली भाषा) लॅटिन(रोमन भाषा)।

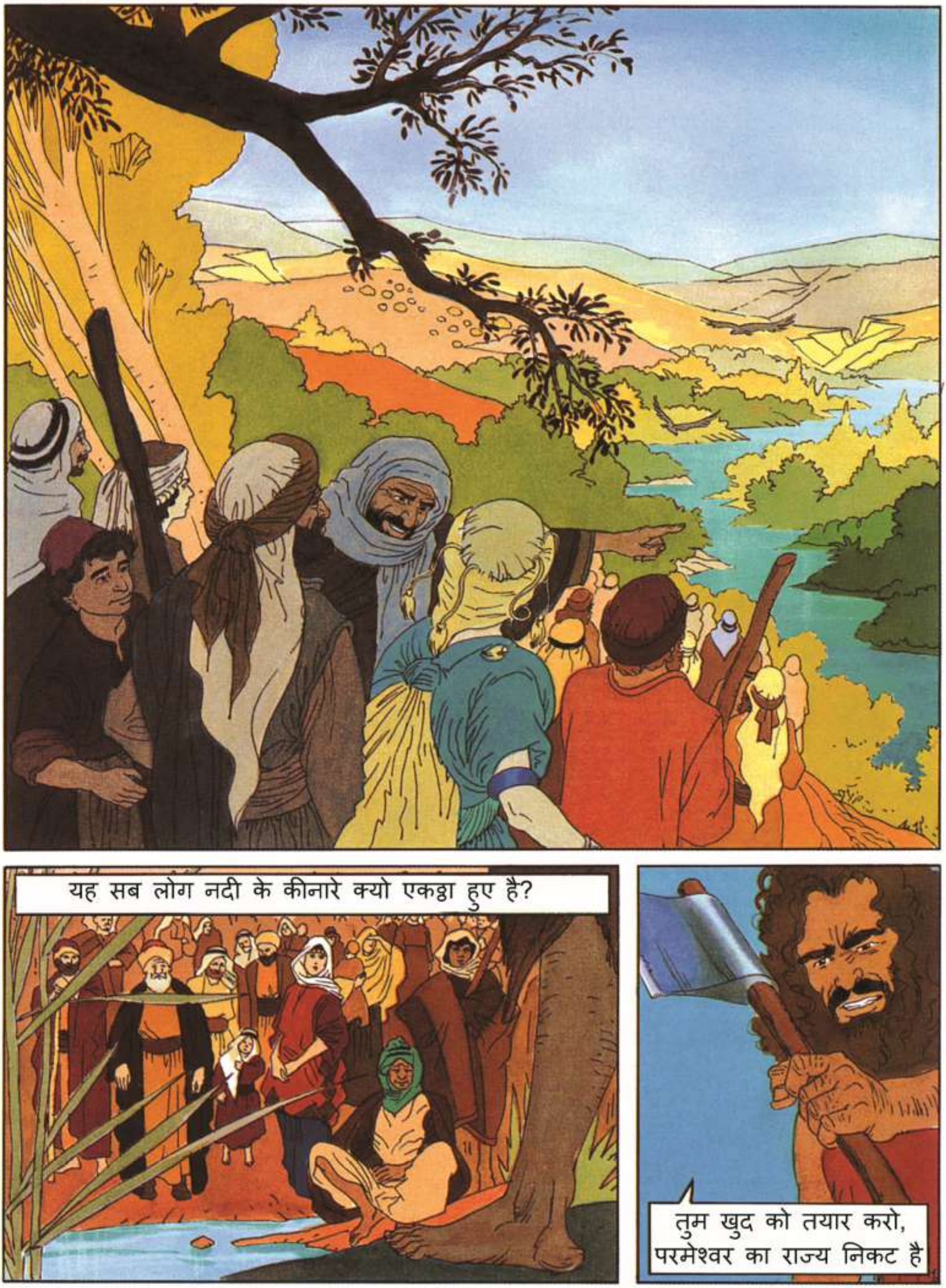
यह सब लोग नदी के कीनारे क्यो एकट्ठा हुए है?
तुम खुद को तयार करो,
परमेश्वर का राज्य निकट है

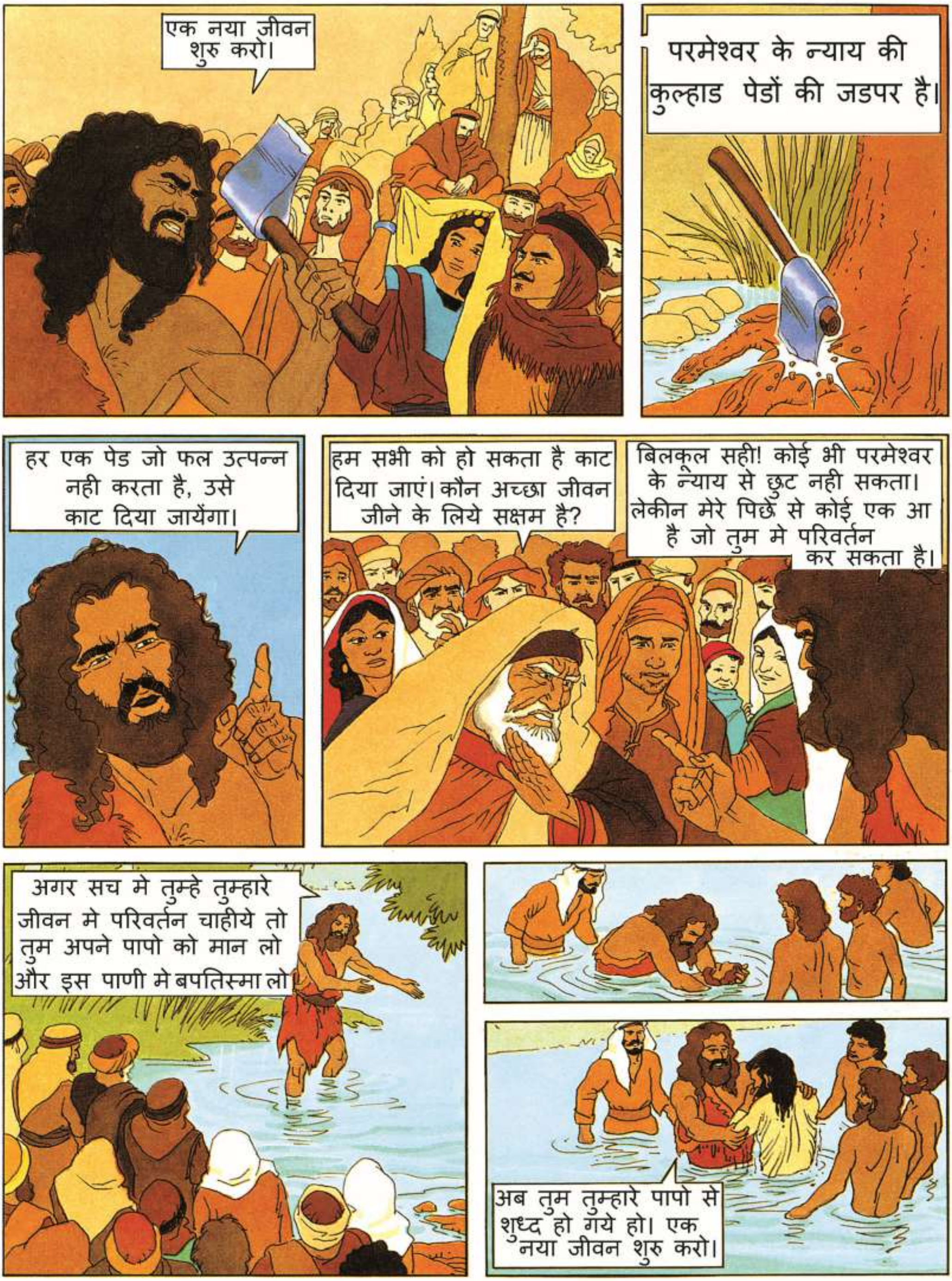
एक नया जीवन शुरु करो।
परमेश्वर के न्याय की कुल्हाड पेडों की जडपर है।
हर एक पेड जो फल उत्पन्न नही करता है, उसे काट दिया जायेंगा।
हम सभी को हो सकता है काट दिया जाएं। कौन अच्छा जीवन जीने के लिये सक्षम है?
बिलकूल सही! कोई भी परमेश्वर के न्याय से छुट नही सकता। लेकीन मेरे पिछे से कोई एक आ है जो तुम मे परिवर्तन कर सकता है।
अगर सच मे तुम्हे तुम्हारे जीवन मे परिवर्तन चाहीये तो तुम अपने पापो को मान लो और इस पाणी मे बपतिस्मा लो
अब तुम तुम्हारे पापो से शुध्द हो गये हो। एक नया जीवन शुरु करो।

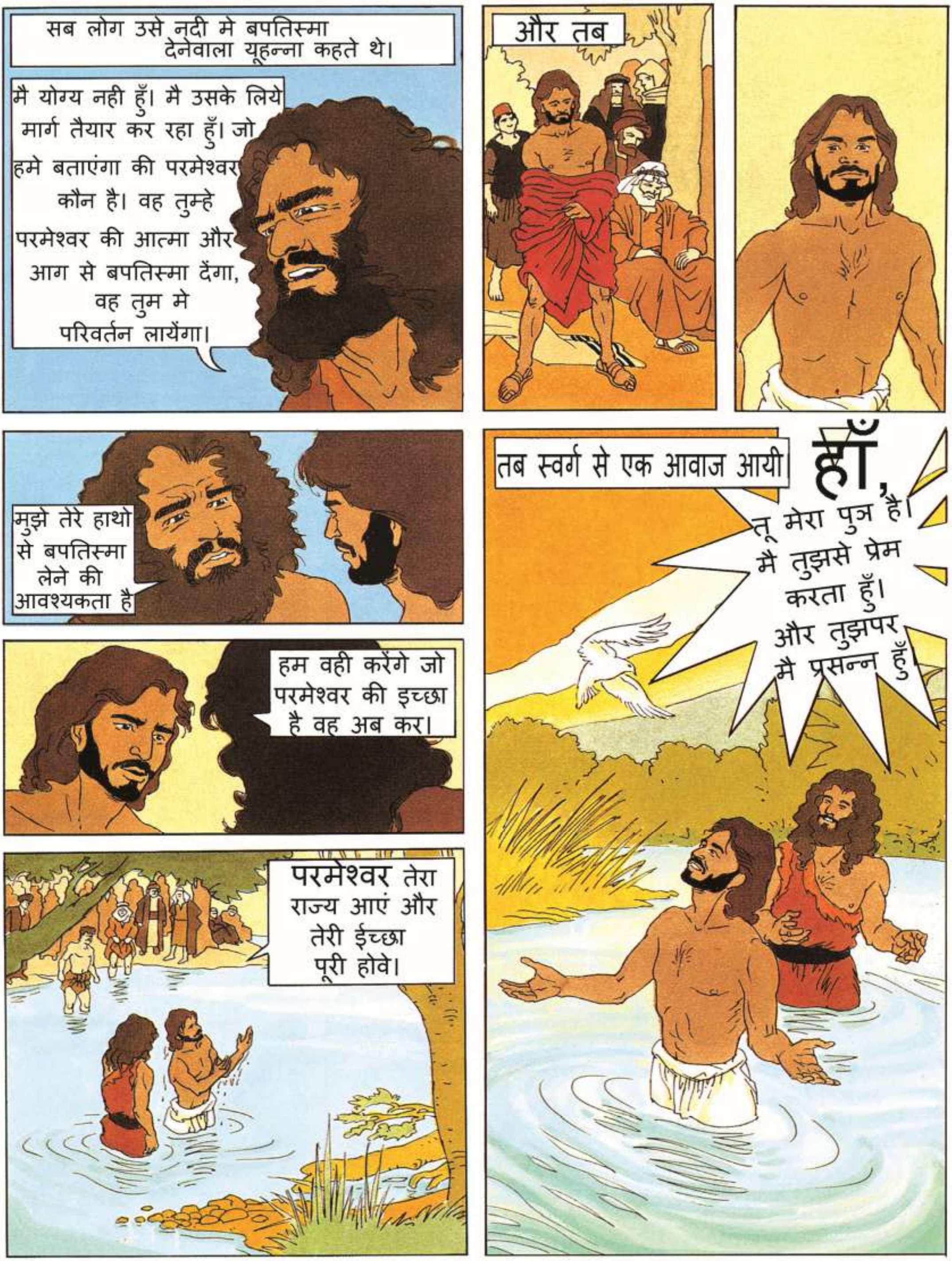
सब लोग उसे नदी मे बपतिस्मा देनेवाला यूहन्ना कहते थे।
मै योग्य नही हुँ। मै उसके लिये मार्ग तैयार कर रहा हुँ। जो हमे बताएंगा की परमेश्वर कौन है। वह तुम्हे परमेश्वर की आत्मा और आग से बपतिस्मा देंगा, वह तुम मे परिवर्तन लायेंगा।
और तब
मुझे तेरे हाथो से बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है
हम वही करेंगे जो परमेश्वर की इच्छा है वह अब कर।
परमेश्वर तेरा राज्य आएं और तेरी ईच्छा पूरी होवे।
तब स्वर्ग से एक आवाज आयी
हाँ, तू मेरा पुत्र है। मै तुझसे प्रेम करता हुँ। और तुझपर मै प्रसन्न हुँ।

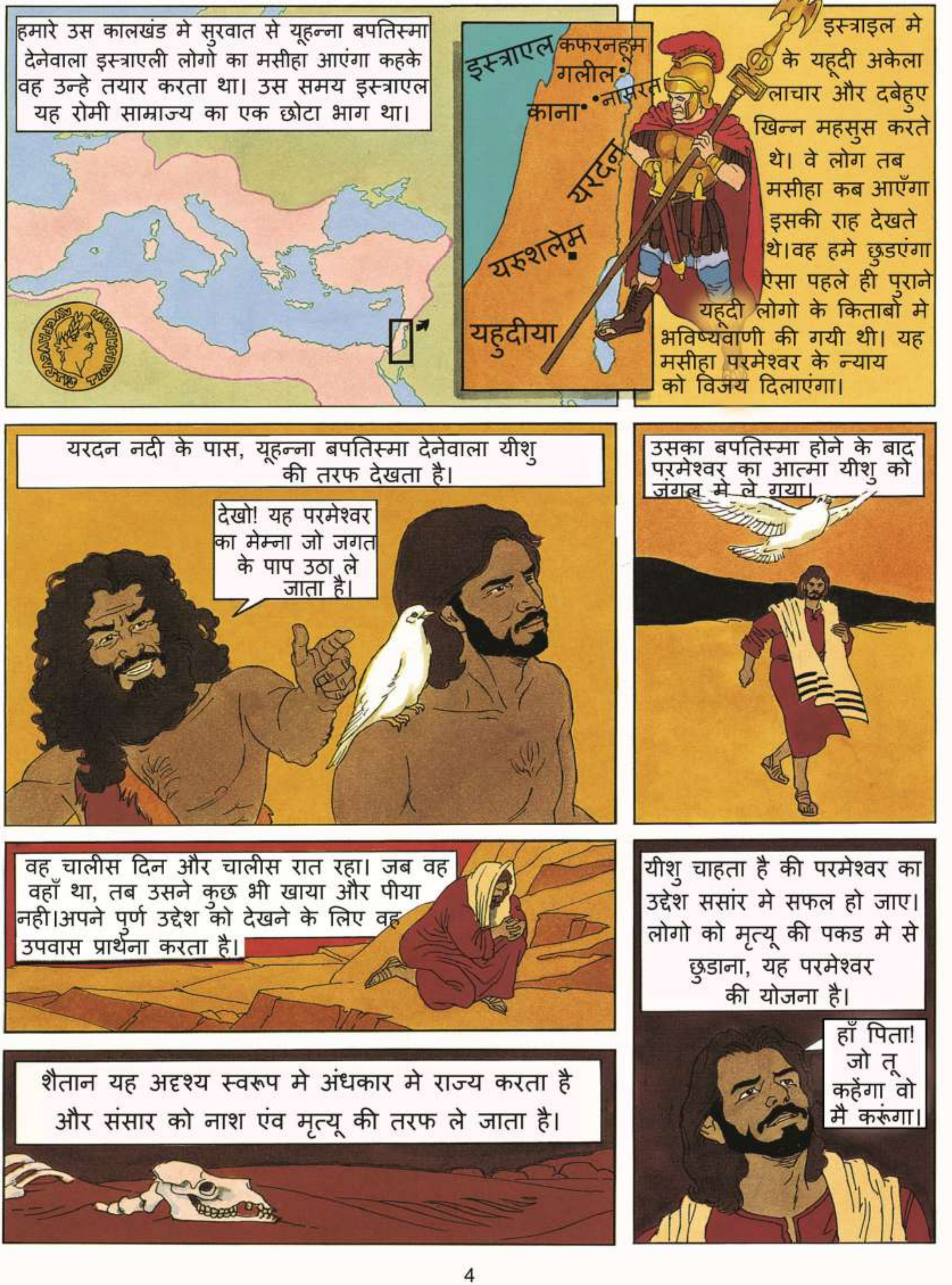

हमारे उस कालखंड मे सुरवात से यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला इस्त्राएली लोगो का मसीहा आएंगा कहके वह उन्हे तयार करता था। उस समय इस्त्राएल यह रोमी साम्राज्य का एक छोटा भाग था।
इस्त्राएल
कफरनहूम
गलील
नासरत
काना
यरदन
यरुशलेम
यहुदीया
इस्त्राइल मे के यहूदी अकेला लाचार और दबेहुए खिन्न महसुस करते थे। वे लोग तब मसीहा कब आएँगा इसकी राह देखते थे।वह हमे छुडएंगा ऐसा पहले ही पुराने यहूदी लोगो के किताबो मे भविष्यवाणी की गयी थी। यह मसीहा परमेश्वर के न्याय को विजय दिलाएंगा।
यरदन नदी के पास, यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला यीशु की तरफ देखता है।
देखो! यह परमेश्वर का मेम्ना जो जगत के पाप उठा ले जाता है।
उसका बपतिस्मा होने के बाद परमेश्वर का आत्मा यीशु को जंगल मे ले गया।
वह चालीस दिन और चालीस रात रहा। जब वह वहाँ था, तब उसने कुछ भी खाया और पीया नही।अपने पुर्ण उद्देश को देखने के लिए वह उपवास प्रार्थना करता है।
शैतान यह अदृश्य स्वरूप मे अंधकार मे राज्य करता है और संसार को नाश एंव मृत्यू की तरफ ले जाता है।
यीशु चाहता है की परमेश्वर का उद्देश ससांर मे सफल हो जाए। लोगो को मृत्यू की पकड मे से छुडाना, यह परमेश्वर की योजना है।
हाँ पिता! जो तू कहेंगा वो मै करूंगा।

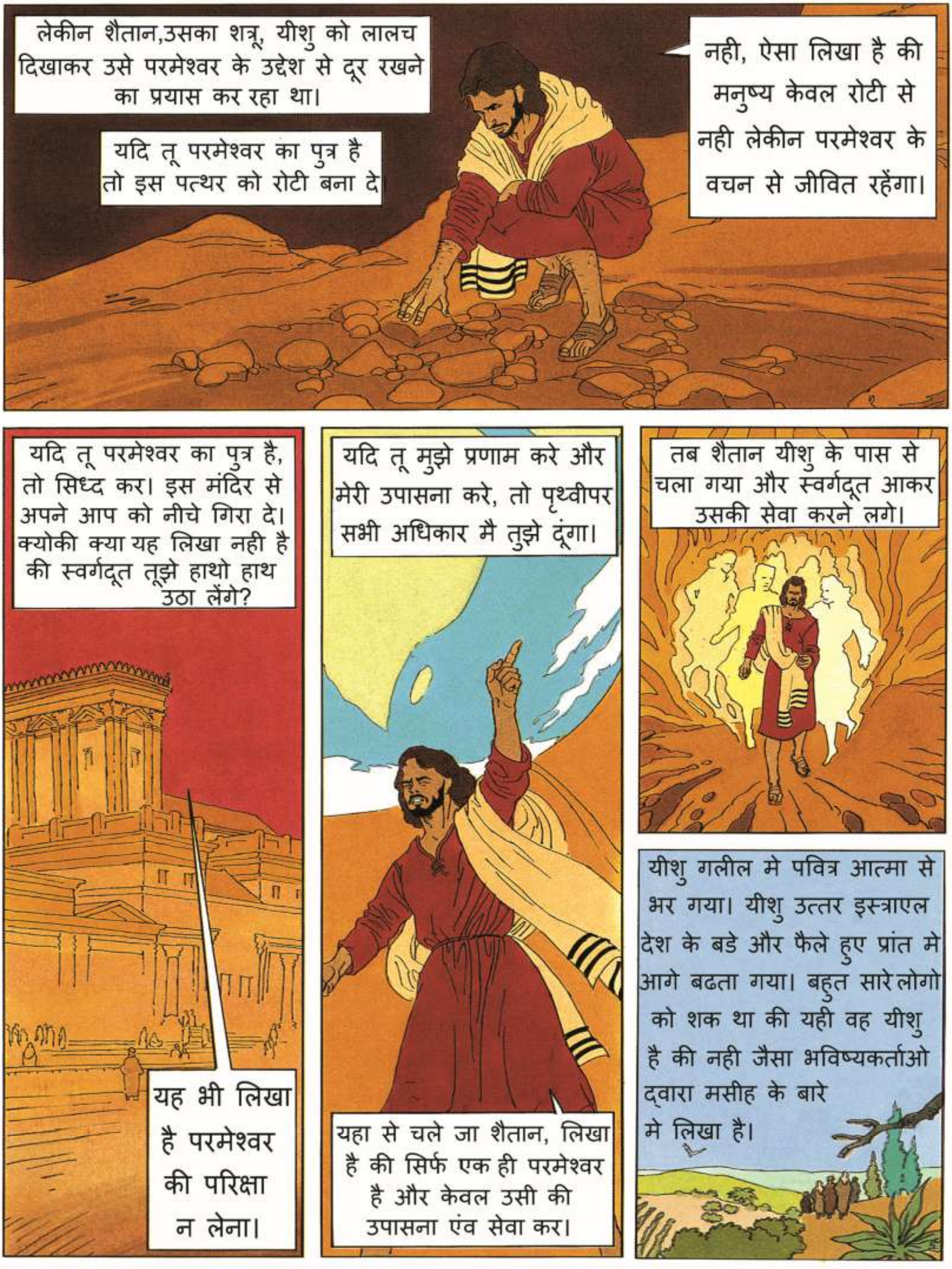
लेकीन शैतान,उसका शत्रू, यीशु को लालच दिखाकर उसे परमेश्वर के उद्देश से दूर रखने का प्रयास कर रहा था।
यदि तू परमेश्वर का पुत्र है तो इस पत्थर को रोटी बना दे।
नही, ऐसा लिखा है की मनुष्य केवल रोटी से नही लेकीन परमेश्वर के वचन से जीवित रहेंगा।
यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो सिध्द कर। इस मंदिर से अपने आप को नीचे गिरा दे। क्योकी क्या यह लिखा नही है की स्वर्गदूत तूझे हाथो हाथ उठा लेंगे?
यह भी लिखा है परमेश्वर की परिक्षा न लेना।
यदि तू मुझे प्रणाम करे और मेरी उपासना करे, तो पृथ्वीपर सभी अधिकार मै तुझे दूंगा।
यहा से चले जा शैतान, लिखा है की सिर्फ एक ही परमेश्वर है और केवल उसी की उपासना एंव सेवा कर।
तब शैतान यीशु के पास से चला गया और स्वर्गदूत आकर उसकी सेवा करने लगे।
यीशु गलील मे पवित्र आत्मा से भर गया। यीशु उत्तर इस्त्राएल देश के बडे और फैले हुए प्रांत मे आगे बढता गया। बहुत सारे लोगो को शक था की यही वह यीशु है की नही जैसा भविष्यकर्ताओ द्वारा मसीह के बारे मे लिखा है।

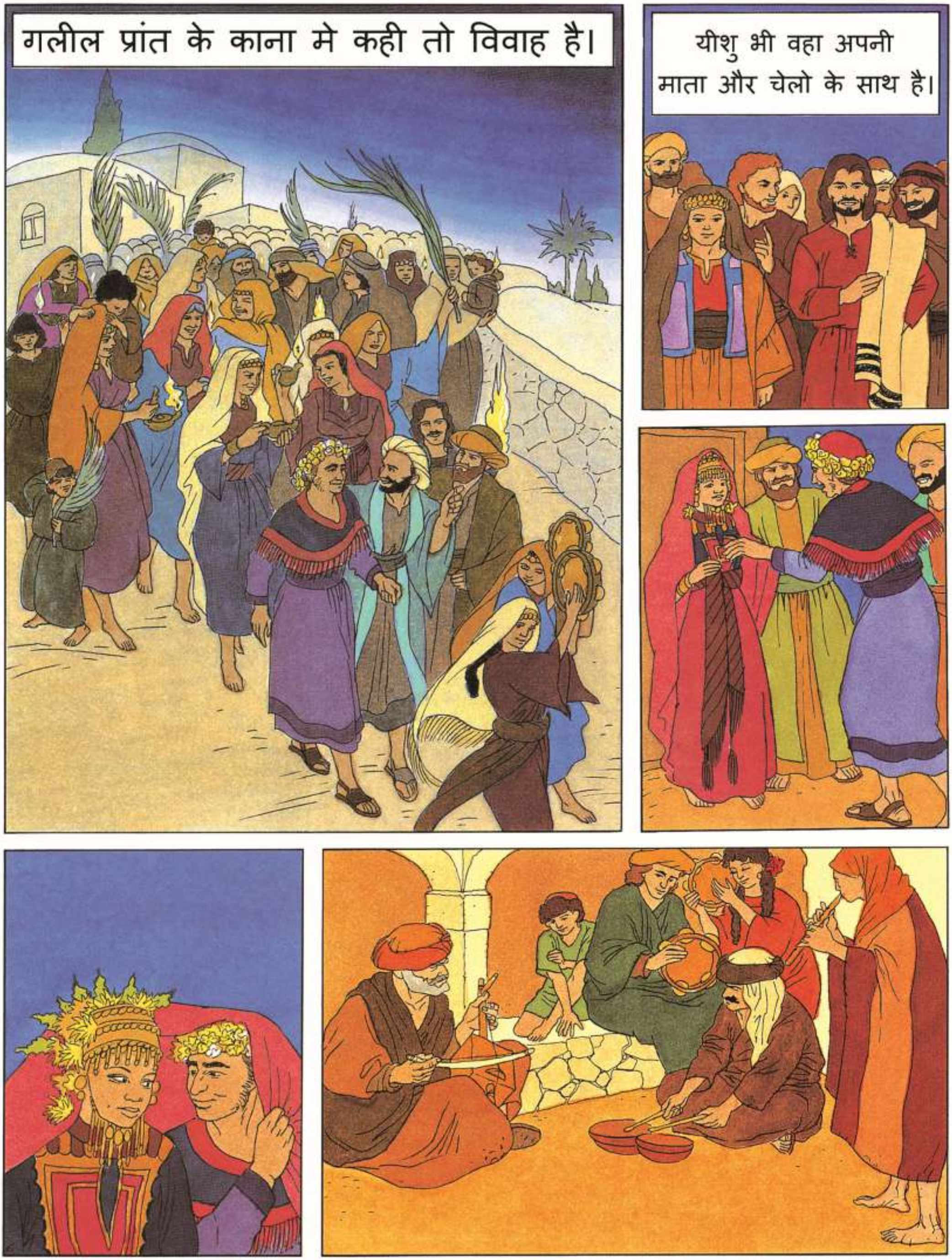
गलील प्रांत के काना मे कही तो विवाह है।
यीशु भी वहा अपनी माता और चेलो के साथ है।

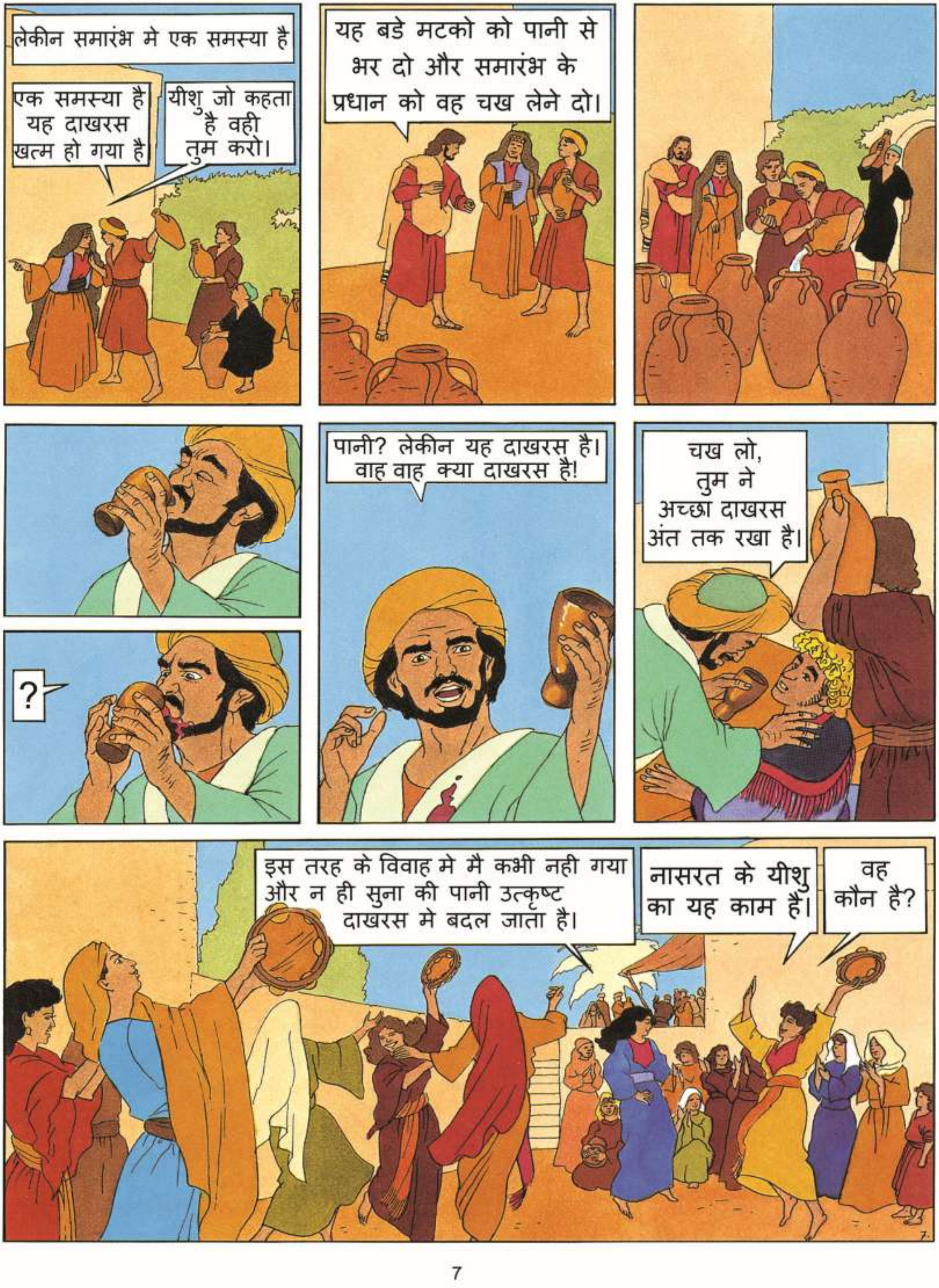

लेकीन समारंभ मे एक समस्या है
एक समस्या है यह दाखरस खत्म हो गया है
यीशु जो कहता है वही तुम करो।
यह बडे मटको को पानी से भर दो और समारंभ के प्रधान को वह चख लेने दो।
?
पानी? लेकीन यह दाखरस है। वाह वाह क्या दाखरस है!
चख लो, तुम ने अच्छा दाखरस अंत तक रखा है।
इस तरह के विवाह मे मै कभी नही गया और न ही सुना की पानी उत्कृष्ट दाखरस मे बदल जाता है।
वह कौन है?
नासरत के यीशु का यह काम है।

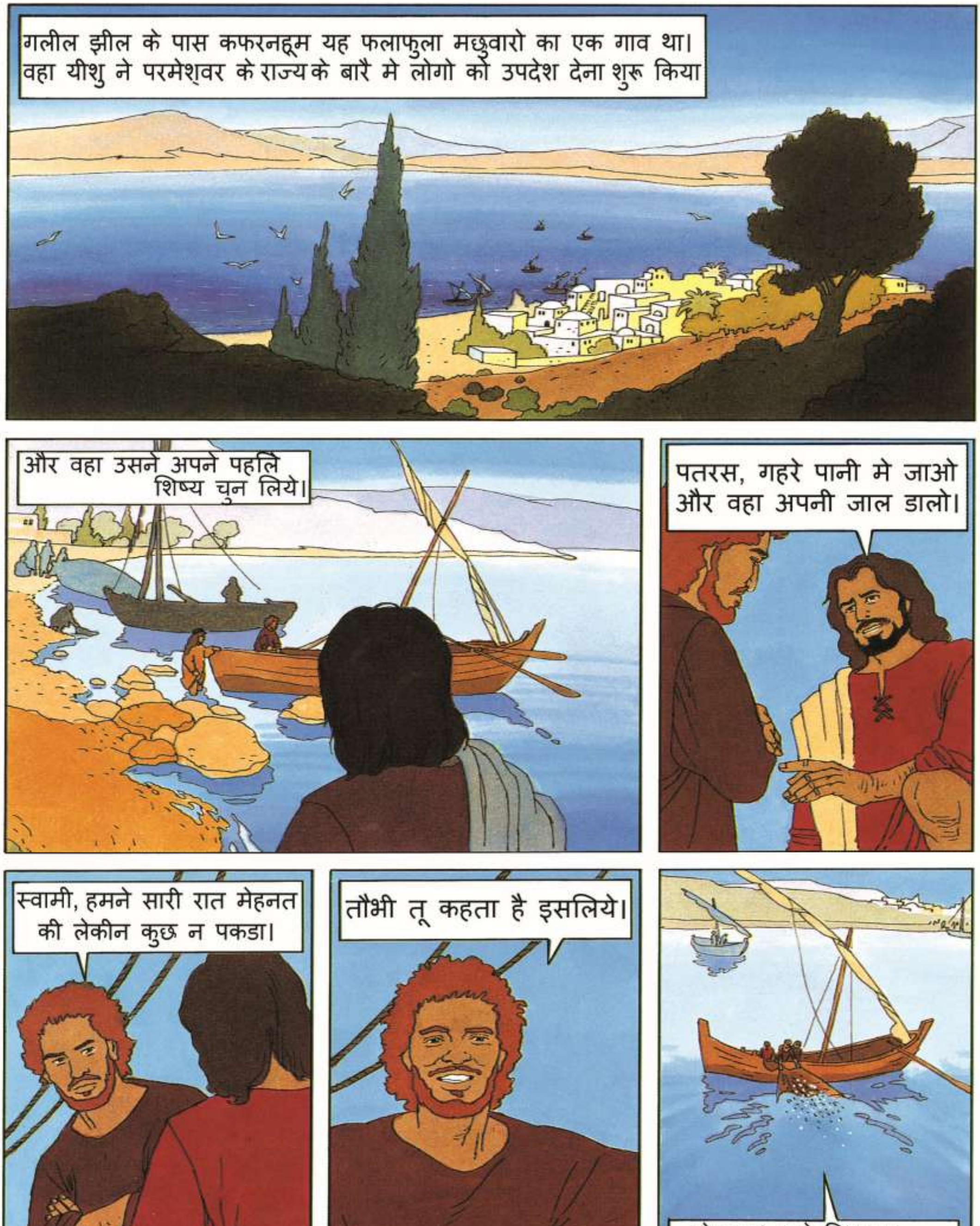
गलील झील के पास कफरनहूम यह फलाफुला मछुवारो का एक गाव था।
वहा यीशु ने परमेश्वर के राज्य के बारे मे लोगो को उपदेश देना शुरू किया
और वहा उसने अपने पहलि शिष्य चुन लिये।
पतरस, गहरे पानी मे जाओ और वहा अपनी जाल डालो।
स्वामी, हमने सारी रात मेहनत की लेकीन कुछ न पकडा।
तौभी तू कहता है इसलिये।
ये क्या! मुझे विश्वास नही हो रहा।

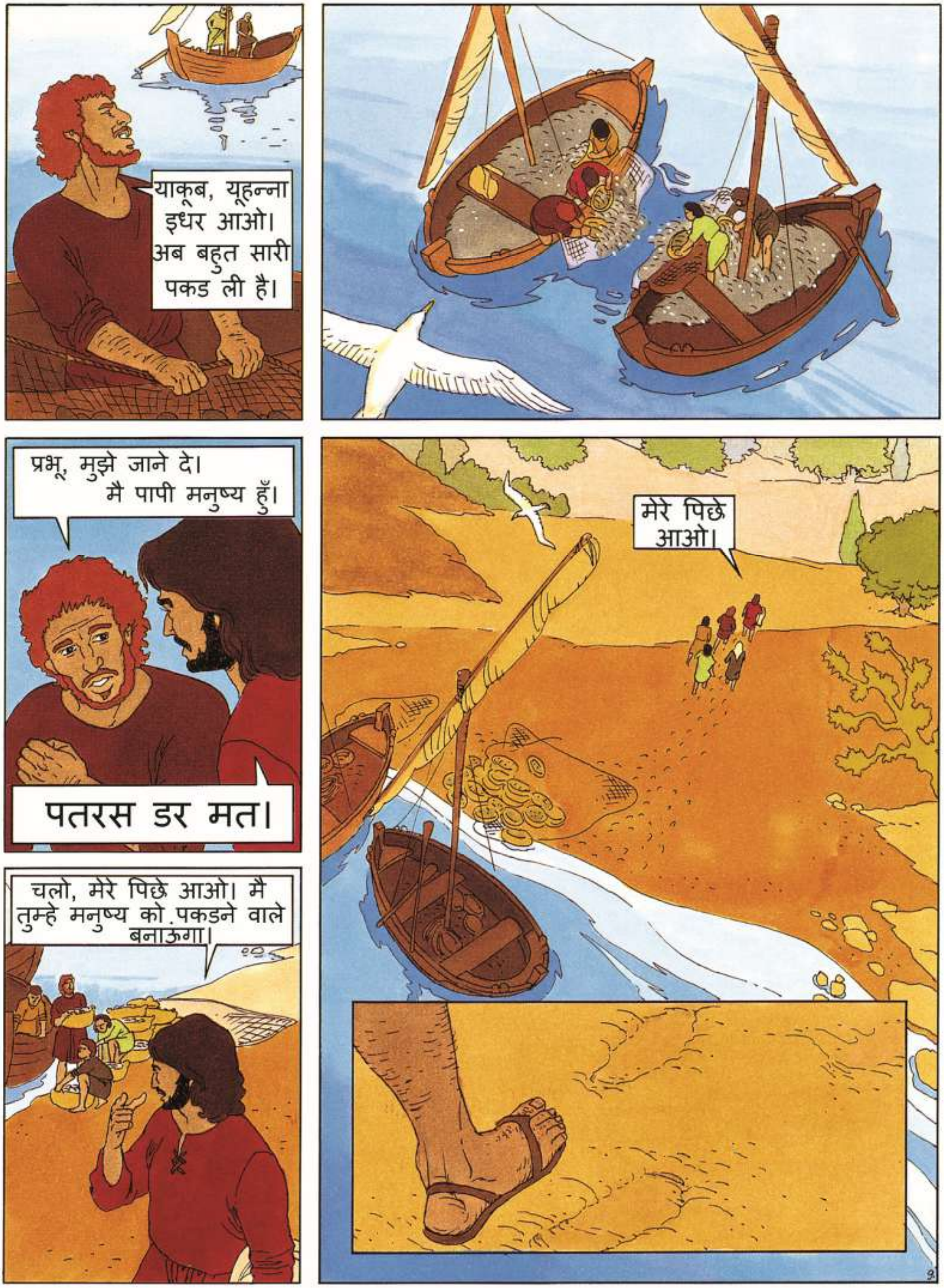
याकूब, यूहन्ना इधर आओ। अब बहुत सारी पकड ली है।
प्रभू, मुझे जाने दे। मै पापी मनुष्य हुँ।
पतरस डर मत।
चलो, मेरे पिछे आओ। मै तुम्हे मनुष्य को पकडने वाले बनाऊंगा।
मेरे पिछे आओ।

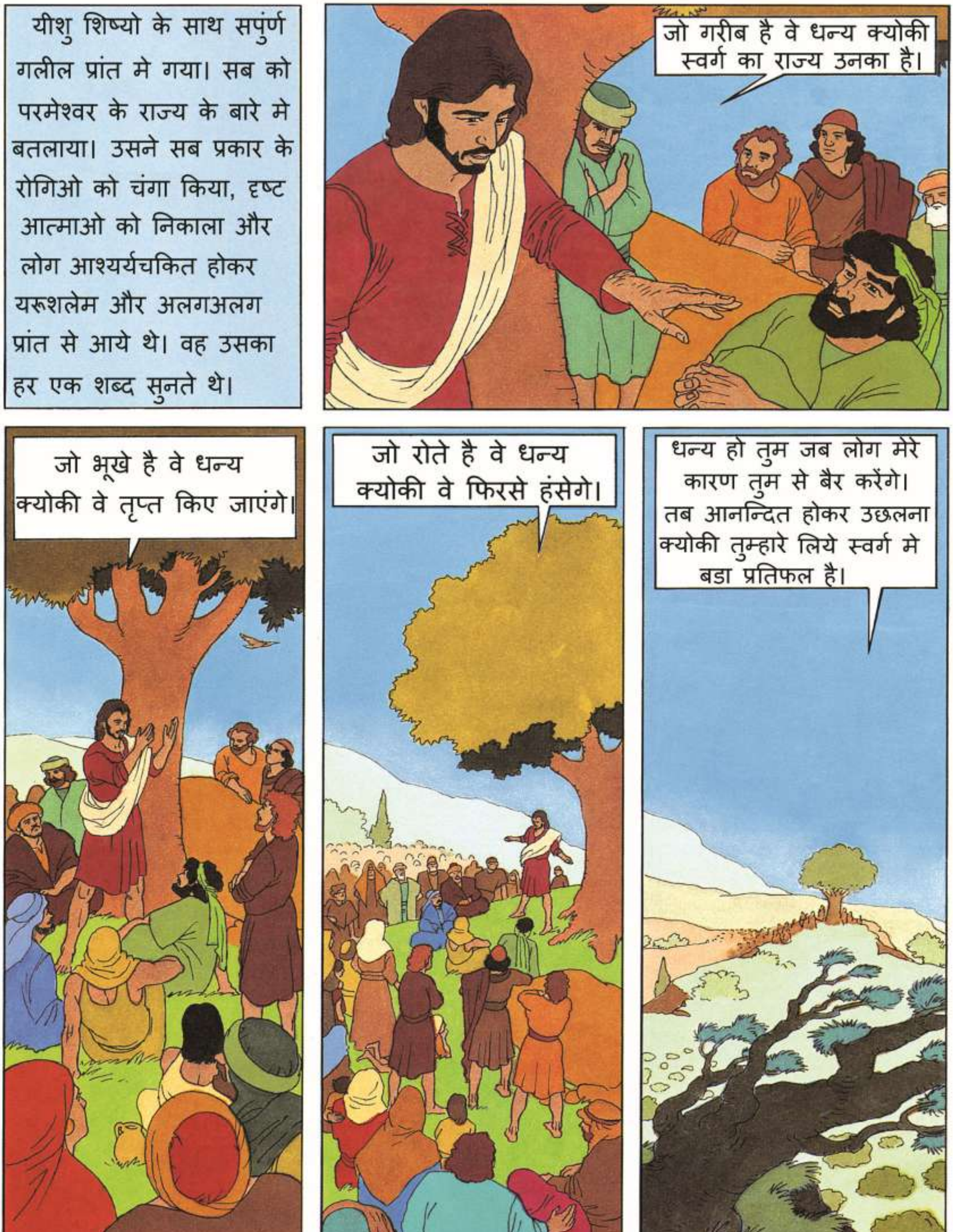
यीशु शिष्यो के साथ सपुंर्ण गलील प्रांत मे गया। सब को परमेश्वर के राज्य के बारे मे बतलाया। उसने सब प्रकार के रोगिओ को चंगा किया, दृष्ट आत्माओ को निकाला और लोग आश्यर्यचकित होकर यरूशलेम और अलगअलग प्रांत से आये थे। वह उसका हर एक शब्द सुनते थे।
जो गरीब है वे धन्य क्योकी स्वर्ग का राज्य उनका है।
जो भूखे है वे धन्य क्योकी वे तृप्त किए जाएंगे।
जो रोते है वे धन्य क्योकी वे फिरसे हंसेगे।
धन्य हो तुम जब लोग मेरे कारण तुम से बैर करेंगे। तब आनन्दित होकर उछलना क्योकी तुम्हारे लिये स्वर्ग मे बडा प्रतिफल है।

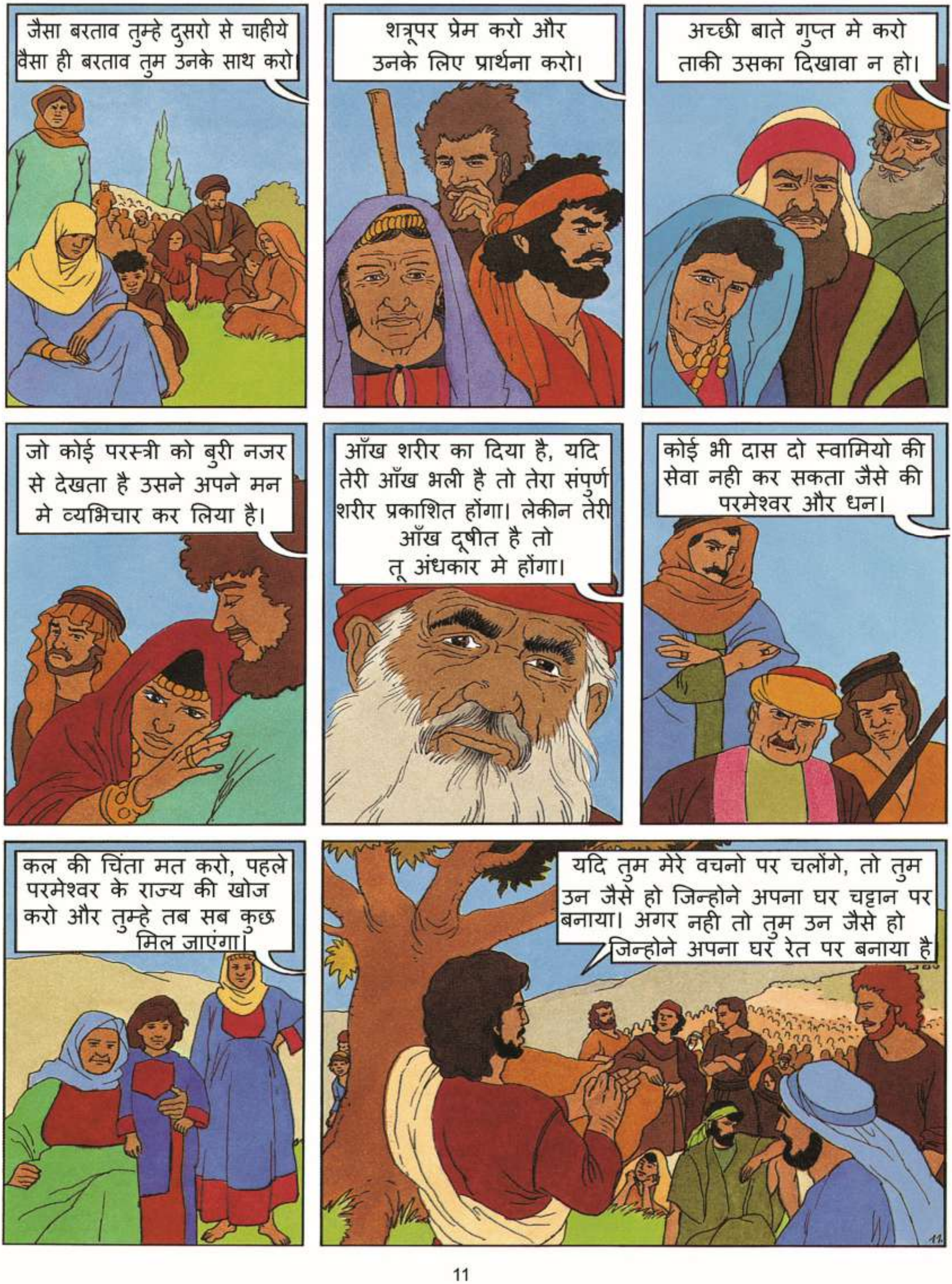
जैसा बरताव तुम्हे दुसरो से चाहीये वैसा ही बरताव तुम उनके साथ करो।
शत्रूपर प्रेम करो और उनके लिए प्रार्थना करो।
अच्छी बाते गुप्त मे करो ताकी उसका दिखावा न हो।
जो कोई परस्त्री को बुरी नजर से देखता है उसने अपने मन मे व्यभिचार कर लिया है।
आँख शरीर का दिया है, यदि तेरी आँख भली है तो तेरा संपुर्ण शरीर प्रकाशित होंगा। लेकीन तेरी आँख दूषीत है तो तू अंधकार मे होंगा।
कोई भी दास दो स्वामियो की सेवा नही कर सकता जैसे की परमेश्वर और धन।
कल की चिंता मत करो, पहले परमेश्वर के राज्य की खोज करो और तुम्हे तब सब कुछ मिल जाएंगा।
यदि तुम मेरे वचनो पर चलोंगे, तो तुम उन जैसे हो जिन्होने अपना घर चट्टान पर बनाया। अगर नही तो तुम उन जैसे हो जिन्होने अपना घर रेत पर बनाया है

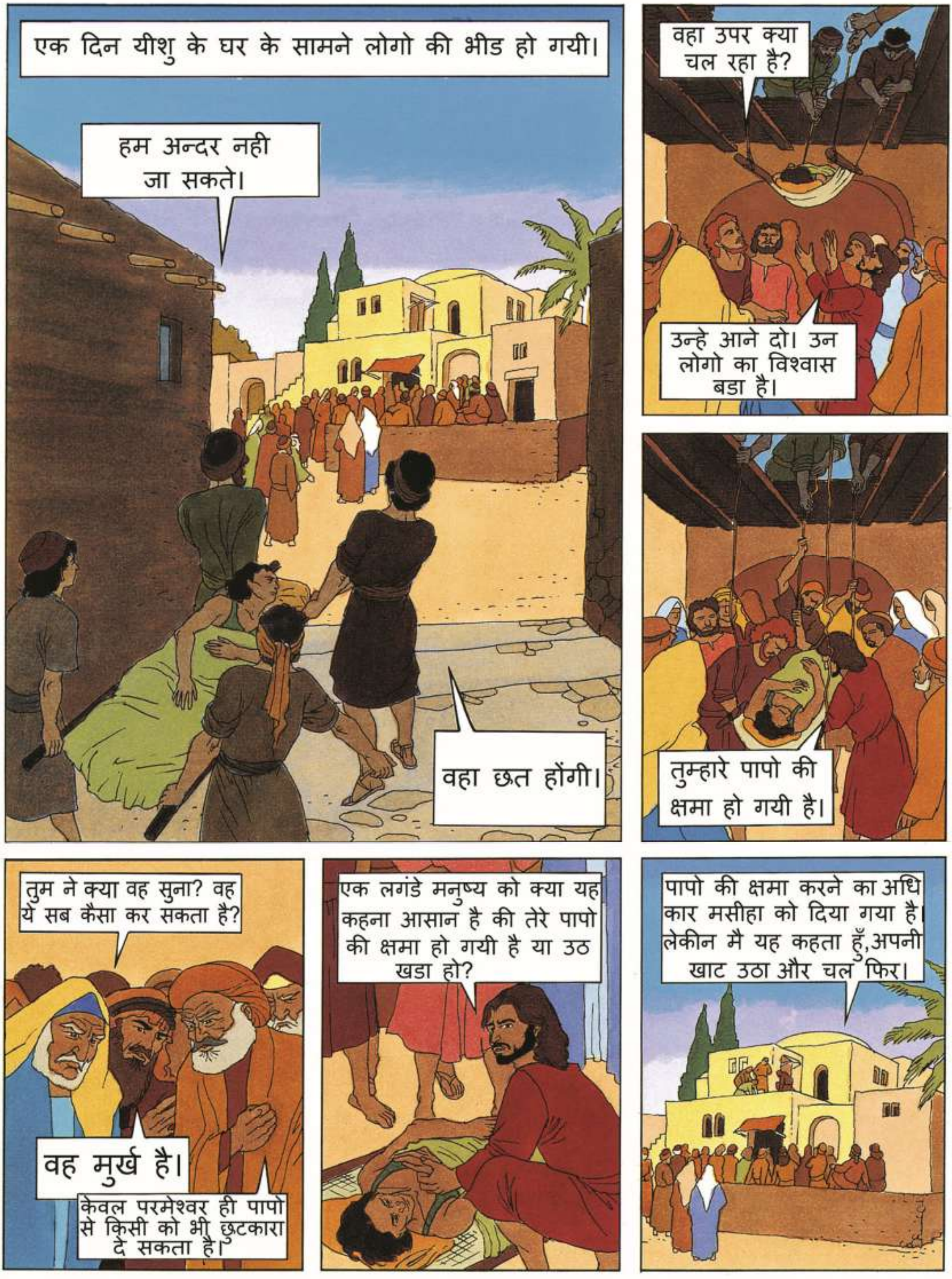
एक दिन यीशु के घर के सामने लोगो की भीड हो गयी।
हम अन्दर नही जा सकते।
वहा छत होंगी।
वहा उपर क्या चल रहा है?
उन्हे आने दो। उन लोगो का विश्वास बडा है।
तुम्हारे पापो की क्षमा हो गयी है।
तुम ने क्या वह सुना? वह ये सब कैसा कर सकता है?
वह मुर्ख है।
केवल परमेश्वर ही पापो से किसी को भी छुटकारा दे सकता है।
एक लगंडे मनुष्य को क्या यह कहना आसान है की तेरे पापो की क्षमा हो गयी है या उठ खडा हो?
पापो की क्षमा करने का अधि कार मसीहा को दिया गया है। लेकीन मै यह कहता हुँ,अपनी खाट उठा और चल फिर।

असंभव।
हाँ, मै चल सकता हुँ।
वह चल रहा है
लेकीन वहाँ हर कोई यीशु के कार्यो से खुश नही था। धार्मिक प्रधान सब्त के पवित्र दिन यीशु क्या करता है इसपर ध्यान लगाये थे।
उस दिन इस्त्राएल मे कोई भी काम करने पर पाबंदी थी।
यह मनुष्य का हाथ सुख गया है। क्या उसे इस दिन पर अच्छा करना उचित है?
अपना हाथ आगे बढा।
हाँ मै चंगा हो गया।
हमने उसे चंगा करते हुए देखा।
यरूशलेम के प्रधान को अवश्य बताना की ये गलत मार्ग से राज्य को बहका रहा है।

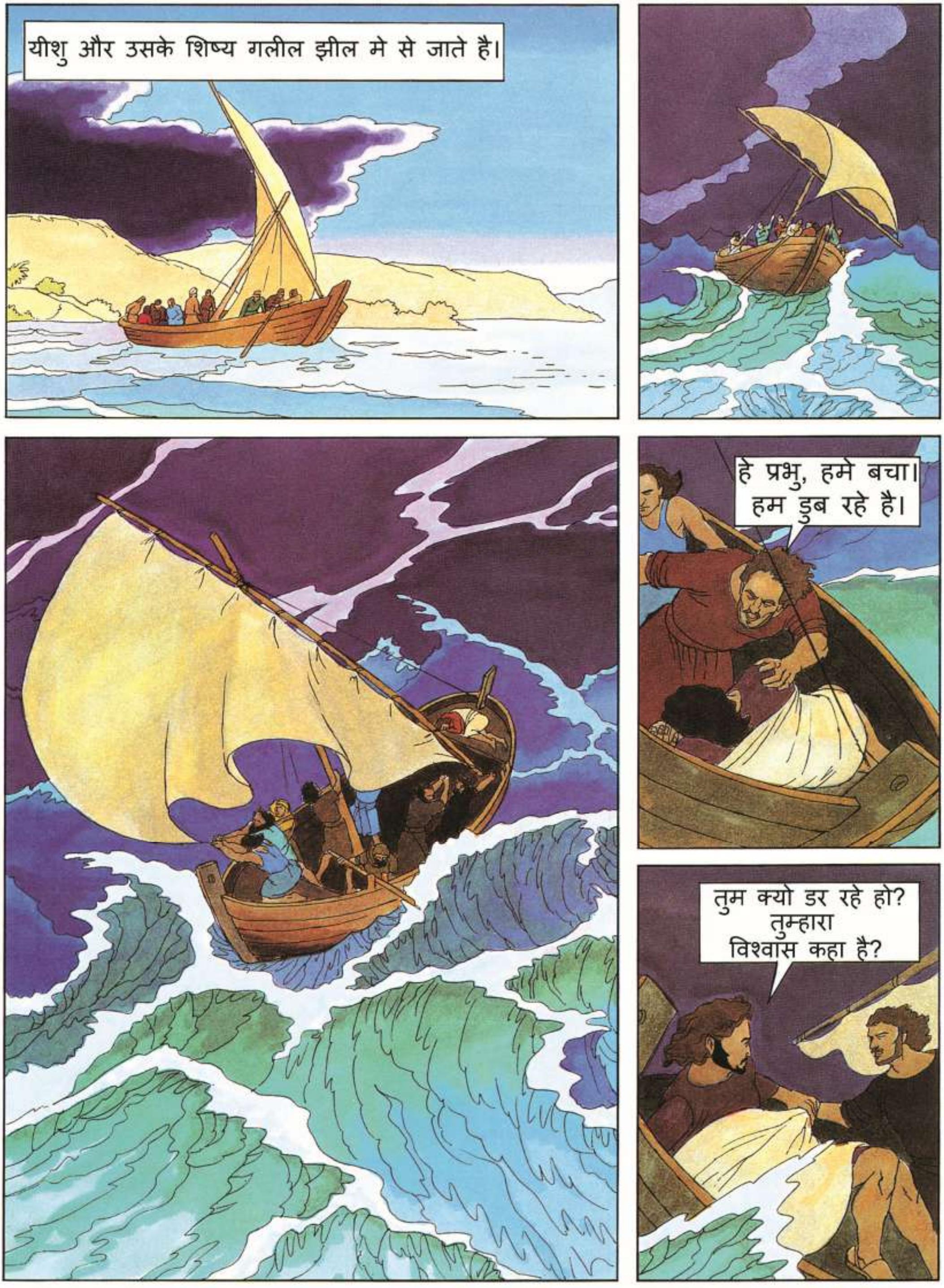
यीशु और उसके शिष्य गलील झील मे से जाते है।
हे प्रभु, हमे बचा। हम डुब रहे है।
तुम क्यो डर रहे हो? तुम्हारा विश्वास कहा है?

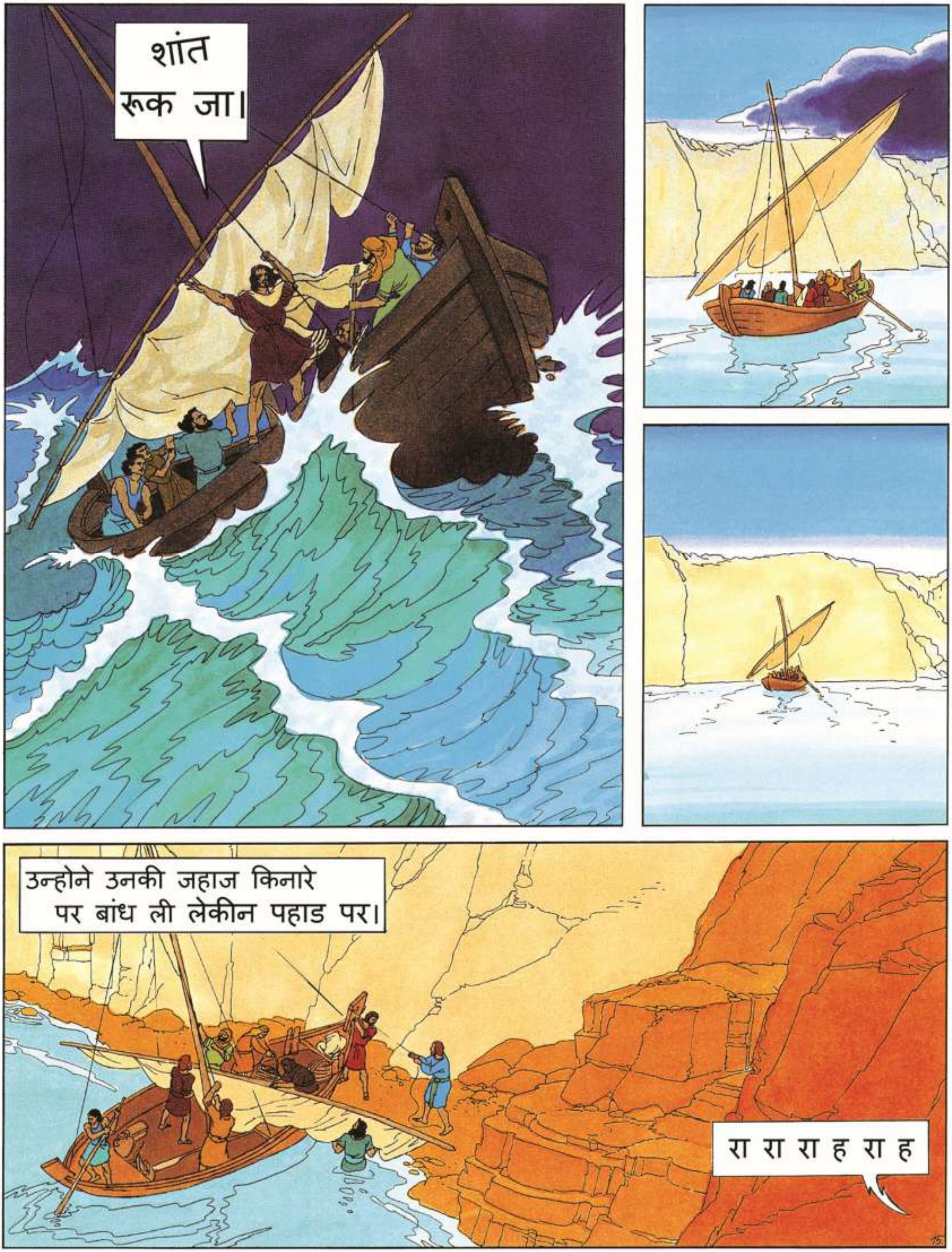
शांत
रूक जा।
उन्होने उनकी जहाज किनारे
पर बांध ली लेकीन पहाड पर।
रा रा रा ह रा ह

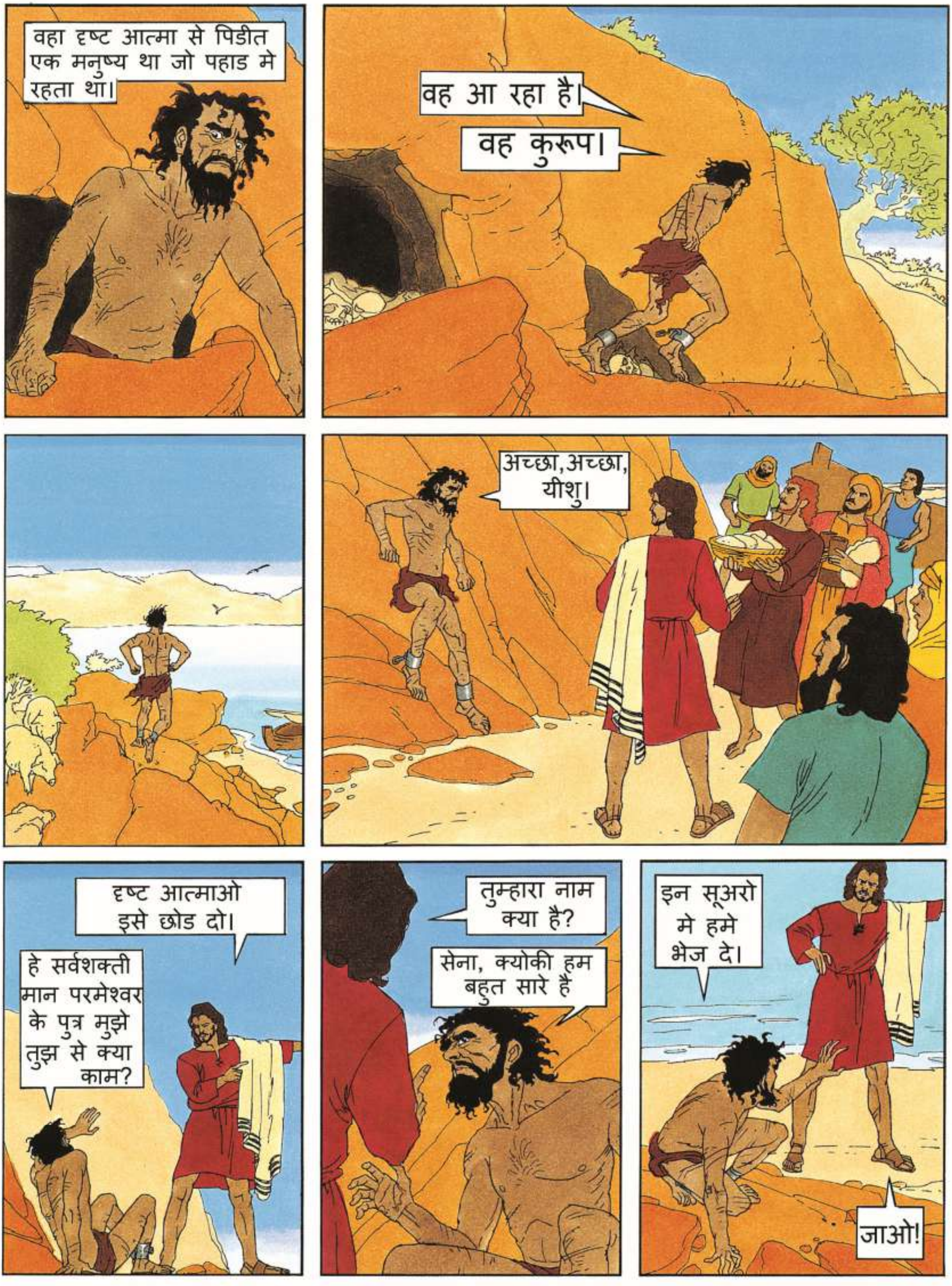
वहा दृष्ट आत्मा से पिडीत एक मनुष्य था जो पहाड मे रहता था।
वह आ रहा है।
वह कुरूप।
अच्छा, अच्छा, यीशु।
दृष्ट आत्माओ इसे छोड दो।
हे सर्वशक्ती मान परमेश्वर के पुत्र मुझे तुझ से क्या काम?
तुम्हारा नाम क्या है?
सेना, क्योकी हम बहुत सारे है
इन सूअरो मे हमे भेज दे।
जाओ!

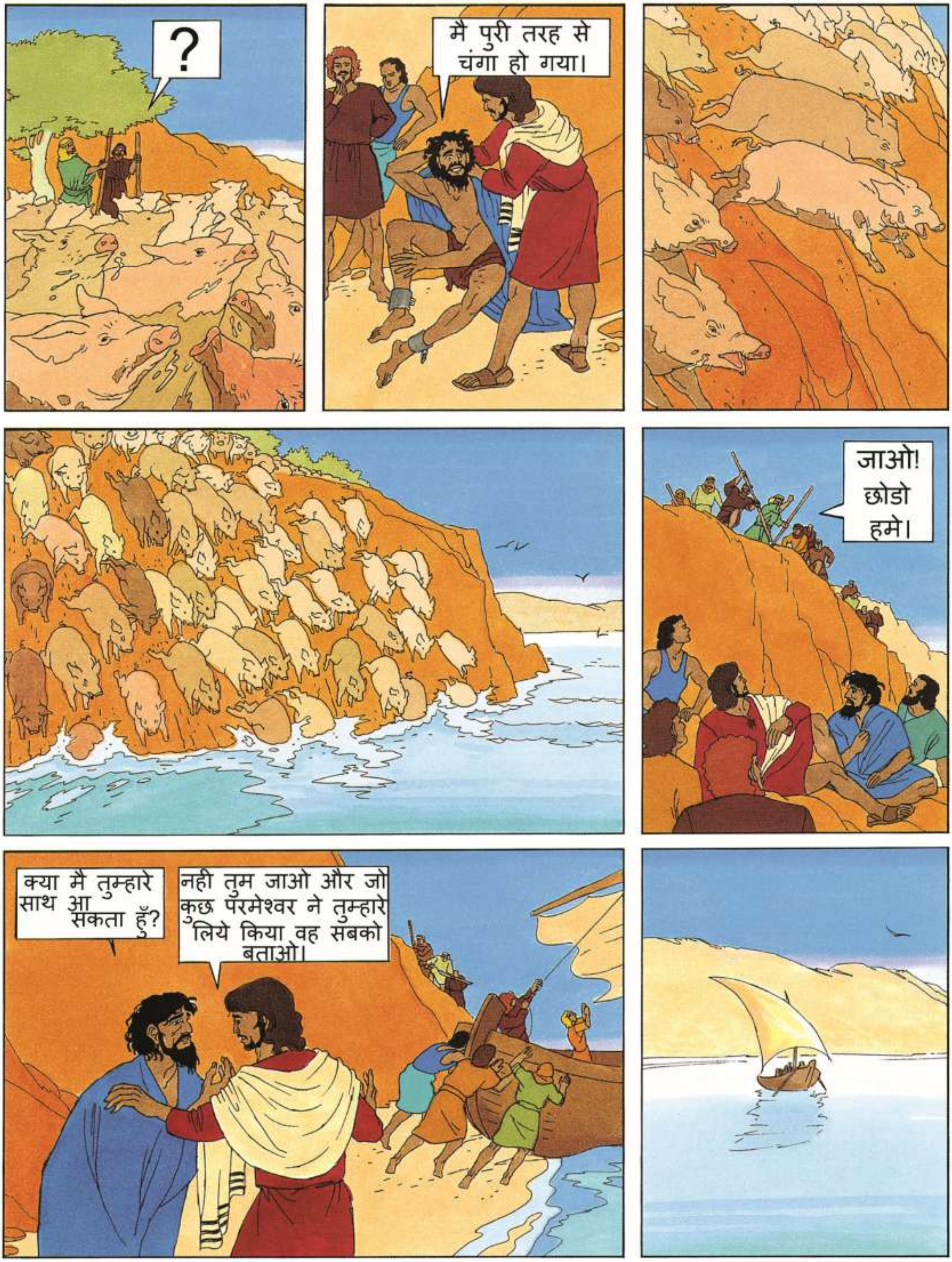
?
मै पुरी तरह से चंगा हो गया।
जाओ! छोडो हमे।
क्या मै तुम्हारे साथ आ सकता हूँ?
नही तुम जाओ और जो कुछ परमेश्वर ने तुम्हारे लिये किया वह सबको बताओ।

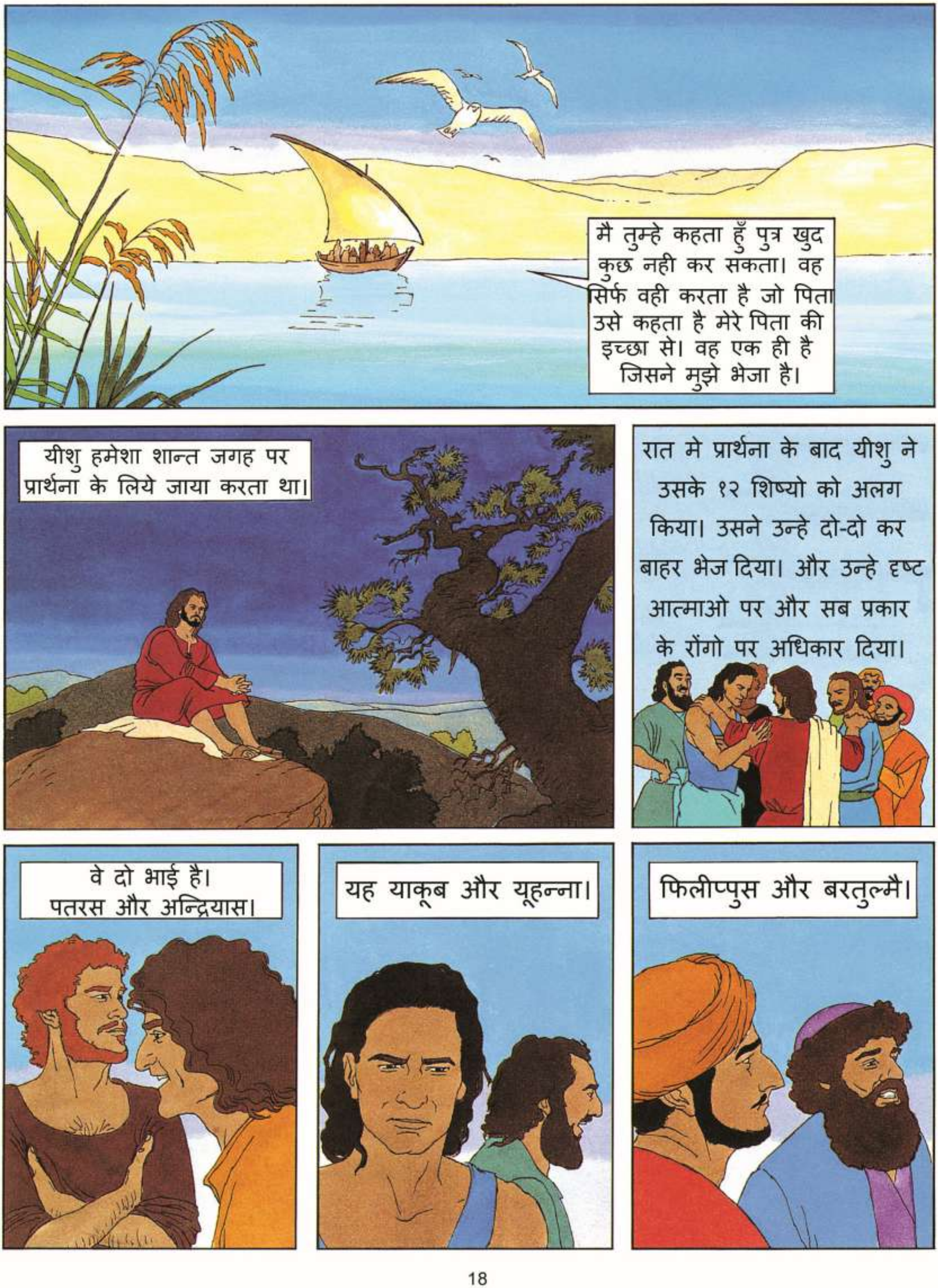
मै तुम्हे कहता हुँ पुत्र खुद कुछ नही कर सकता। वह सिर्फ वही करता है जो पिता उसे कहता है मेरे पिता की इच्छा से। वह एक ही है जिसने मुझे भेजा है।
यीशु हमेशा शान्त जगह पर प्रार्थना के लिये जाया करता था।
रात मे प्रार्थना के बाद यीशु ने उसके १२ शिष्यो को अलग किया। उसने उन्हे दो-दो कर बाहर भेज दिया। और उन्हे दृष्ट आत्माओ पर और सब प्रकार के रोंगो पर अधिकार दिया।
वे दो भाई है। पतरस और अन्द्रियास।
यह याकूब और यूहन्ना।
फिलीप्पुस और बरतुल्मै।

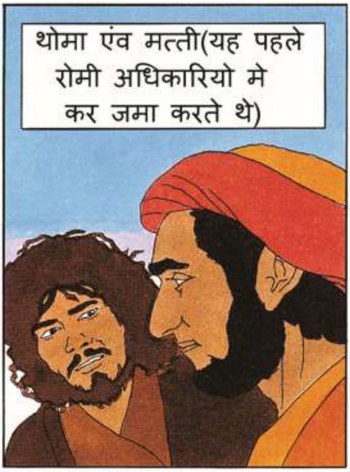

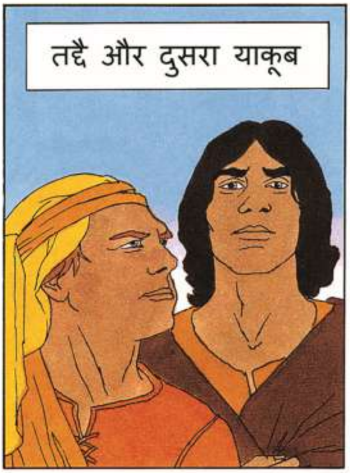

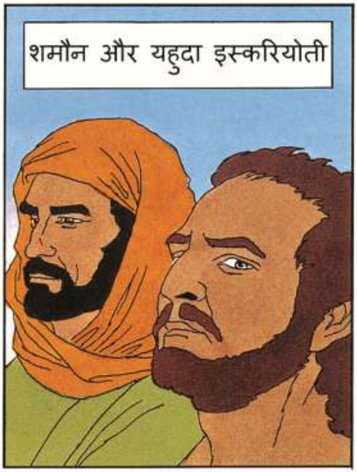

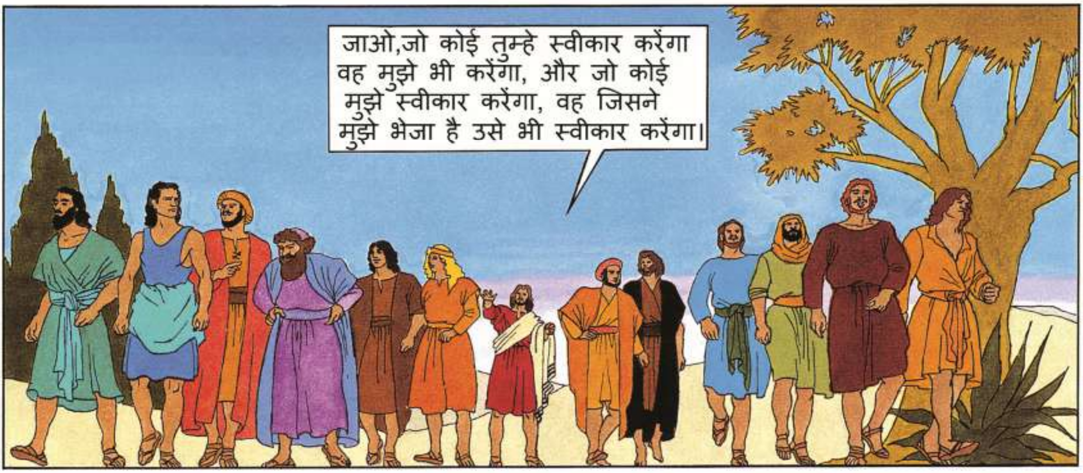

यह १२ शिष्य उन्हे सोपे हुए कार्यो को करके जोश से लौट आये। फिर यीशु उनके साथ एक शान्त जगह पर जाने की कोशीश कर रहा था। लेकीन जमाव उसे छोडने के लिए तैयार नही था।

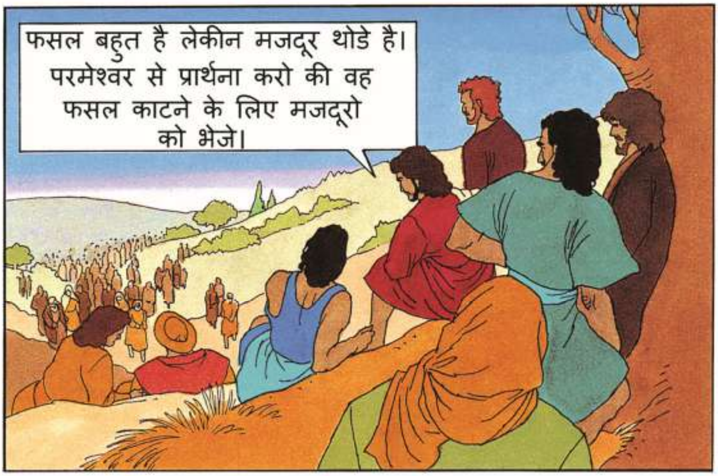

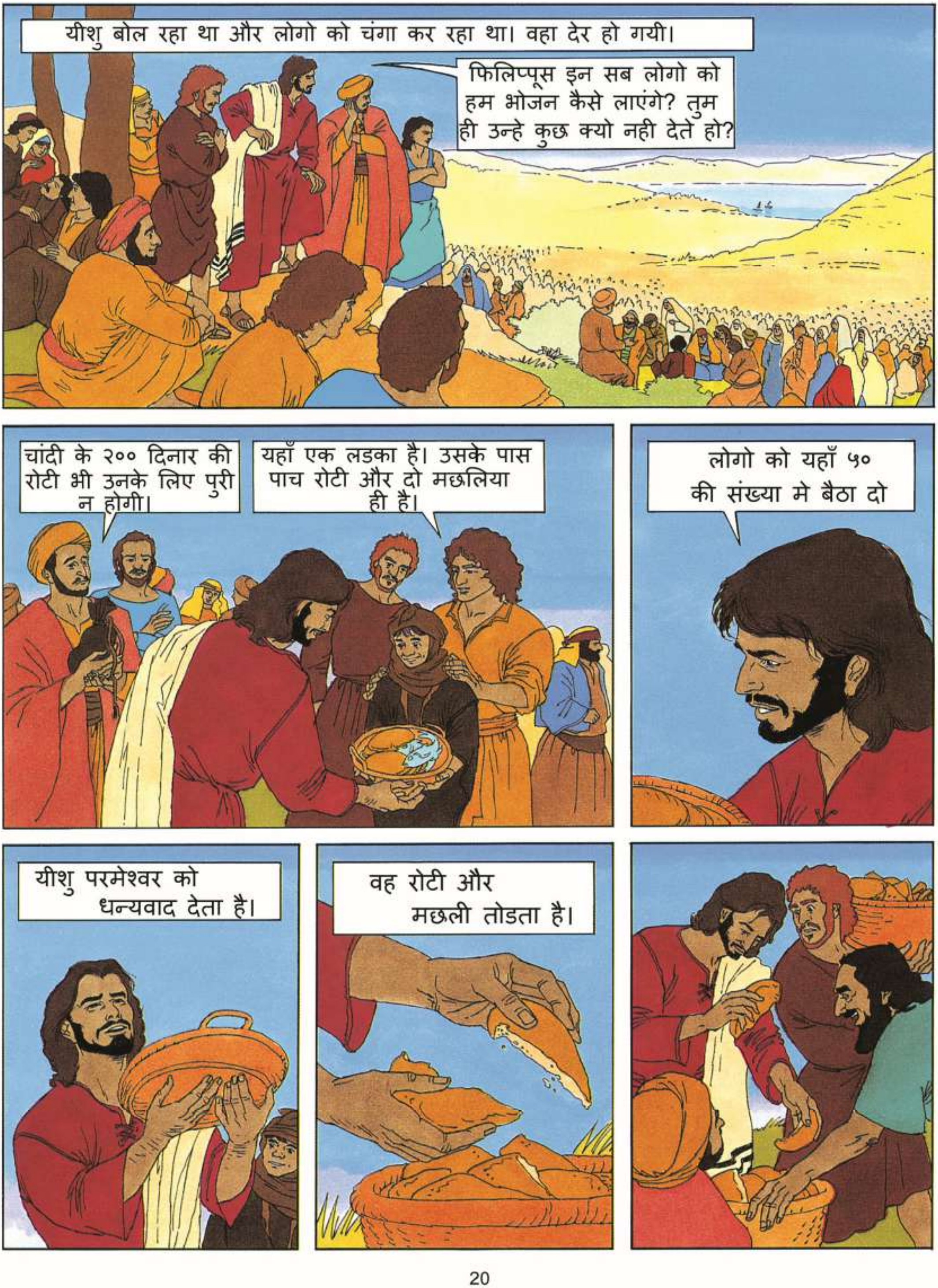
यीशु बोल रहा था और लोगो को चंगा कर रहा था। वहा देर हो गयी।
फिलिप्पूस इन सब लोगो को हम भोजन कैसे लाएंगे? तुम ही उन्हे कुछ क्यो नही देते हो?
चांदी के २०० दिनार की रोटी भी उनके लिए पुरी न होगी।
यहाँ एक लडका है। उसके पास पाच रोटी और दो मछलिया ही है।
लोगो को यहाँ ५० की संख्या मे बैठा दो
यीशु परमेश्वर को धन्यवाद देता है।
वह रोटी और मछली तोडता है।

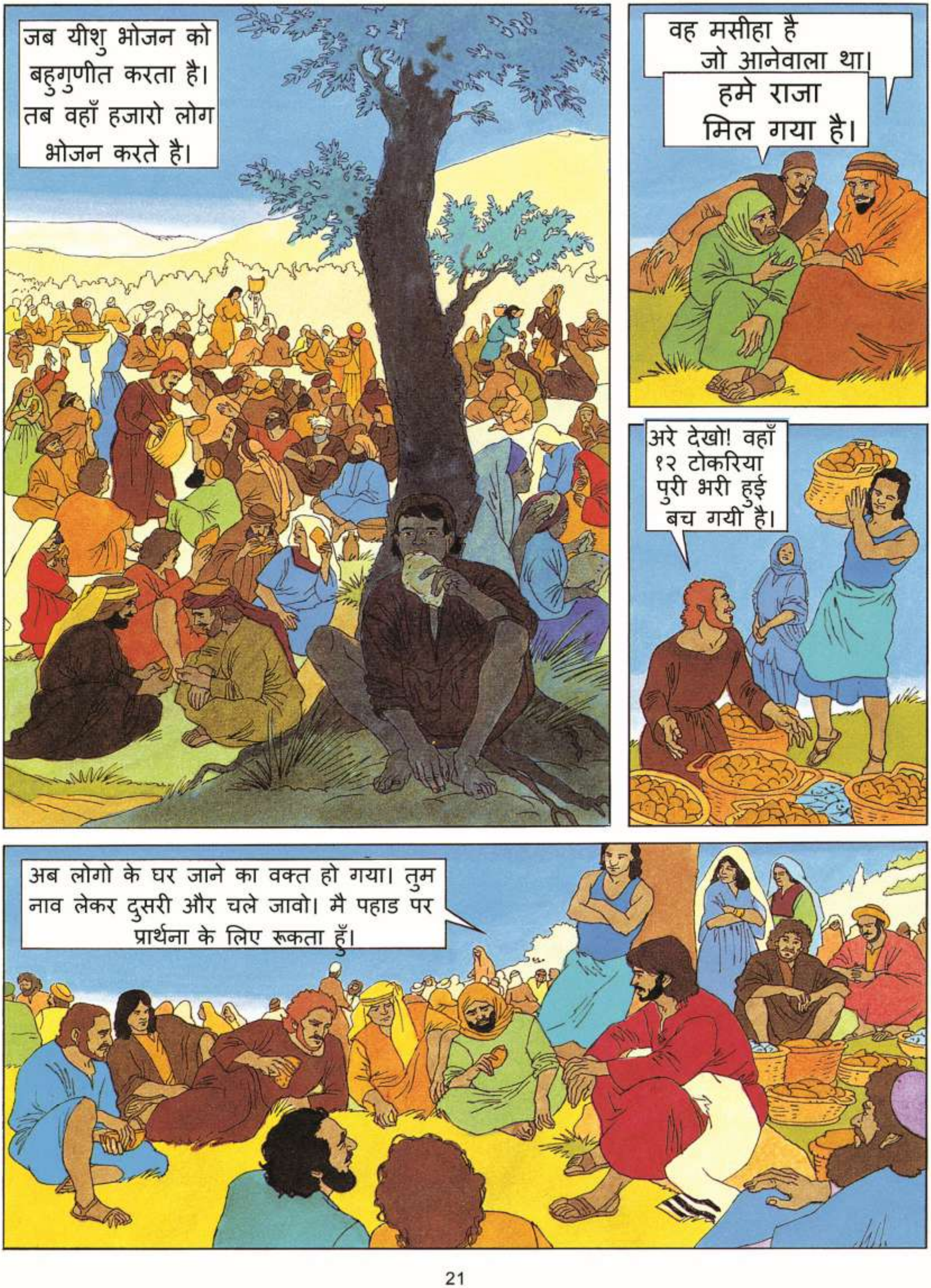

जब यीशु भोजन को बहुगुणीत करता है। तब वहाँ हजारो लोग भोजन करते है।
वह मसीहा है जो आनेवाला था।
हमे राजा मिल गया है।
अरे देखो! वहाँ १२ टोकरिया पुरी भरी हुई बच गयी है।
अब लोगो के घर जाने का वक्त हो गया। तुम नाव लेकर दुसरी और चले जावो। मै पहाड पर प्रार्थना के लिए रूकता हूँ।

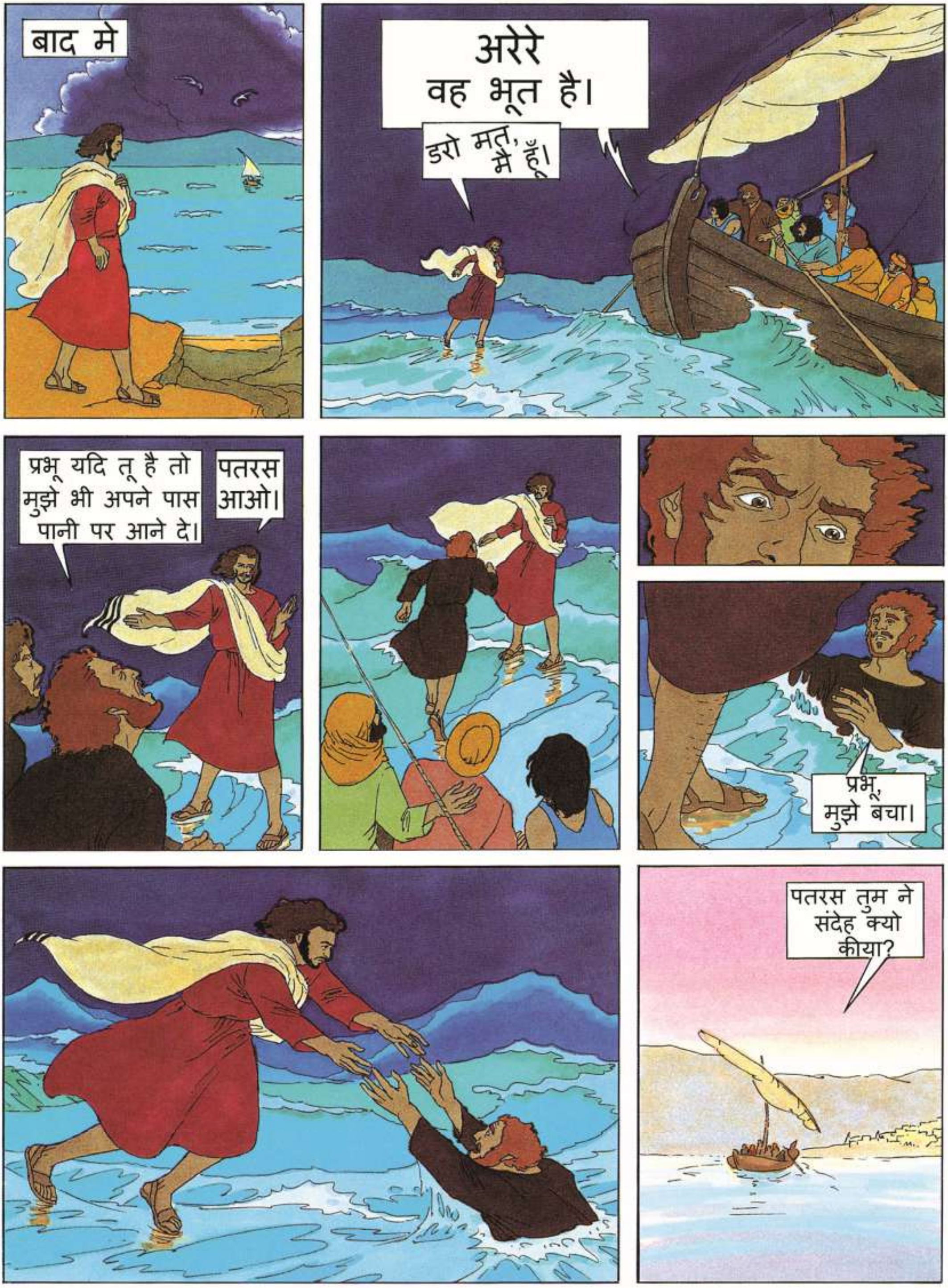
बाद मे
अरेरे
वह भूत है।
डरो मत, मै हूँ।
प्रभू यदि तू है तो मुझे भी अपने पास पानी पर आने दे।
पतरस आओ।
प्रभू, मुझे बचा।
पतरस तुम ने संदेह क्यो कीया?

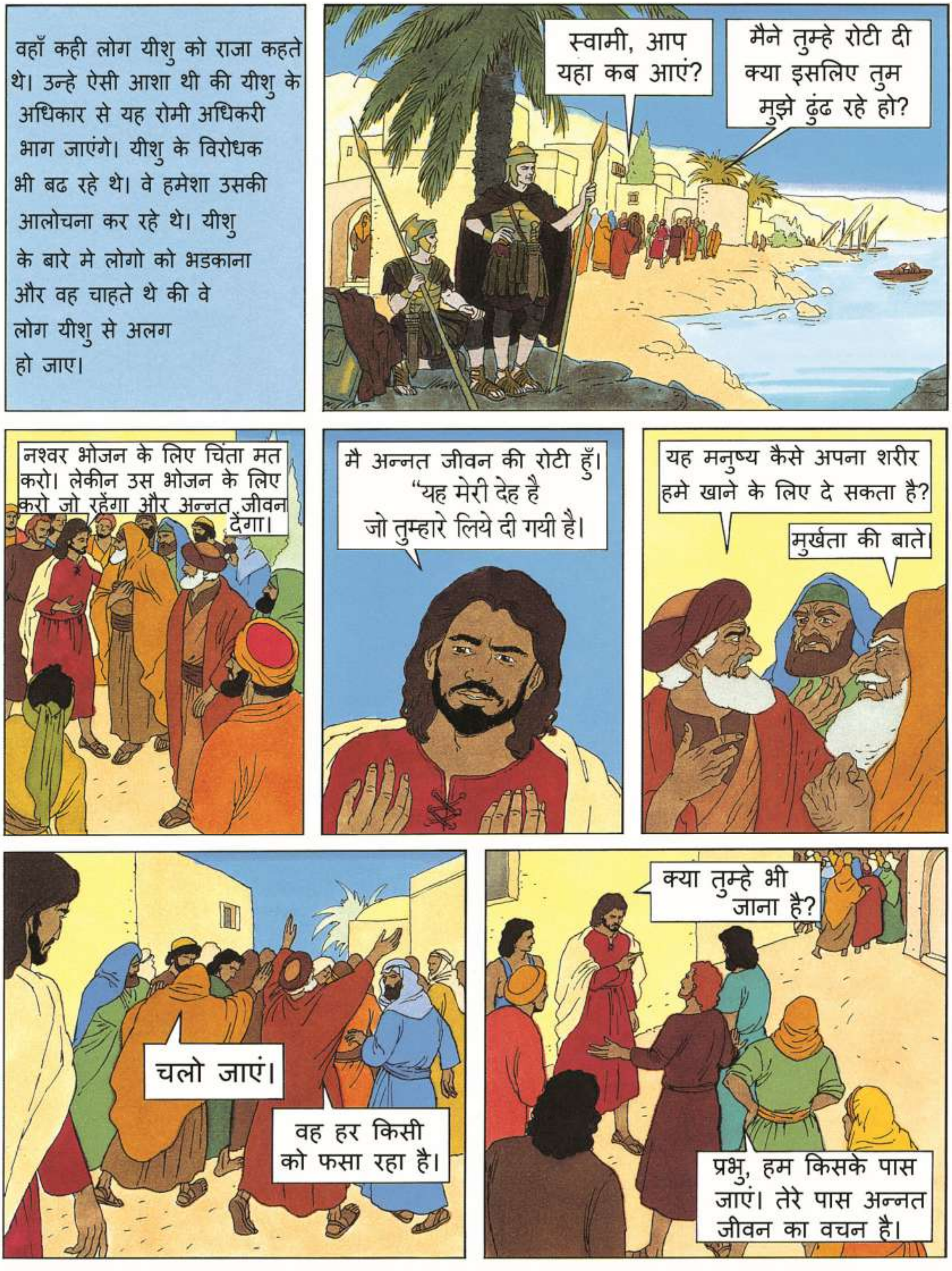
वहाँ कही लोग यीशु को राजा कहते थे। उन्हे ऐसी आशा थी की यीशु के अधिकार से यह रोमी अधिकरी भाग जाएंगे। यीशु के विरोधक भी बढ रहे थे। वे हमेशा उसकी आलोचना कर रहे थे। यीशु के बारे मे लोगो को भडकाना और वह चाहते थे की वे लोग यीशु से अलग हो जाए।
स्वामी, आप यहा कब आएं?
मैने तुम्हे रोटी दी क्या इसलिए तुम मुझे ढुंढ रहे हो?
नश्वर भोजन के लिए चिंता मत करो। लेकीन उस भोजन के लिए करो जो रहेंगा और अन्नत जीवन देंगा।
मै अन्नत जीवन की रोटी हुँ। "यह मेरी देह है जो तुम्हारे लिये दी गयी है।
यह मनुष्य कैसे अपना शरीर हमे खाने के लिए दे सकता है?
मुर्खता की बाते।
चलो जाएं।
वह हर किसी को फसा रहा है।
क्या तुम्हे भी जाना है?
प्रभु, हम किसके पास जाएं। तेरे पास अन्नत जीवन का वचन है।

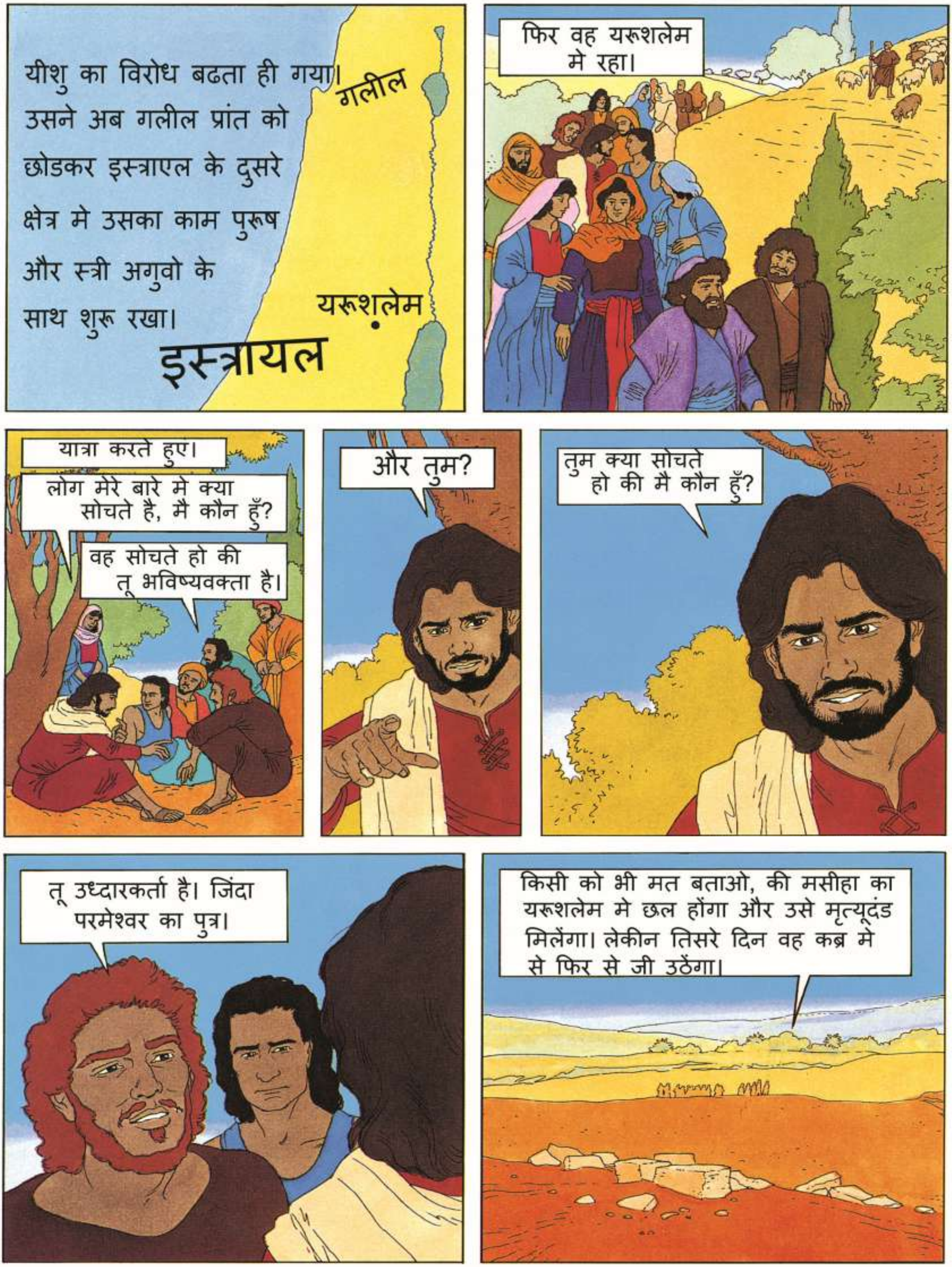
यीशु का विरोध बढता ही गया। उसने अब गलील प्रांत को छोडकर इस्त्राएल के दुसरे क्षेत्र मे उसका काम पुरूष और स्त्री अगुवो के साथ शुरू रखा।
गलील
यरूशलेम
इस्त्रायल
फिर वह यरूशलेम मे रहा।
यात्रा करते हुए।
लोग मेरे बारे मे क्या सोचते है, मै कौन हुँ?
वह सोचते हो की तू भविष्यवक्ता है।
और तुम?
तुम क्या सोचते हो की मै कौन हुँ?
तू उध्दारकर्ता है। जिंदा परमेश्वर का पुत्र।
किसी को भी मत बताओ, की मसीहा का यरूशलेम मे छल होंगा और उसे मृत्यूदंड मिलेंगा। लेकीन तिसरे दिन वह कब्र मे से फिर से जी उठेंगा।

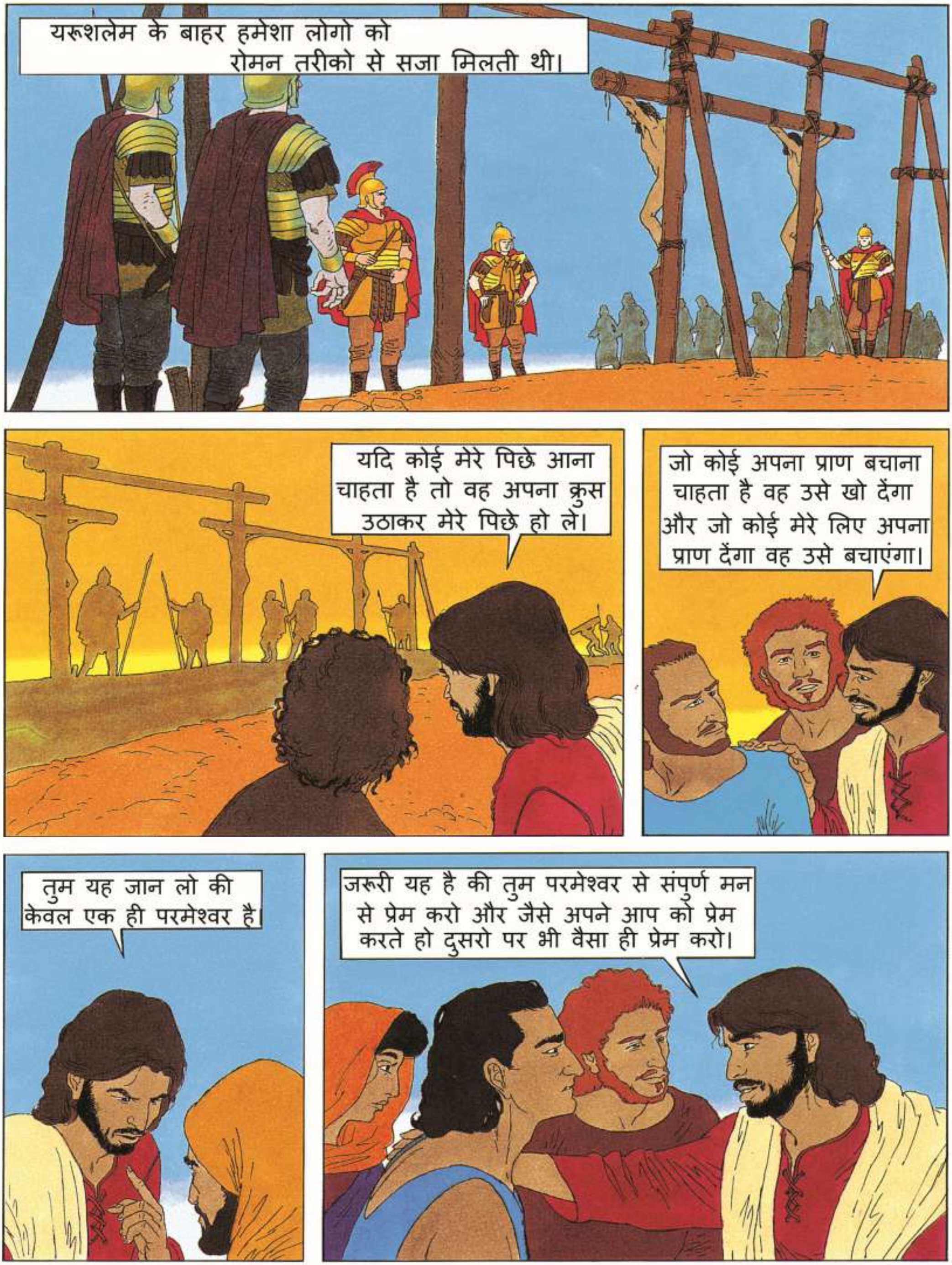
यरूशलेम के बाहर हमेशा लोगो को
रोमन तरीको से सजा मिलती थी।
यदि कोई मेरे पिछे आना चाहता है तो वह अपना क्रुस उठाकर मेरे पिछे हो ले।
जो कोई अपना प्राण बचाना चाहता है वह उसे खो देंगा और जो कोई मेरे लिए अपना प्राण देंगा वह उसे बचाएंगा।
तुम यह जान लो की केवल एक ही परमेश्वर है।
जरूरी यह है की तुम परमेश्वर से संपुर्ण मन से प्रेम करो और जैसे अपने आप को प्रेम करते हो दुसरो पर भी वैसा ही प्रेम करो।

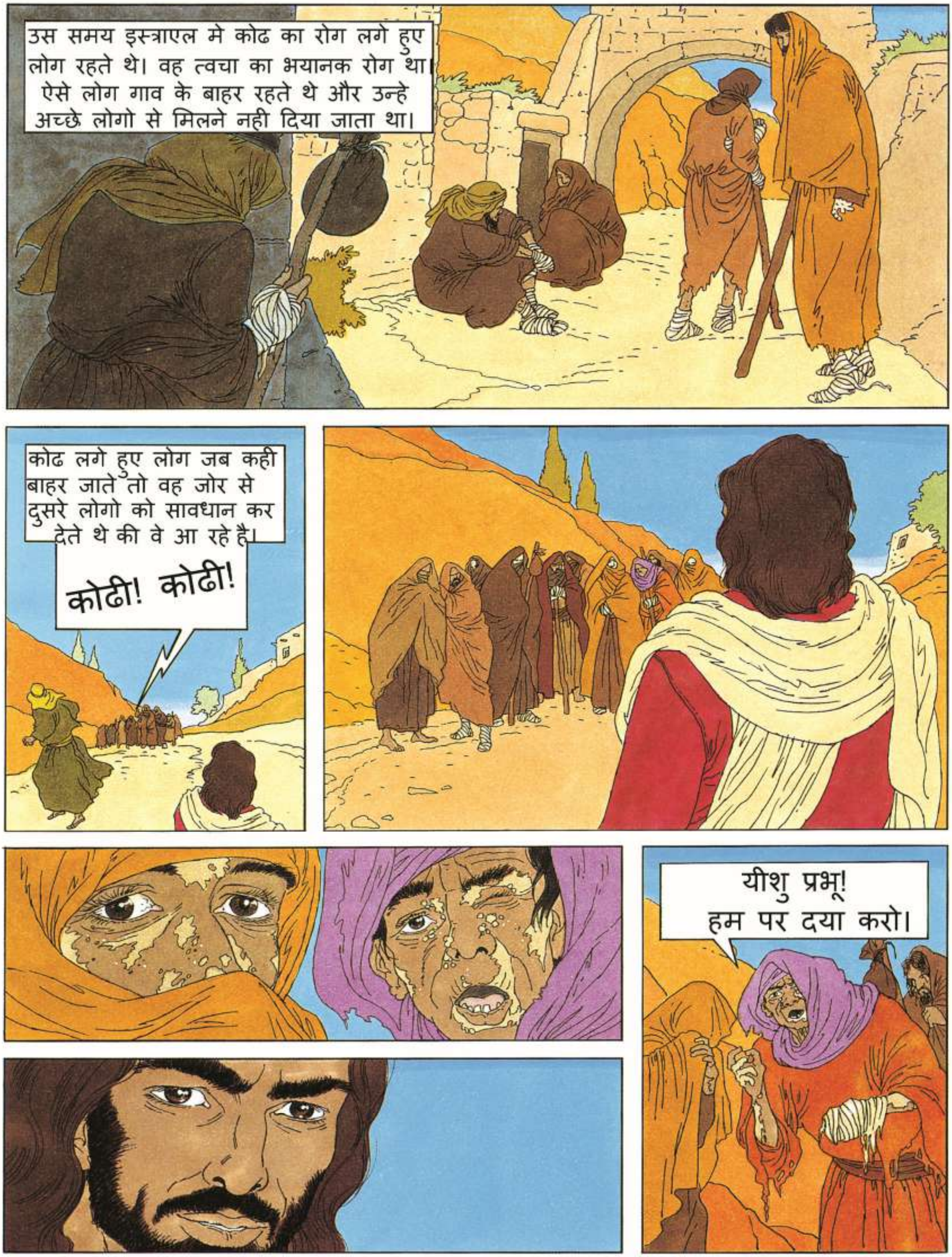
उस समय इस्त्राएल मे कोढ का रोग लगे हुए लोग रहते थे। वह त्वचा का भयानक रोग था। ऐसे लोग गाव के बाहर रहते थे और उन्हे अच्छे लोगो से मिलने नही दिया जाता था।
कोढ लगे हुए लोग जब कही बाहर जाते तो वह जोर से दुसरे लोगो को सावधान कर देते थे की वे आ रहे है।
कोढी! कोढी!
यीशु प्रभू! हम पर दया करो।

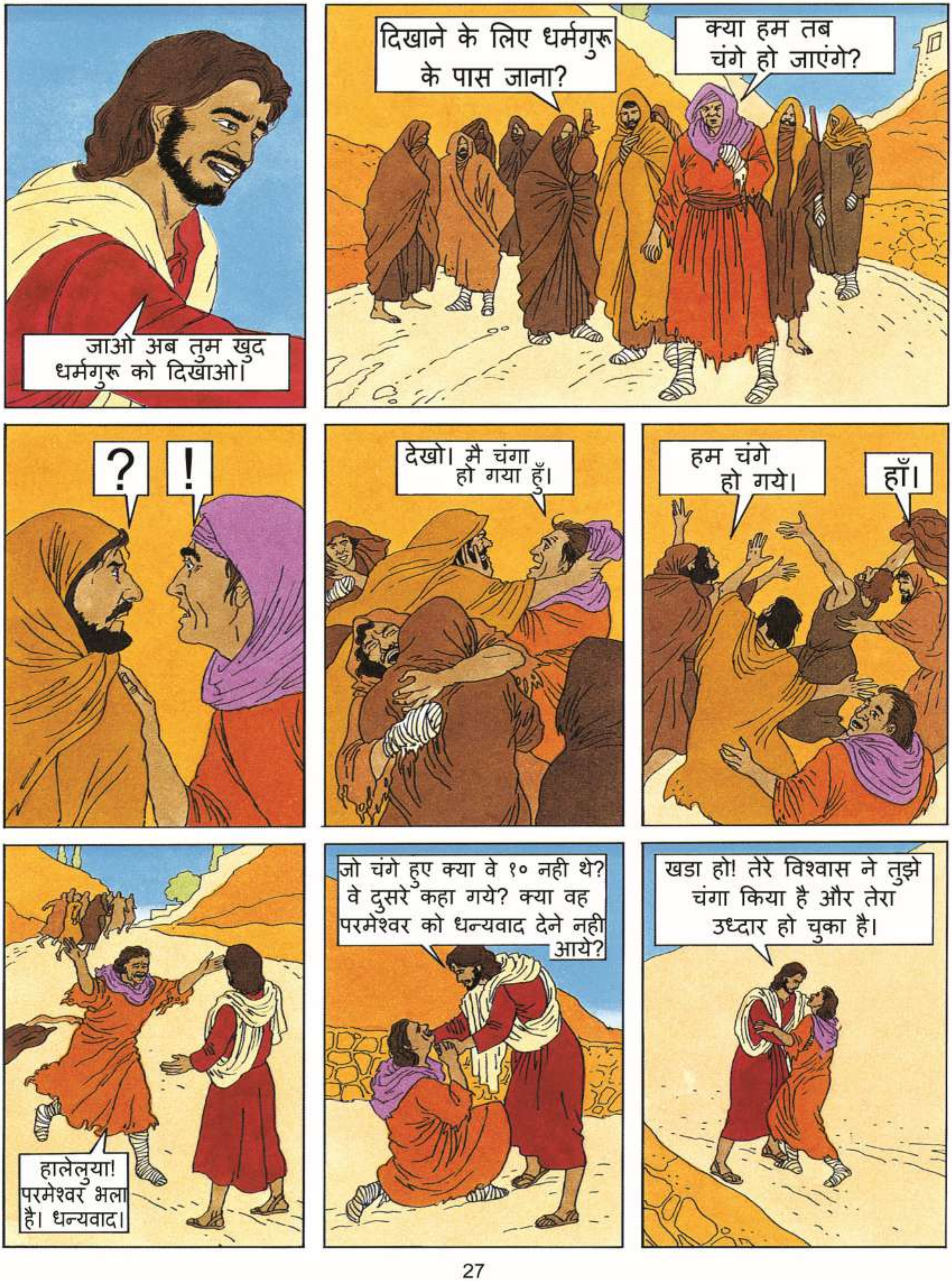

जाओ अब तुम खुद धर्मगुरू को दिखाओ।
दिखाने के लिए धर्मगुरू के पास जाना?
क्या हम तब चंगे हो जाएंगे?
?
!
देखो। मै चंगा हो गया हुँ।
हम चंगे हो गये।
हाँ।
हालेलुया! परमेश्वर भला है। धन्यवाद।
जो चंगे हुए क्या वे १० नही थे? वे दुसरे कहा गये? क्या वह परमेश्वर को धन्यवाद देने नही आये?
खडा हो! तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है और तेरा उध्दार हो चुका है।

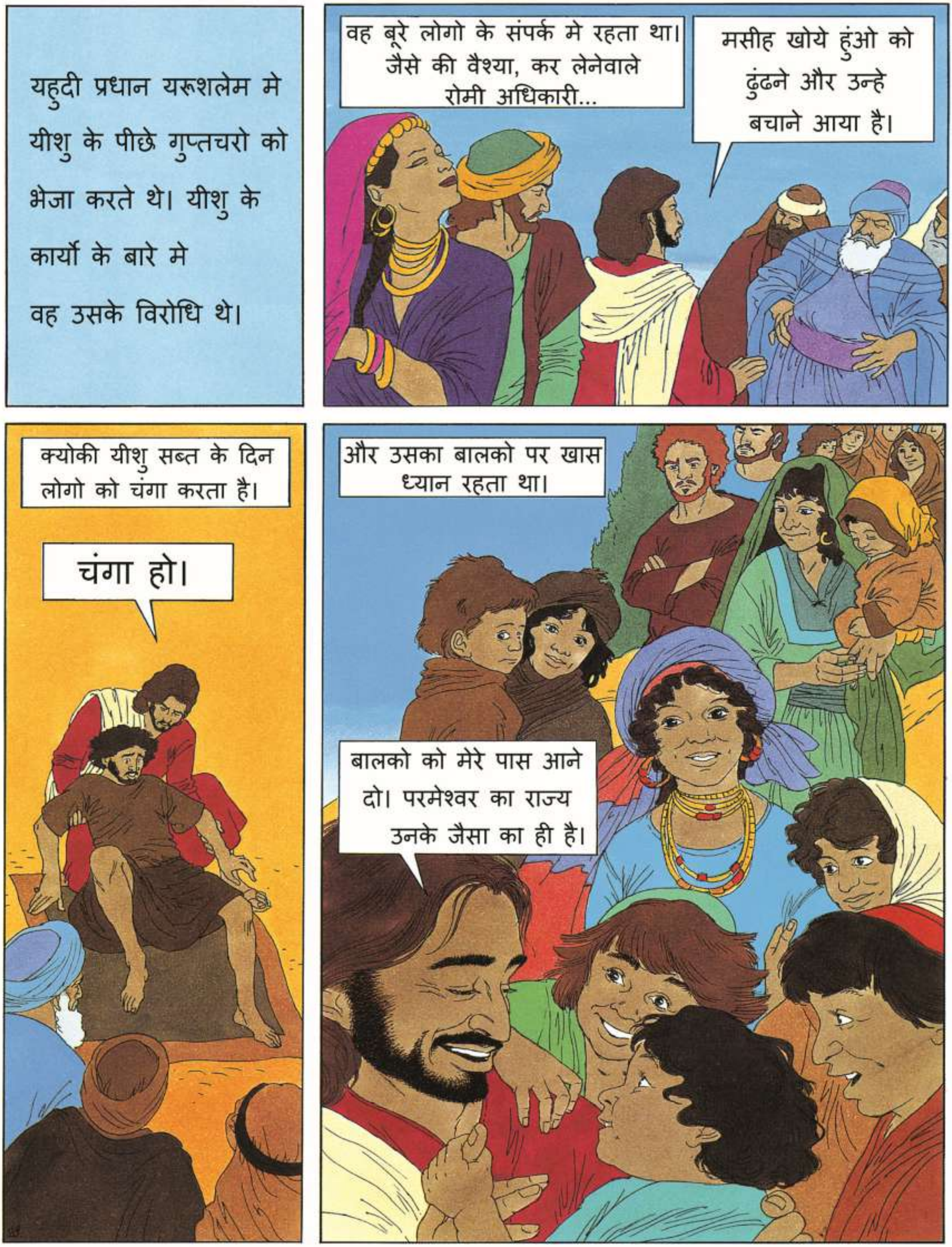
यहुदी प्रधान यरूशलेम मे यीशु के पीछे गुप्तचरो को भेजा करते थे। यीशु के कार्यो के बारे मे वह उसके विरोधि थे।
वह बूरे लोगो के संपर्क मे रहता था। जैसे की वैश्या, कर लेनेवाले रोमी अधिकारी...
मसीह खोये हुंओ को ढुंढने और उन्हे बचाने आया है।
क्योकी यीशु सब्त के दिन लोगो को चंगा करता है।
चंगा हो।
और उसका बालको पर खास ध्यान रहता था।
बालको को मेरे पास आने दो। परमेश्वर का राज्य उनके जैसा का ही है।

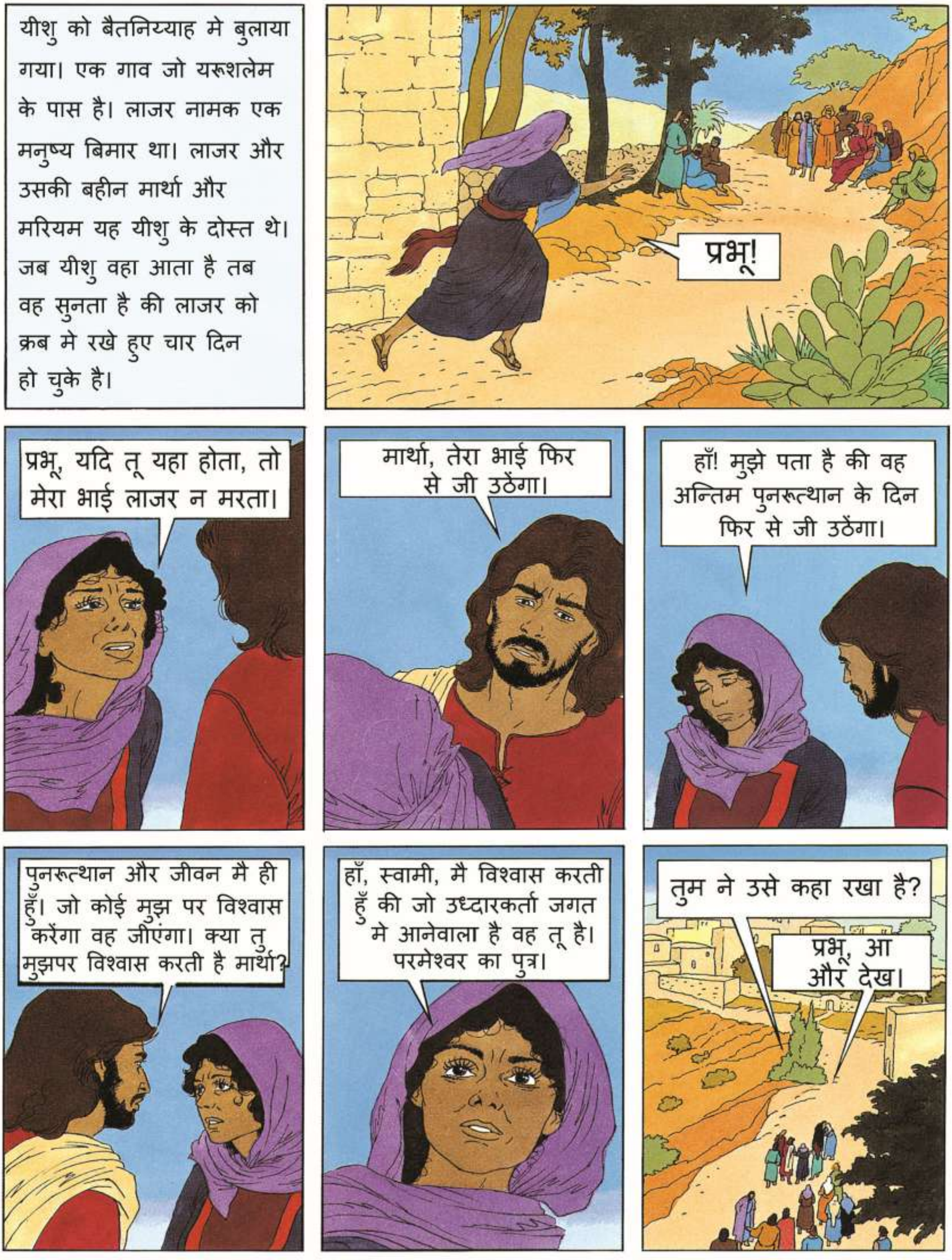
यीशु को बैतनिय्याह मे बुलाया गया। एक गाव जो यरूशलेम के पास है। लाजर नामक एक मनुष्य बिमार था। लाजर और उसकी बहीन मार्था और मरियम यह यीशु के दोस्त थे। जब यीशु वहा आता है तब वह सुनता है की लाजर को क्रब मे रखे हुए चार दिन हो चुके है।
प्रभू!
प्रभू, यदि तू यहा होता, तो मेरा भाई लाजर न मरता।
मार्था, तेरा भाई फिर से जी उठेंगा।
हाँ! मुझे पता है की वह अन्तिम पुनरूत्थान के दिन फिर से जी उठेंगा।
पुनरूत्थान और जीवन मै ही हुँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करेंगा वह जीएंगा। क्या तु मुझपर विश्वास करती है मार्था?
हाँ, स्वामी, मै विश्वास करती हुँ की जो उध्दारकर्ता जगत मे आनेवाला है वह तू है। परमेश्वर का पुत्र।
तुम ने उसे कहा रखा है?
प्रभू, आ और देख।

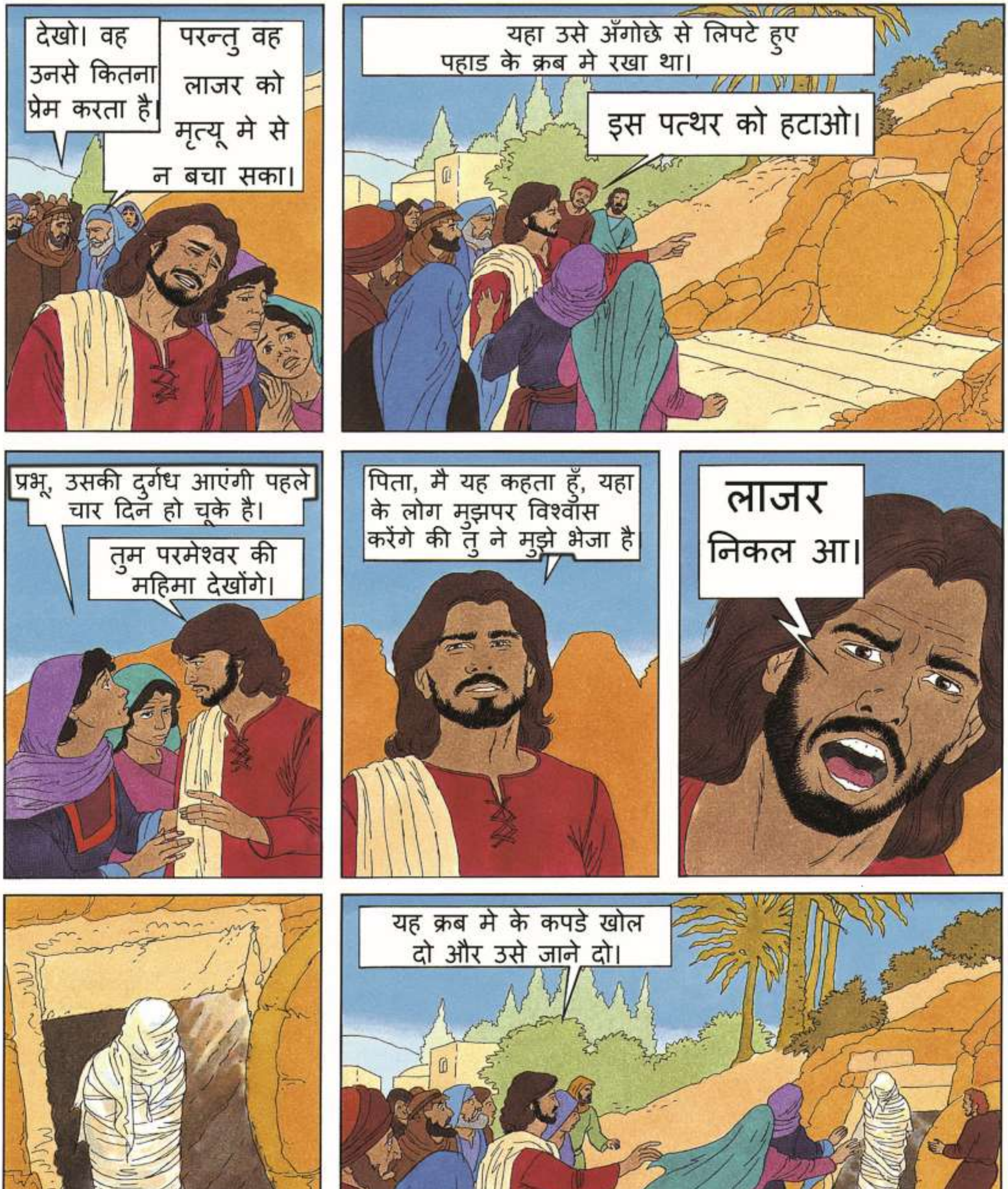
देखो। वह उनसे कितना प्रेम करता है।
परन्तु वह लाजर को मृत्यू मे से न बचा सका।
यहा उसे अँगोछे से लिपटे हुए पहाड के क्रब मे रखा था।
इस पत्थर को हटाओ।
प्रभू, उसकी दुर्गध आएंगी पहले चार दिन हो चूके है।
तुम परमेश्वर की महिमा देखोंगे।
पिता, मै यह कहता हूँ, यहा के लोग मुझपर विश्वास करेंगे की तु ने मुझे भेजा है
लाजर निकल आ।
यह क्रब मे के कपडे खोल दो और उसे जाने दो।

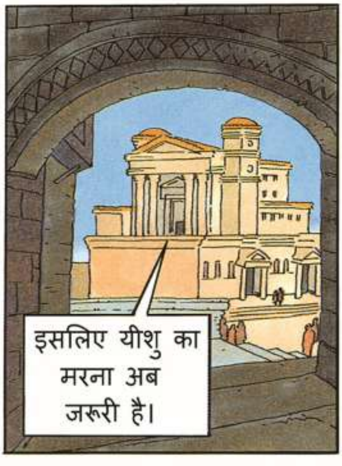

तब से यहुदी प्रधान यीशु को पकडने की ताक मे लगे हुए उसे रोमिओ को सोप देने की कोशिश कर रहे थे। वे मृत्यूदंड की सजा देनेवाले अधिकारी कहलाते थे।

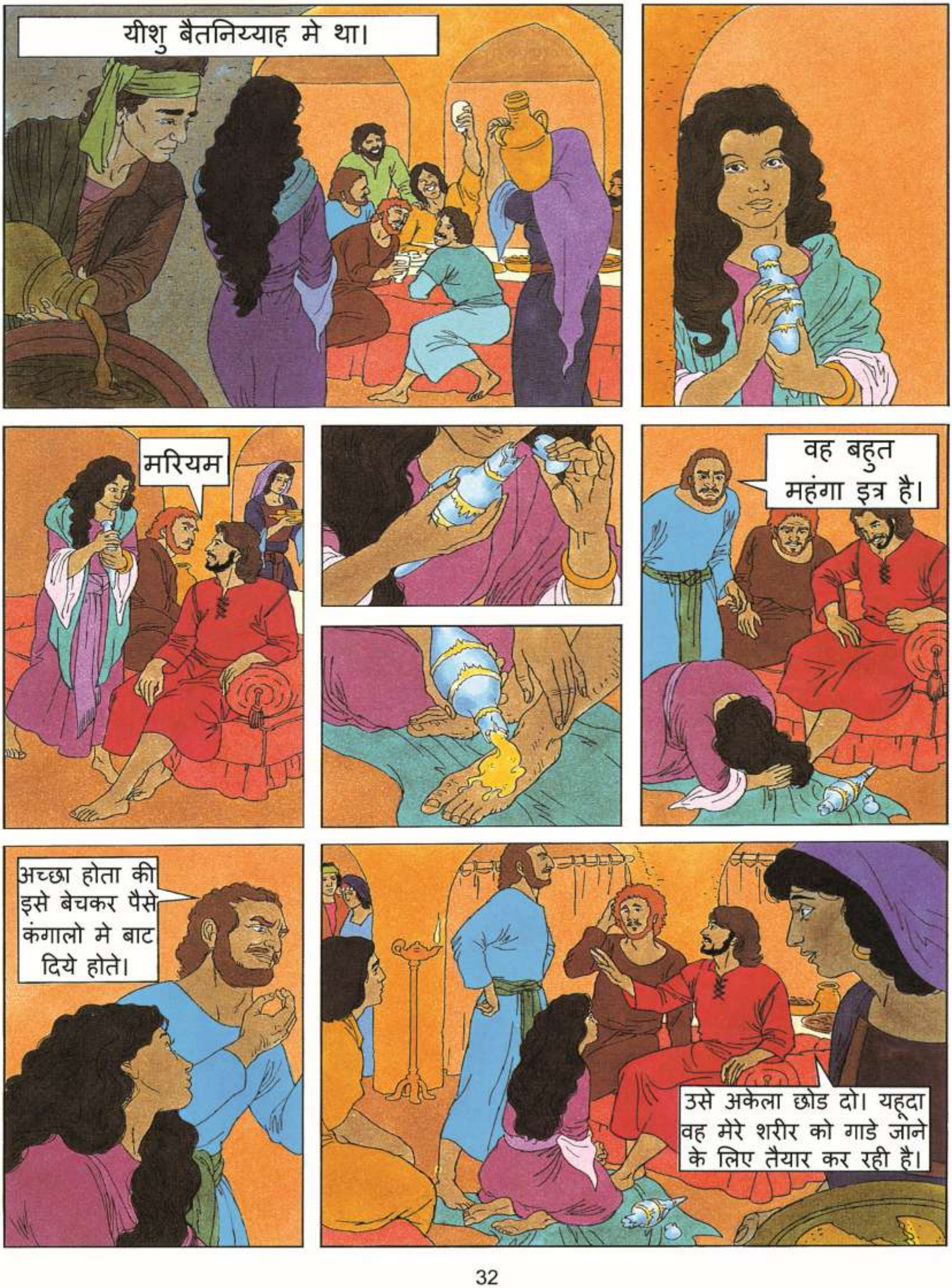

यीशु बैतनिय्याह मे था।
मरियम
वह बहुत महंगा इत्र है।
अच्छा होता की इसे बेचकर पैसे कंगालो मे बाट दिये होते।
उसे अकेला छोड दो। यहूदा वह मेरे शरीर को गाडे जाने के लिए तैयार कर रही है।

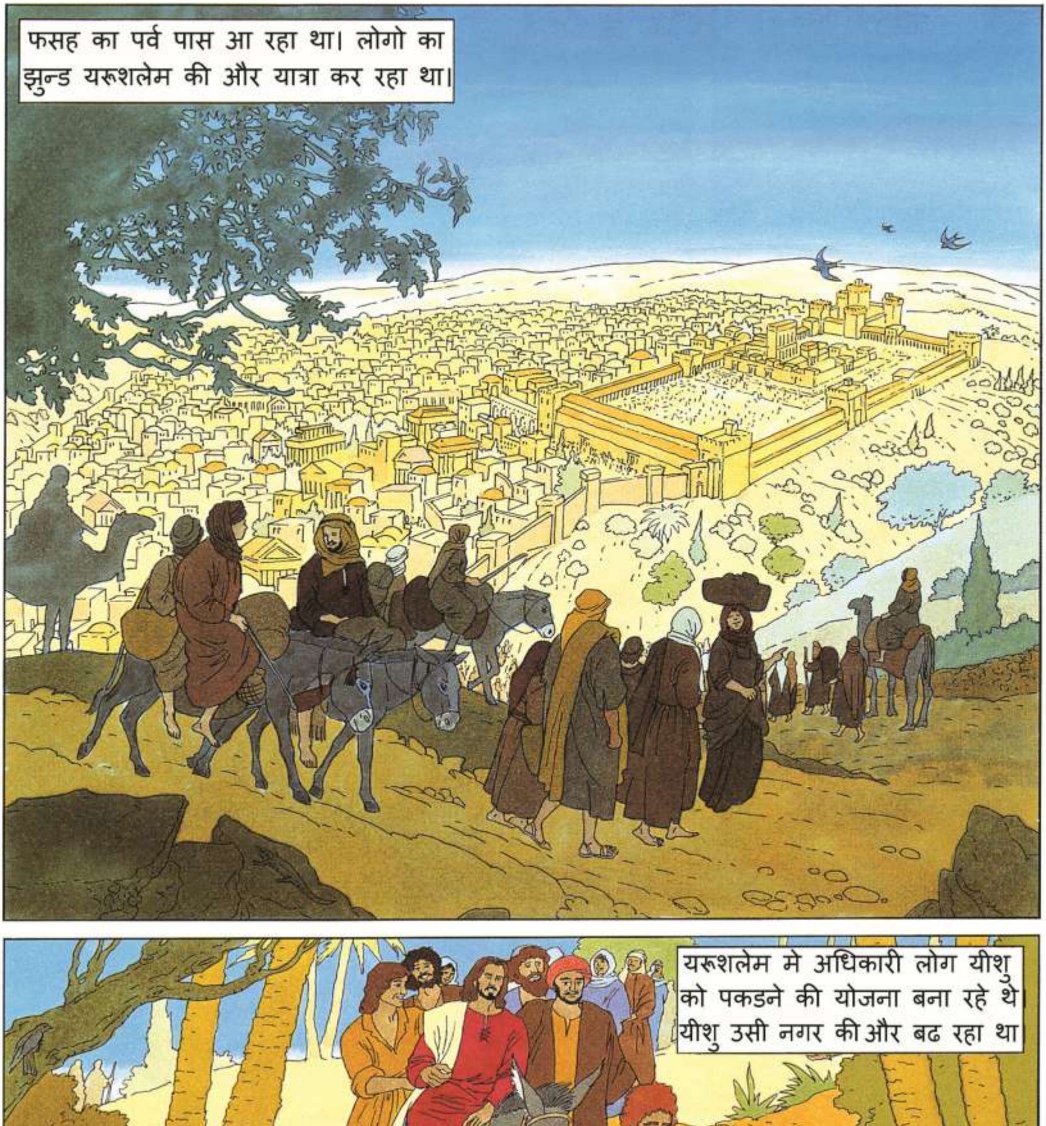
फसह का पर्व पास आ रहा था। लोगो का
झुन्ड यरूशलेम की और यात्रा कर रहा था।

यरूशलेम मे अधिकारी लोग यीशु
को पकडने की योजना बना रहे थे।
यीशु उसी नगर की और बढ रहा था

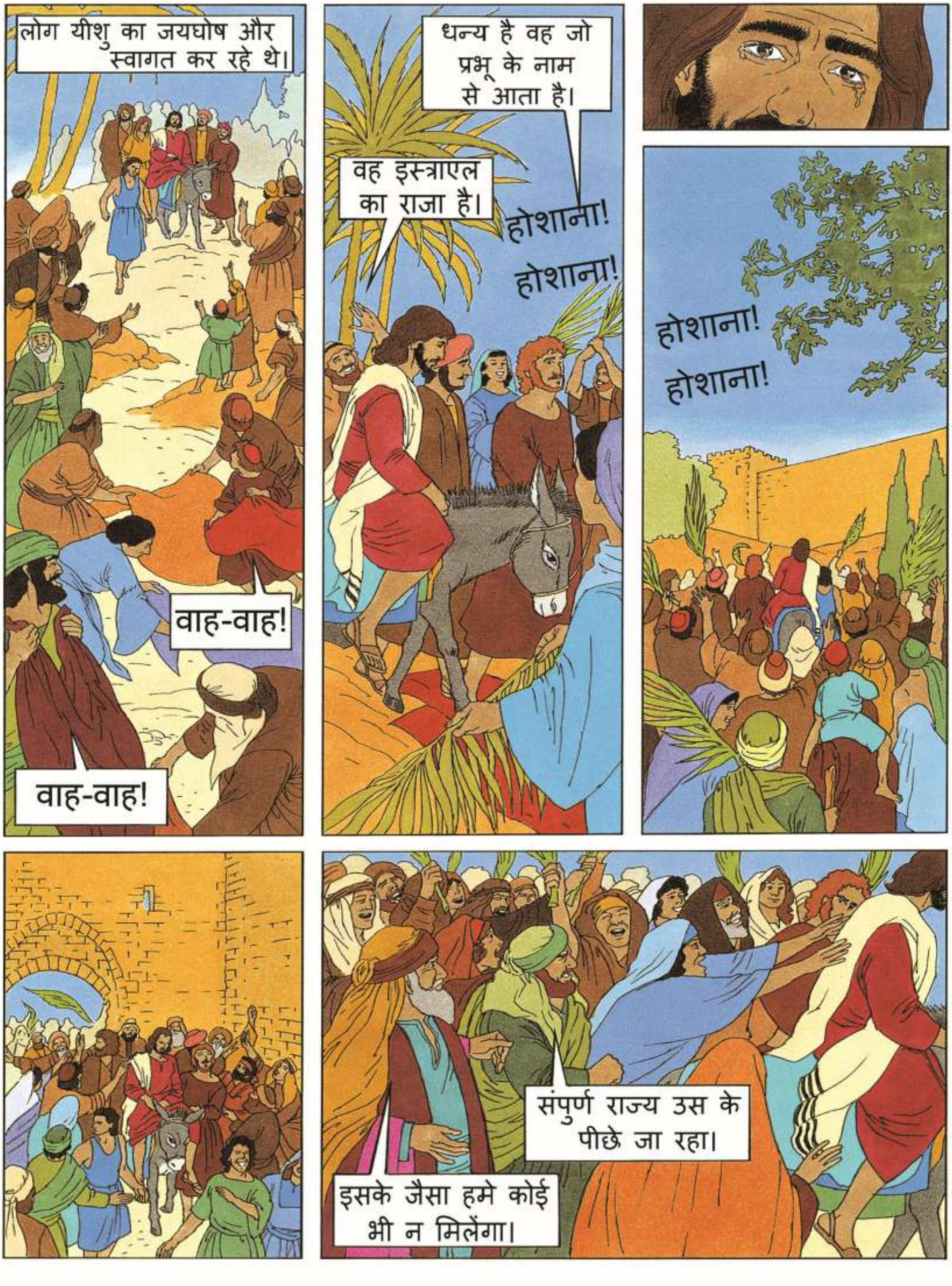

लोग यीशु का जयघोष और स्वागत कर रहे थे।
वाह-वाह!
वाह-वाह!
धन्य है वह जो प्रभू के नाम से आता है।
वह इस्त्राएल का राजा है।
होशाना!
होशाना!
होशाना!
होशाना!
संपुर्ण राज्य उस के पीछे जा रहा।
इसके जैसा हमे कोई भी न मिलेंगा।

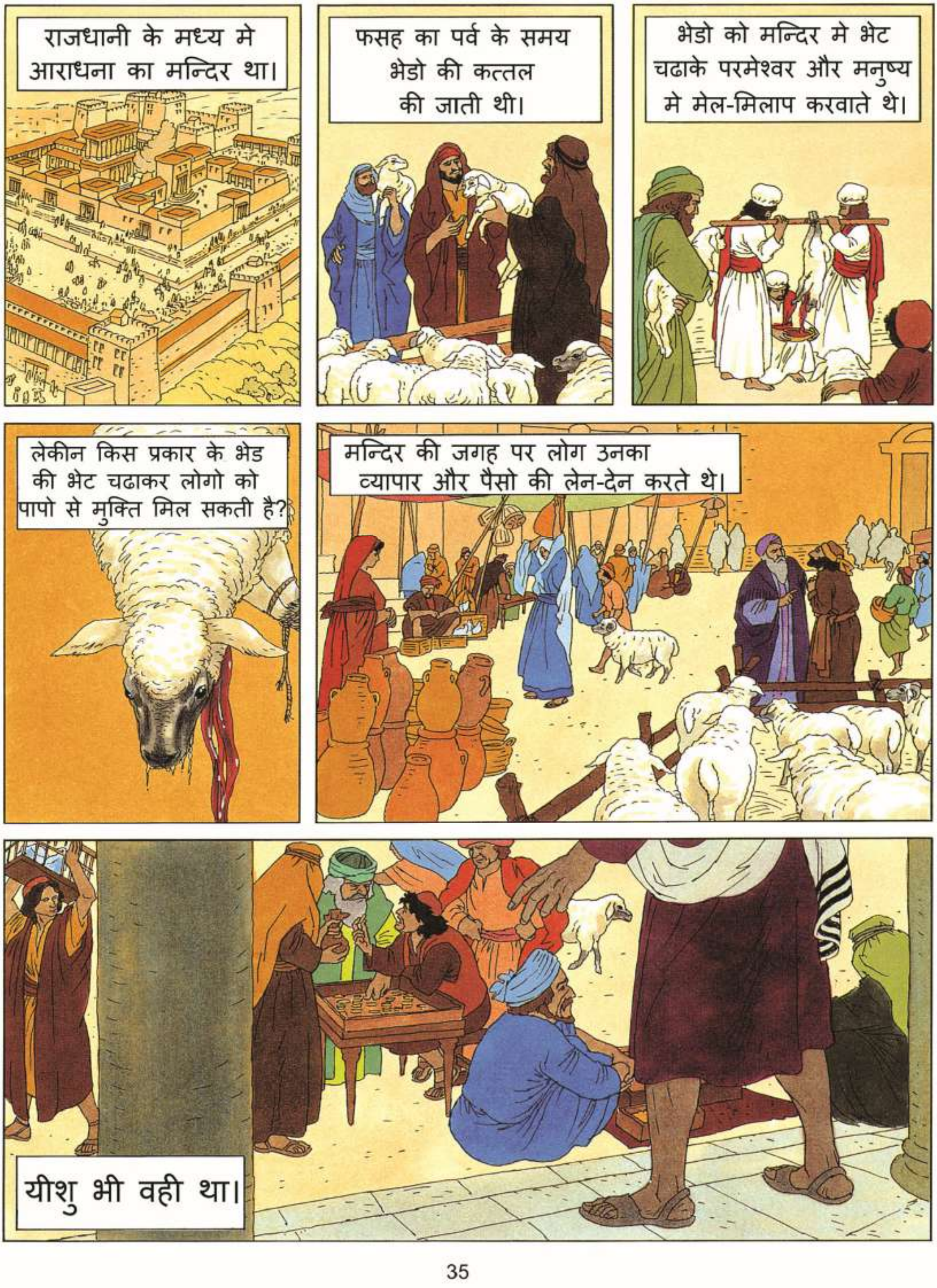
राजधानी के मध्य मे आराधना का मन्दिर था।
फसह का पर्व के समय भेडो की कत्तल की जाती थी।
भेडो को मन्दिर मे भेट चढाके परमेश्वर और मनुष्य मे मेल-मिलाप करवाते थे।
लेकीन किस प्रकार के भेड की भेट चढाकर लोगो को पापो से मुक्ति मिल सकती है?
मन्दिर की जगह पर लोग उनका व्यापार और पैसो की लेन-देन करते थे।
यीशु भी वही था।

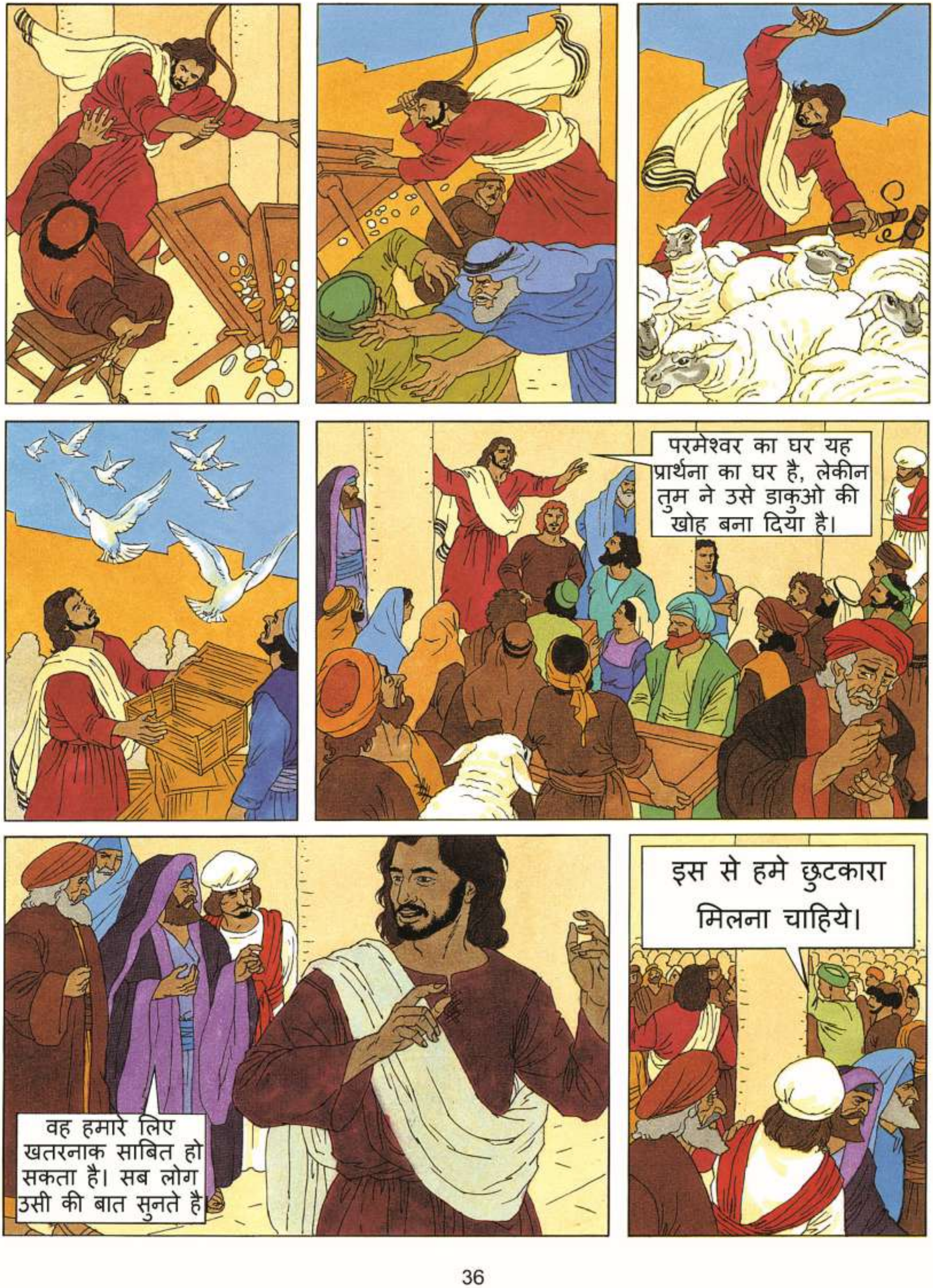
परमेश्वर का घर यह प्रार्थना का घर है, लेकीन तुम ने उसे डाकुओ की खोह बना दिया है।
वह हमारे लिए खतरनाक साबित हो सकता है। सब लोग उसी की बात सुनते है
इस से हमे छुटकारा मिलना चाहिये।

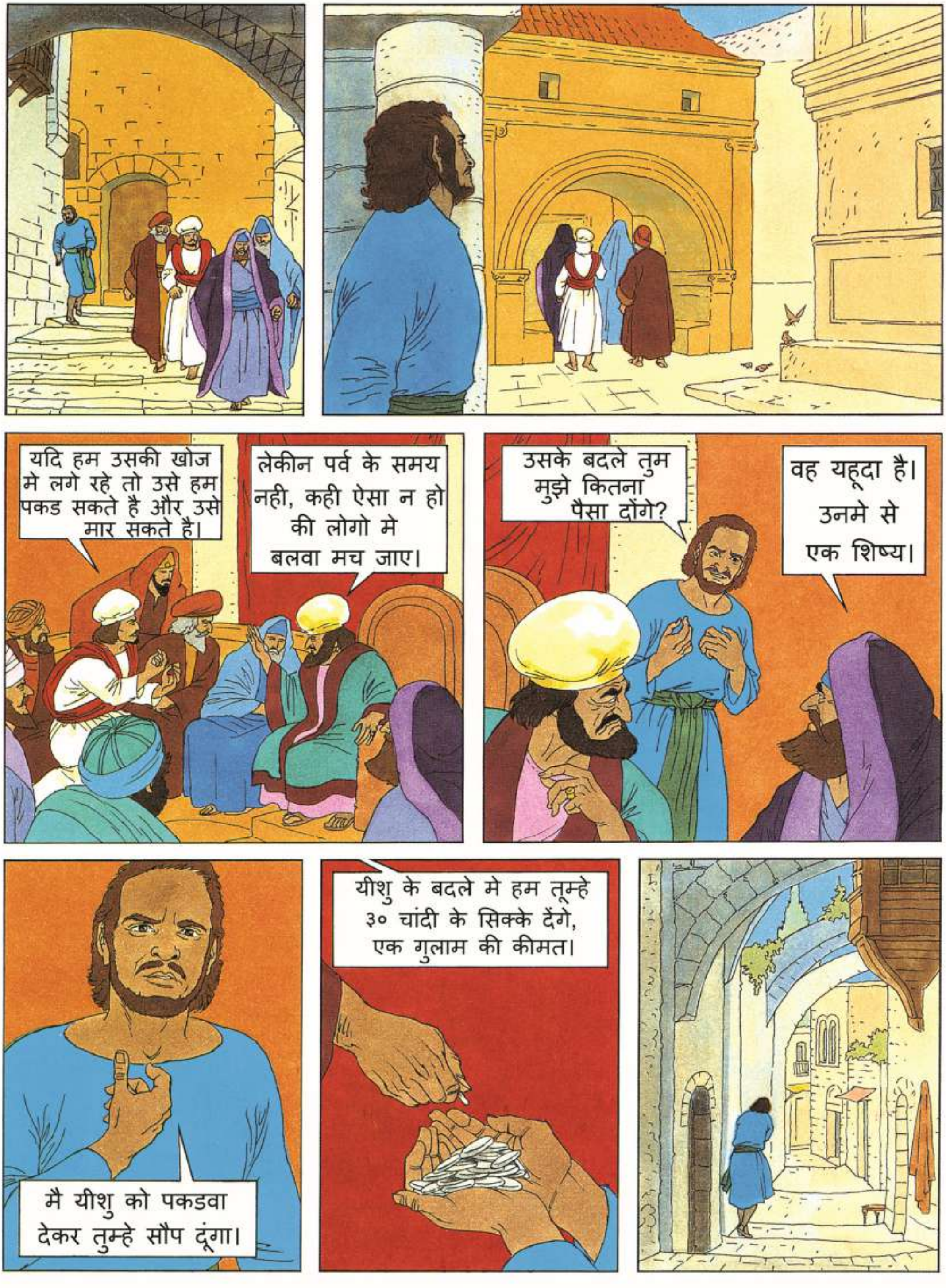
यदि हम उसकी खोज मे लगे रहे तो उसे हम पकड सकते है और उसे मार सकते है।
लेकीन पर्व के समय नही, कही ऐसा न हो की लोगो मे बलवा मच जाए।
उसके बदले तुम मुझे कितना पैसा दोगे?
वह यहूदा है। उनमे से एक शिष्य।
मै यीशु को पकडवा देकर तुम्हे सौप दूंगा।
यीशु के बदले मे हम तूम्हे ३० चांदी के सिक्के देंगे, एक गुलाम की कीमत।

फसह के पर्व से पहले यीशु मन्दिर मे संदेश दे रहा था। प्रधान याजक उसके लिए समस्या खडी कर रहे थे।

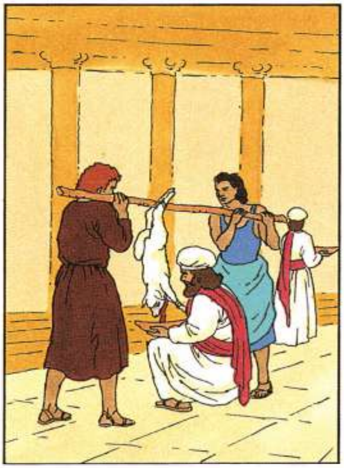

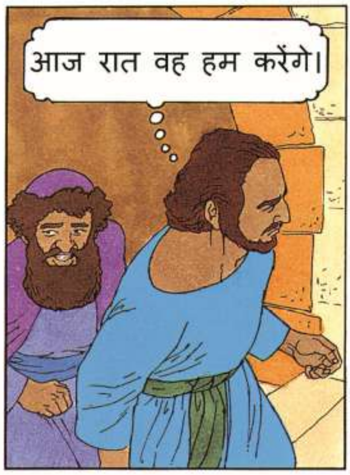

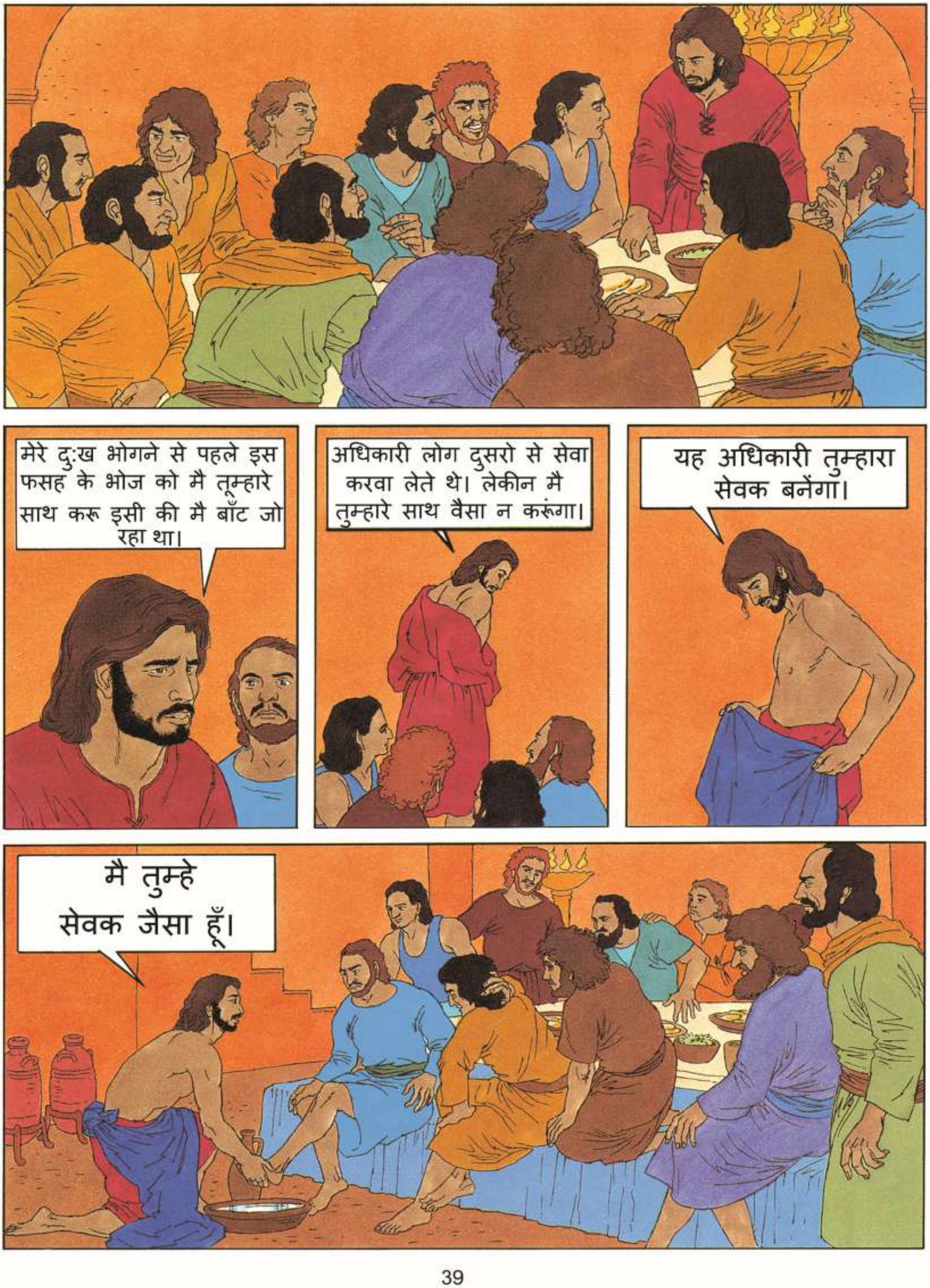
मेरे दुःख भोगने से पहले इस फसह के भोज को मै तूम्हारे साथ करू इसी की मै बाँट जो रहा था।
अधिकारी लोग दुसरो से सेवा करवा लेते थे। लेकीन मै तुम्हारे साथ वैसा न करूंगा।
यह अधिकारी तुम्हारा सेवक बनेंगा।
मै तुम्हे सेवक जैसा हूँ।

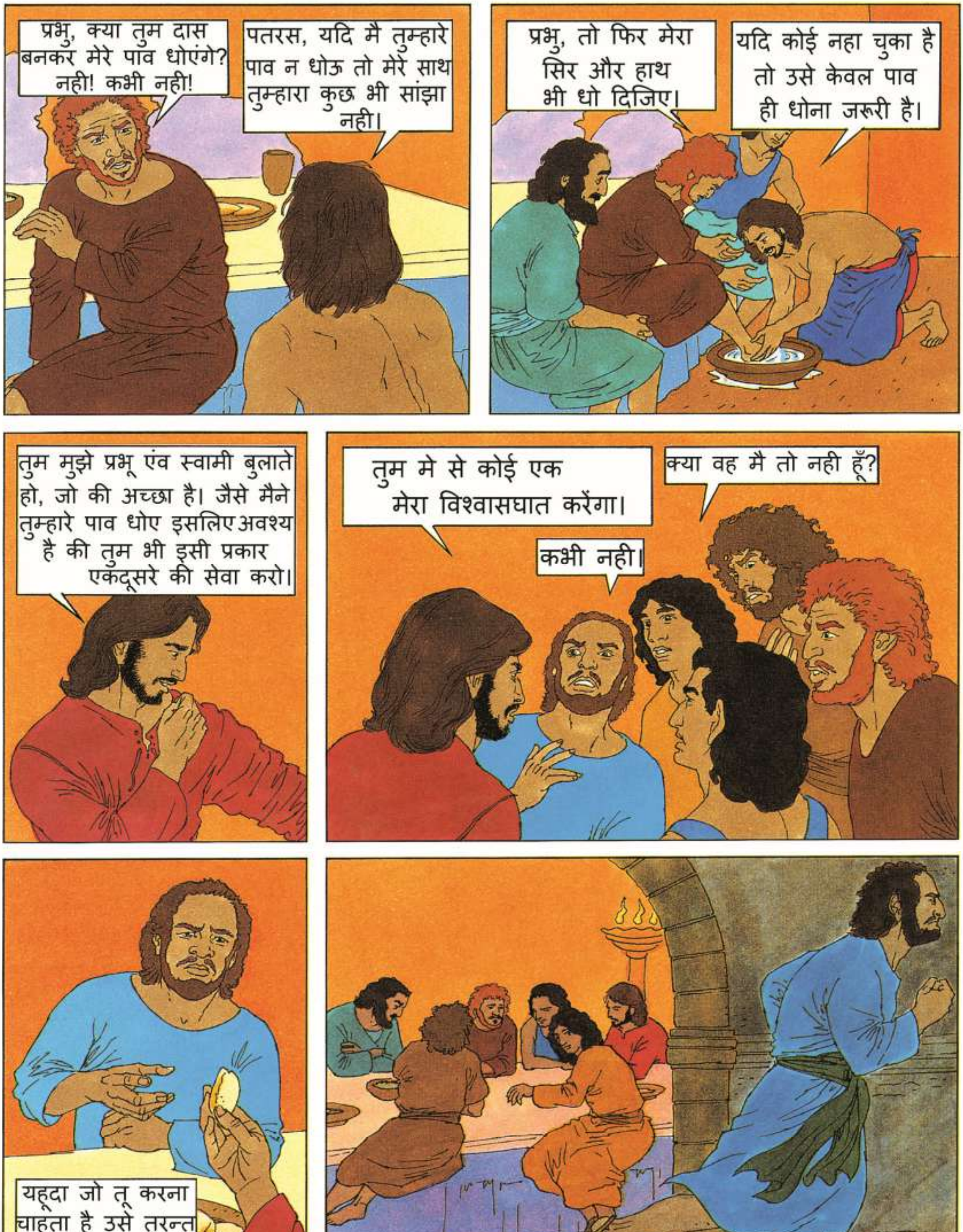
प्रभु, क्या तुम दास बनकर मेरे पाव धोएंगे? नही! कभी नही!
पतरस, यदि मै तुम्हारे पाव न धोऊ तो मेरे साथ तुम्हारा कुछ भी सांझा नही।
प्रभु, तो फिर मेरा सिर और हाथ भी धो दिजिए।
यदि कोई नहा चुका है तो उसे केवल पाव ही धोना जरूरी है।
तुम मुझे प्रभू एंव स्वामी बुलाते हो, जो की अच्छा है। जैसे मैने तुम्हारे पाव धोए इसलिए अवश्य है की तुम भी इसी प्रकार एकदूसरे की सेवा करो।
तुम मे से कोई एक मेरा विश्वासघात करेंगा।
क्या वह मै तो नही हूँ?
कभी नही।
यहूदा जो तू करना चाहता है उसे तुरन्त कर।

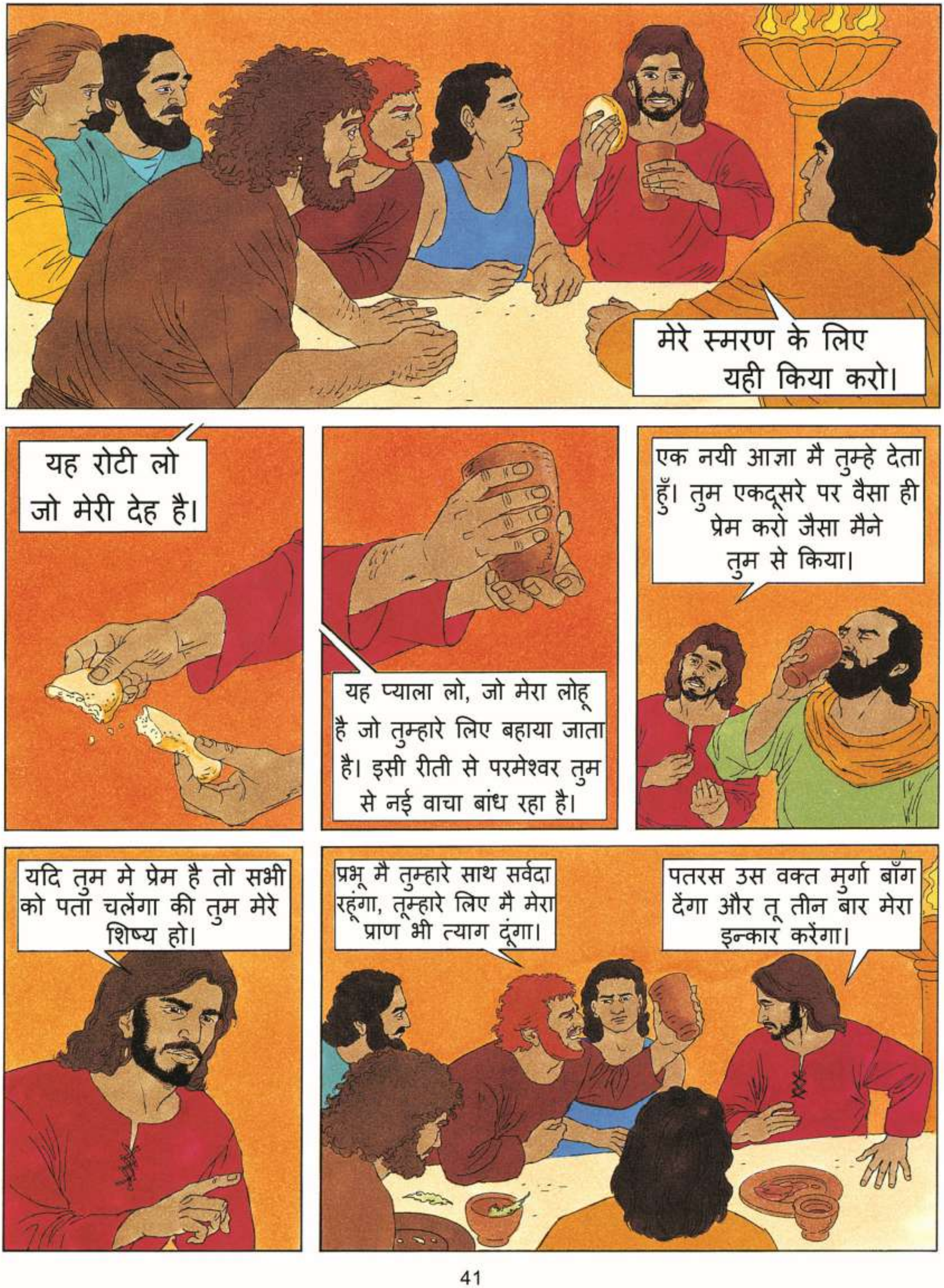
मेरे स्मरण के लिए यही किया करो।
यह रोटी लो जो मेरी देह है।
यह प्याला लो, जो मेरा लोहू है जो तुम्हारे लिए बहाया जाता है। इसी रीती से परमेश्वर तुम से नई वाचा बांध रहा है।
एक नयी आज्ञा मै तुम्हे देता हुँ। तुम एकदूसरे पर वैसा ही प्रेम करो जैसा मैने तुम से किया।
यदि तुम मे प्रेम है तो सभी को पता चलेगा की तुम मेरे शिष्य हो।
प्रभू मै तुम्हारे साथ सर्वदा रहूंगा, तूम्हारे लिए मै मेरा प्राण भी त्याग दूंगा।
पतरस उस वक्त मुर्गा बाँग देंगा और तू तीन बार मेरा इन्कार करेंगा।

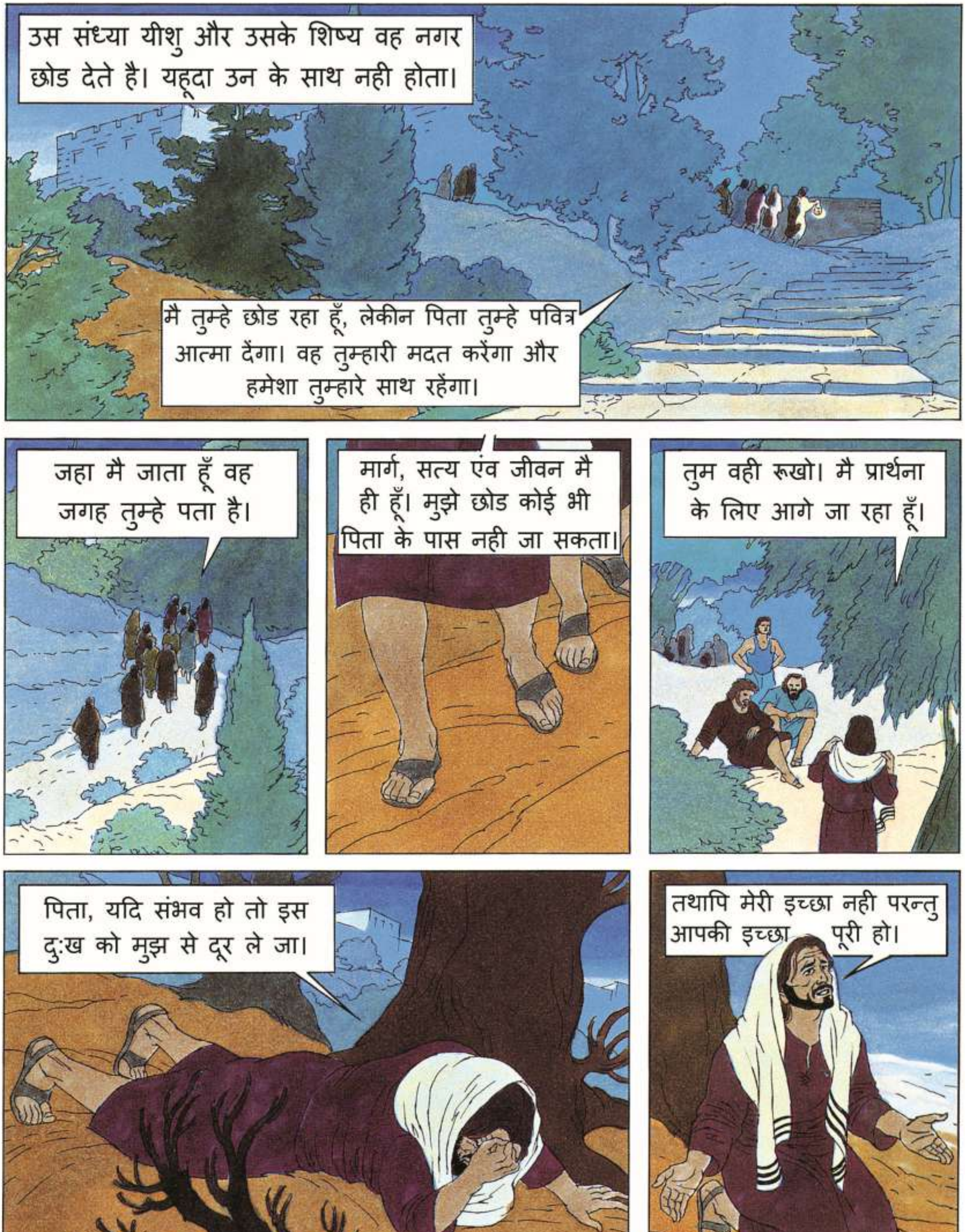
उस संध्या यीशु और उसके शिष्य वह नगर छोड देते है। यहूदा उन के साथ नही होता।
मै तुम्हे छोड रहा हूँ, लेकीन पिता तुम्हे पवित्र आत्मा देंगा। वह तुम्हारी मदत करेंगा और हमेशा तुम्हारे साथ रहेंगा।
जहा मै जाता हूँ वह जगह तुम्हे पता है।
मार्ग, सत्य एंव जीवन मै ही हूँ। मुझे छोड कोई भी पिता के पास नही जा सकता।
तुम वही रूखो। मै प्रार्थना के लिए आगे जा रहा हूँ।
पिता, यदि संभव हो तो इस दु:ख को मुझ से दूर ले जा।
तथापि मेरी इच्छा नही परन्तु आपकी इच्छा पूरी हो।

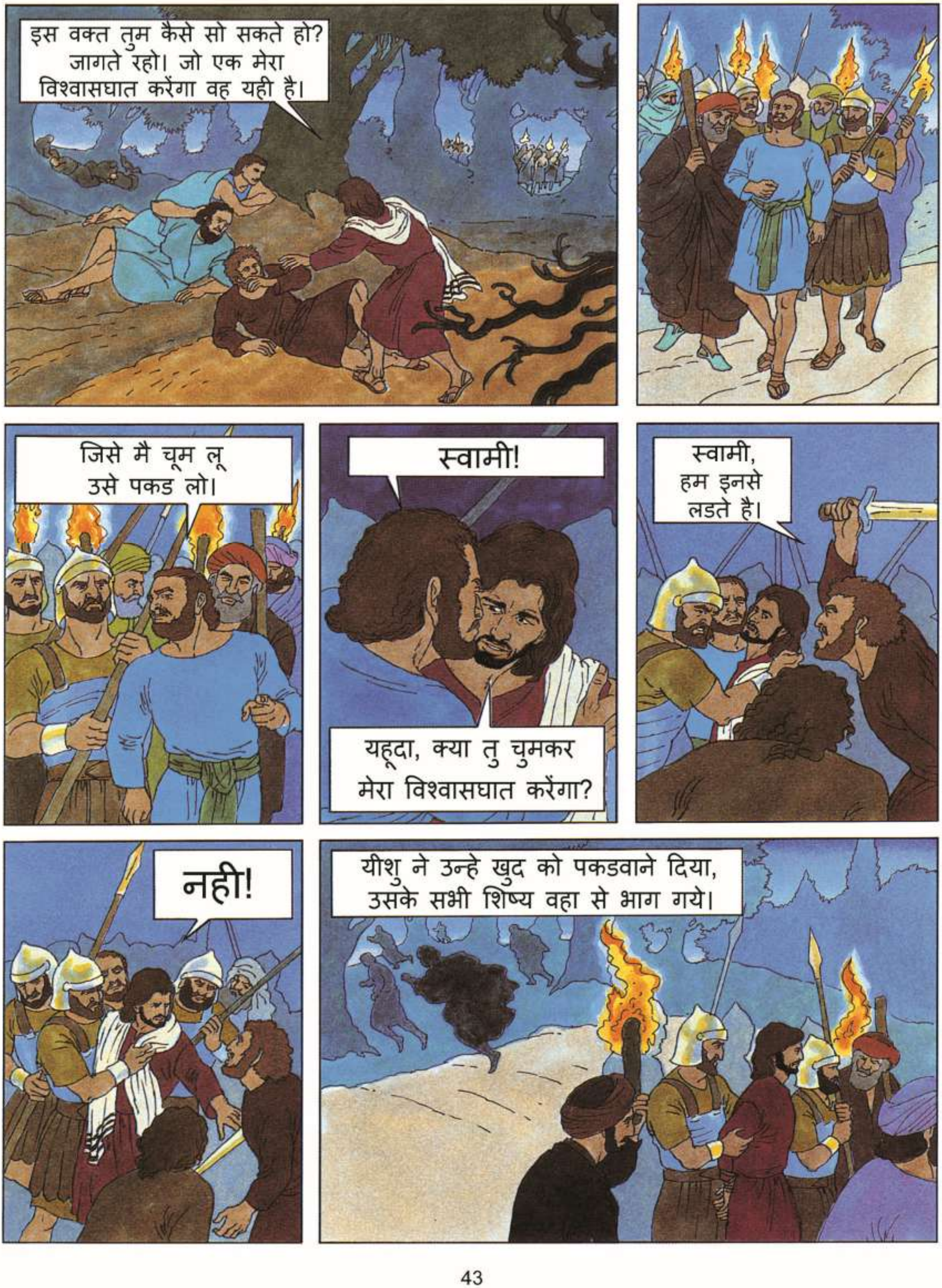
इस वक्त तुम कैसे सो सकते हो? जागते रहो। जो एक मेरा विश्वासघात करेंगा वह यही है।
जिसे मै चूम लू उसे पकड लो।
स्वामी!
यहूदा, क्या तु चुमकर मेरा विश्वासघात करेंगा?
स्वामी, हम इनसे लडते है।
नही!
यीशु ने उन्हे खुद को पकडवाने दिया, उसके सभी शिष्य वहा से भाग गये।

यीशु को महायाजक के घर ले गये। यहूदियो का सबसे बडा प्रधान, पतरस और यूहन्ना थोडी ही दूर पिछे आ रहे थे।
पतरस आंगन मे जाता है।
क्या तु उनके साथ नही था?
नही, नही, मै उसे नही जानता हूँ।
क्या तु उन मे से एक नही है?
बिलकूल नही।
निश्चय है यह भी उनके साथ था, यह एक गलीली है।
मै नही जानता तु क्या कहता है।

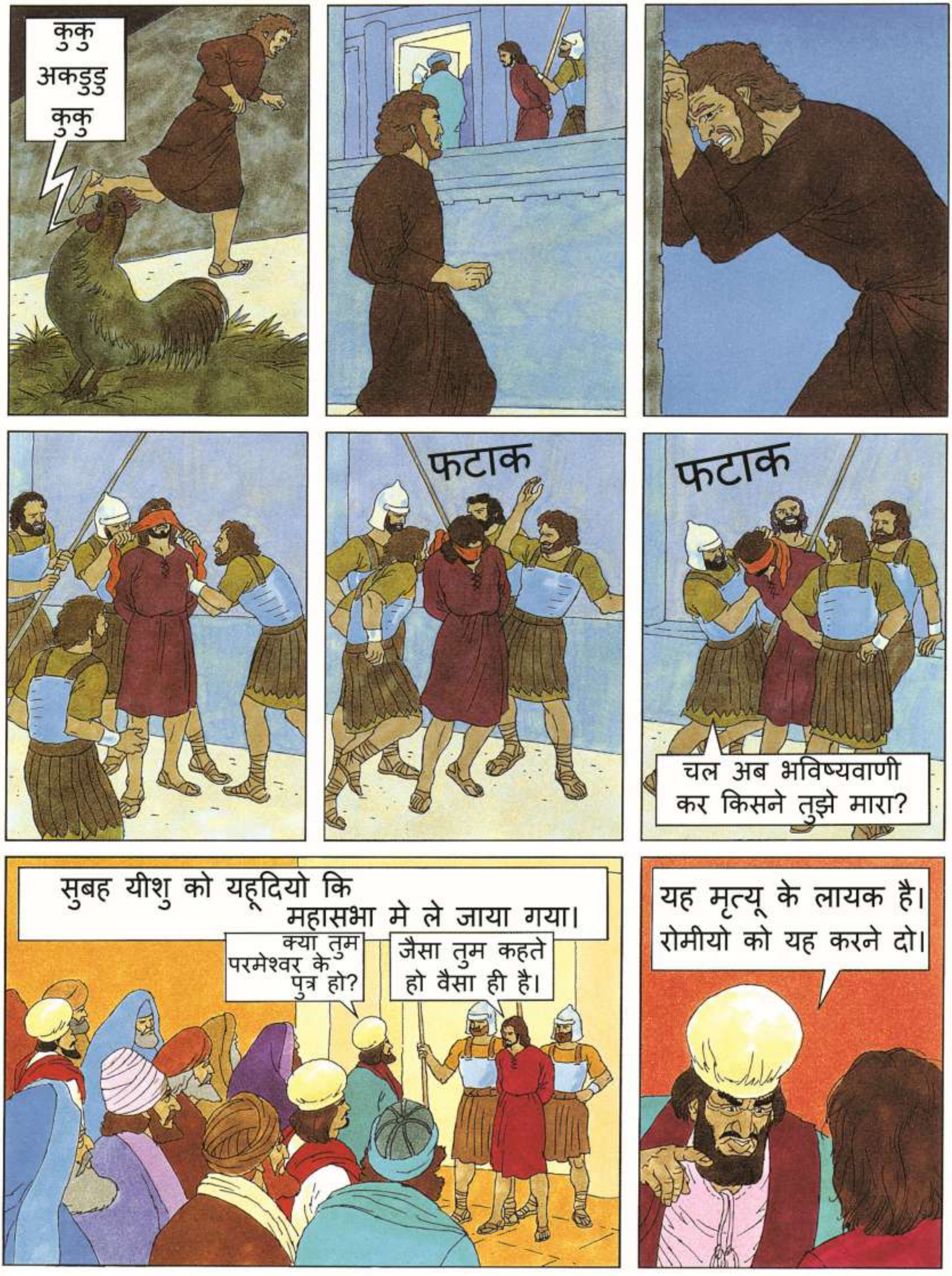
कुकु
अकड्डु
कुकु
फटाक
फटाक
चल अब भविष्यवाणी कर किसने तुझे मारा?
सुबह यीशु को यहूदियो कि महासभा मे ले जाया गया।
क्या तुम परमेश्वर के पुत्र हो?
जैसा तुम कहते हो वैसा ही है।
यह मृत्यू के लायक है। रोमीयो को यह करने दो।

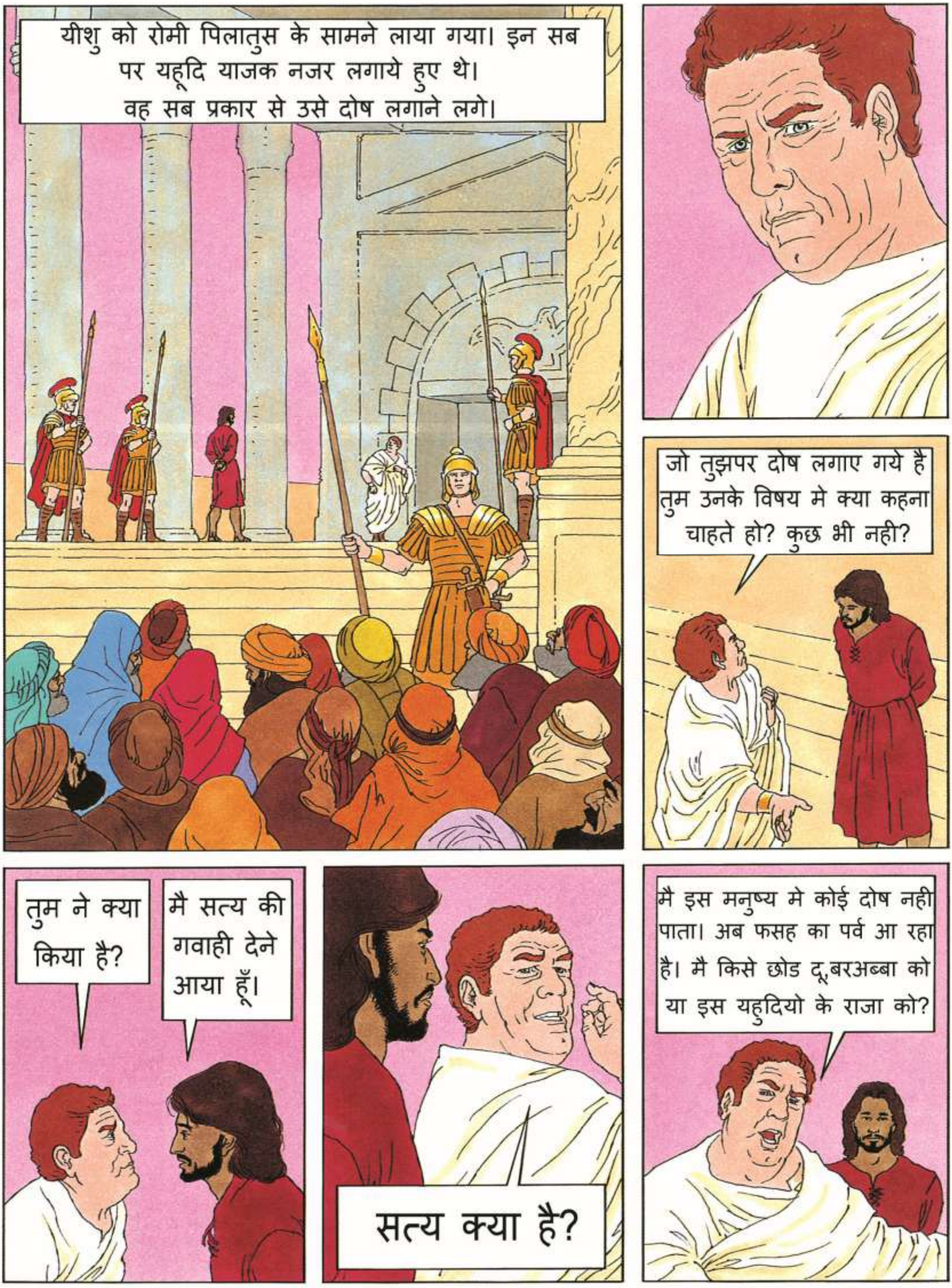
यीशु को रोमी पिलातुस के सामने लाया गया। इन सब पर यहूदि याजक नजर लगाये हुए थे। वह सब प्रकार से उसे दोष लगाने लगे।
जो तुझपर दोष लगाए गये है तुम उनके विषय मे क्या कहना चाहते हो? कुछ भी नही?
तुम ने क्या किया है?
मै सत्य की गवाही देने आया हूँ।
सत्य क्या है?
मै इस मनुष्य मे कोई दोष नही पाता। अब फसह का पर्व आ रहा है। मै किसे छोड दू,बरअब्बा को या इस यहुदियो के राजा को?

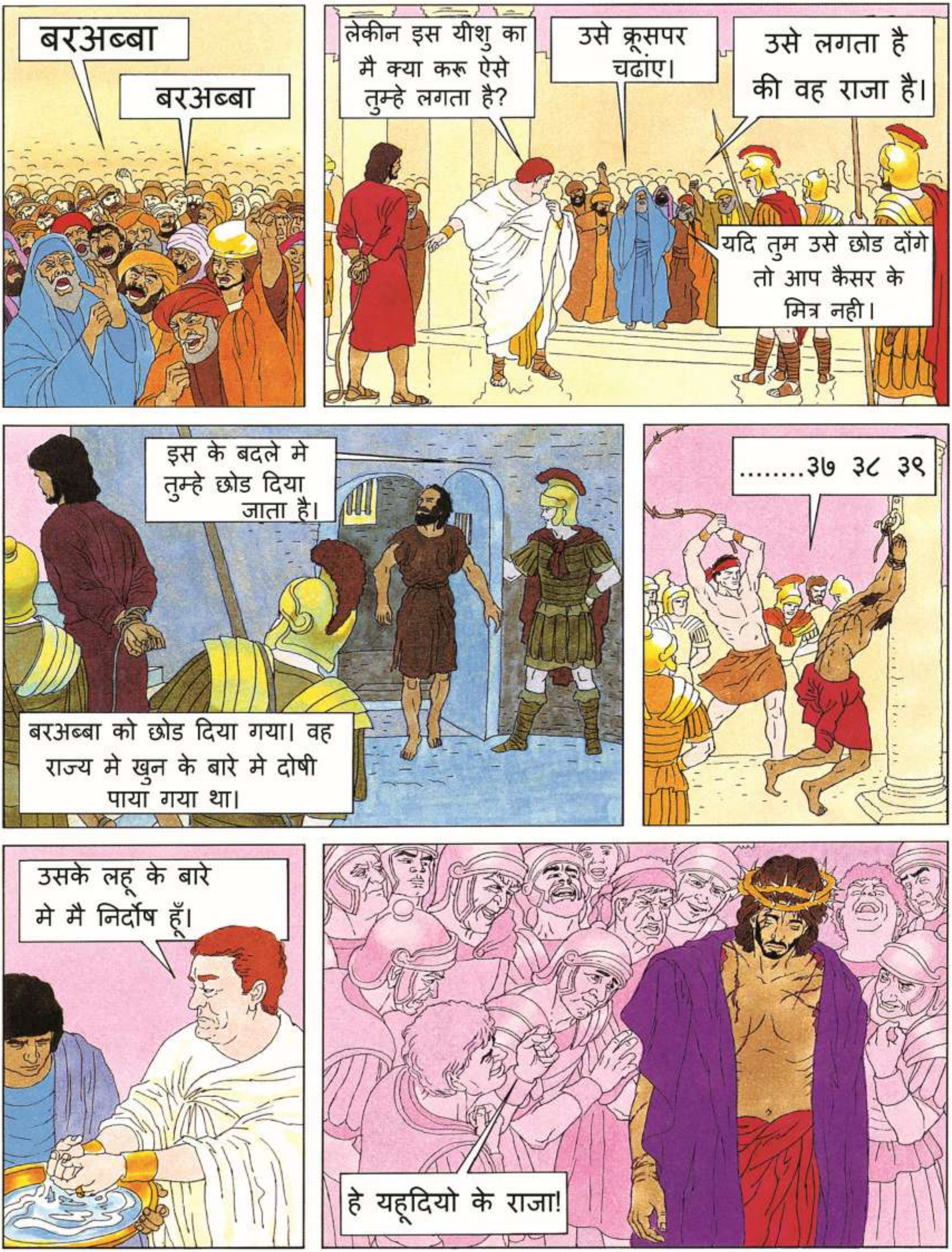
बरअब्बा
बरअब्बा
लेकीन इस यीशु का मै क्या करू ऐसे तुम्हे लगता है?
उसे क्रूसपर चढांए।
उसे लगता है की वह राजा है।
यदि तुम उसे छोड दोंगे तो आप कैसर के मित्र नही।
इस के बदले मे तुम्हे छोड दिया जाता है।
बरअब्बा को छोड दिया गया। वह राज्य मे खुन के बारे मे दोषी पाया गया था।
........३७ ३८ ३९
उसके लहू के बारे मे मै निर्दोष हूँ।
हे यहूदियो के राजा!

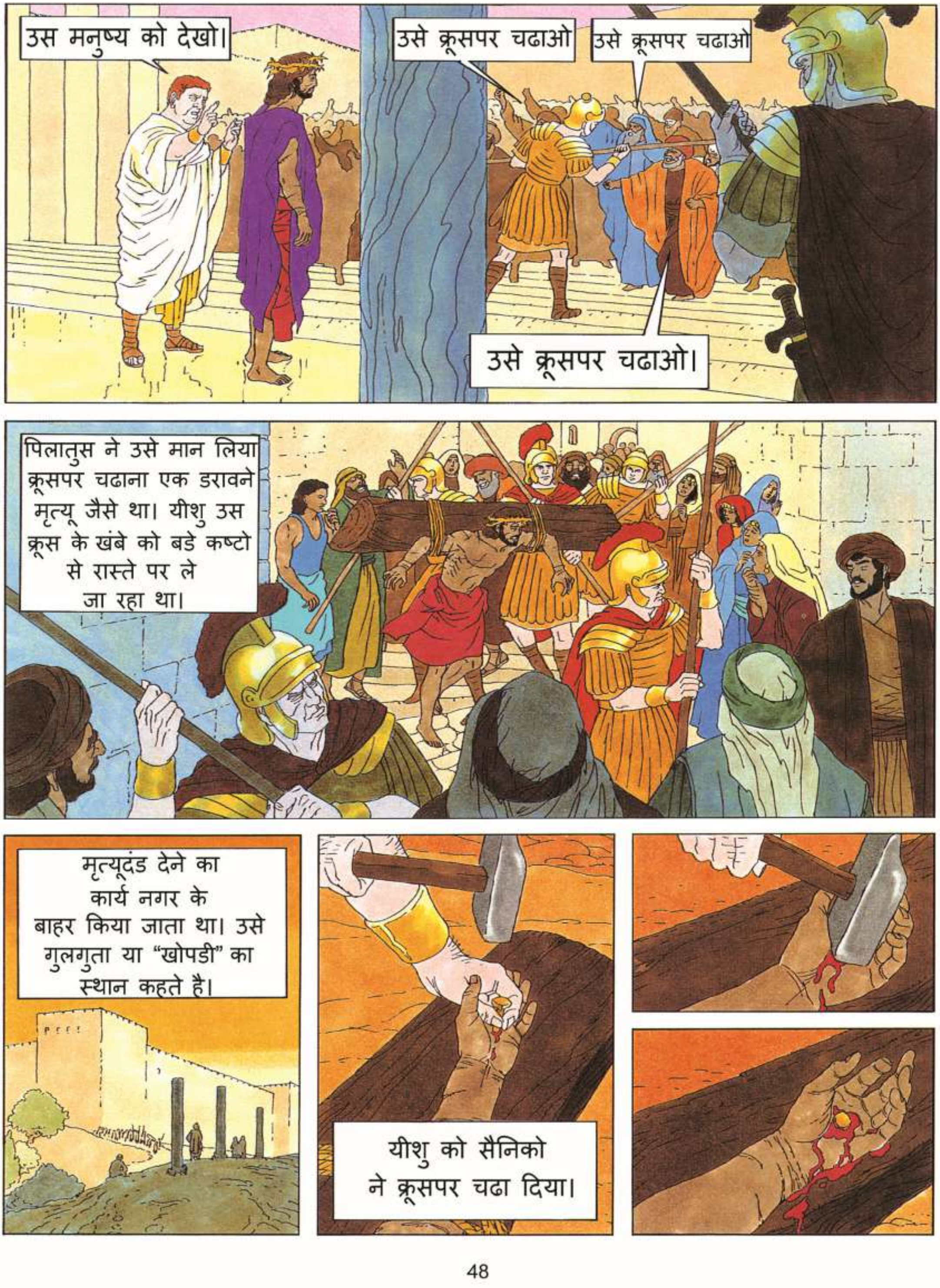

उस मनुष्य को देखो।
उसे क्रूसपर चढाओ
उसे क्रूसपर चढाओ
उसे क्रूसपर चढाओ।
पिलातुस ने उसे मान लिया क्रूसपर चढाना एक डरावने मृत्यू जैसे था। यीशु उस क्रूस के खंबे को बडे कष्टो से रास्ते पर ले जा रहा था।
मृत्यूदंड देने का कार्य नगर के बाहर किया जाता था। उसे गुलगुता या "खोपडी" का स्थान कहते है।
यीशु को सैनिको ने क्रूसपर चढा दिया।

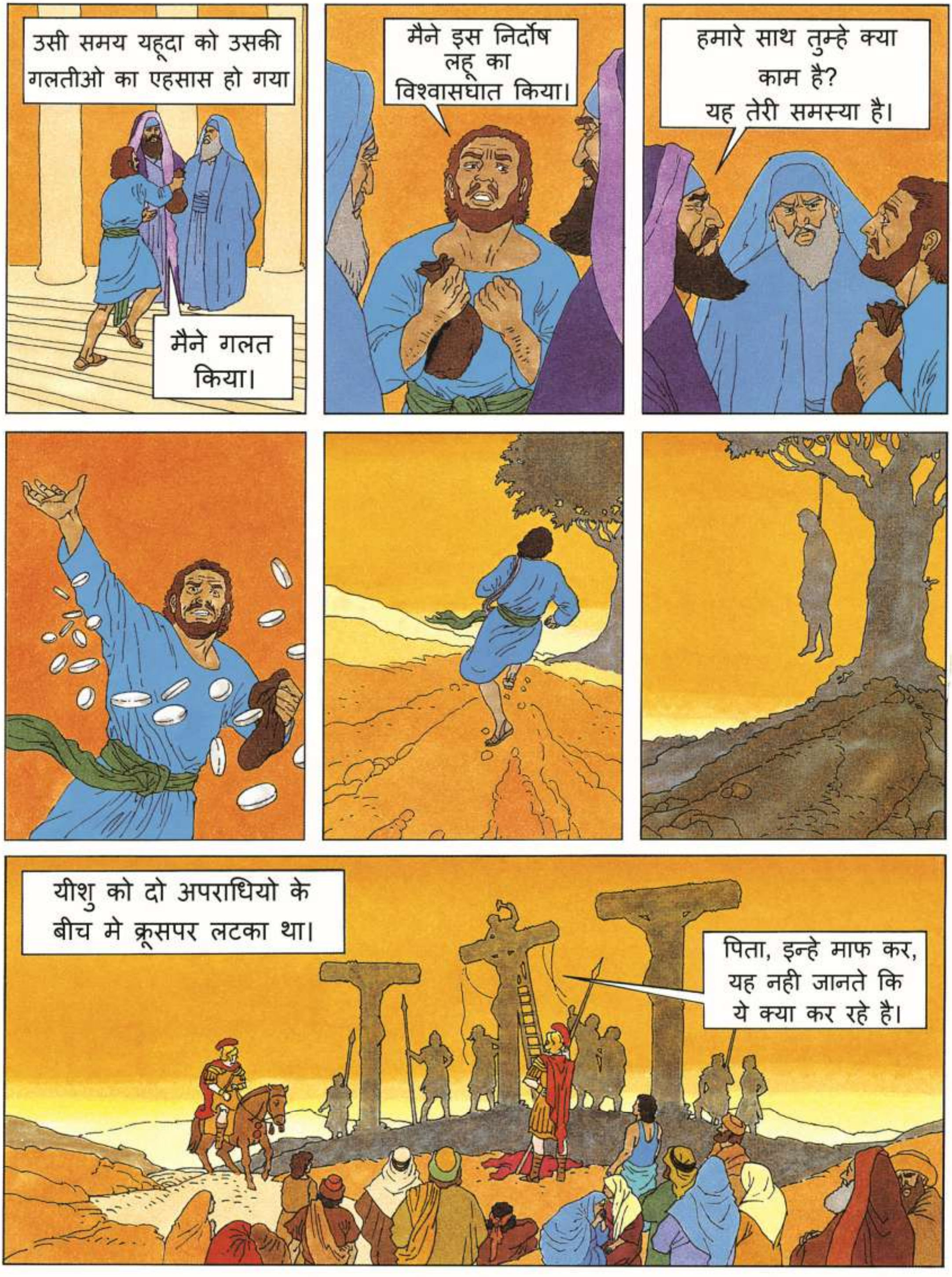
उसी समय यहूदा को उसकी गलतीओ का एहसास हो गया
मैने गलत किया।
मैने इस निर्दोष लहू का विश्वासघात किया।
हमारे साथ तुम्हे क्या काम है? यह तेरी समस्या है।
यीशु को दो अपराधियो के बीच मे क्रूसपर लटका था।
पिता, इन्हे माफ कर, यह नही जानते कि ये क्या कर रहे है।

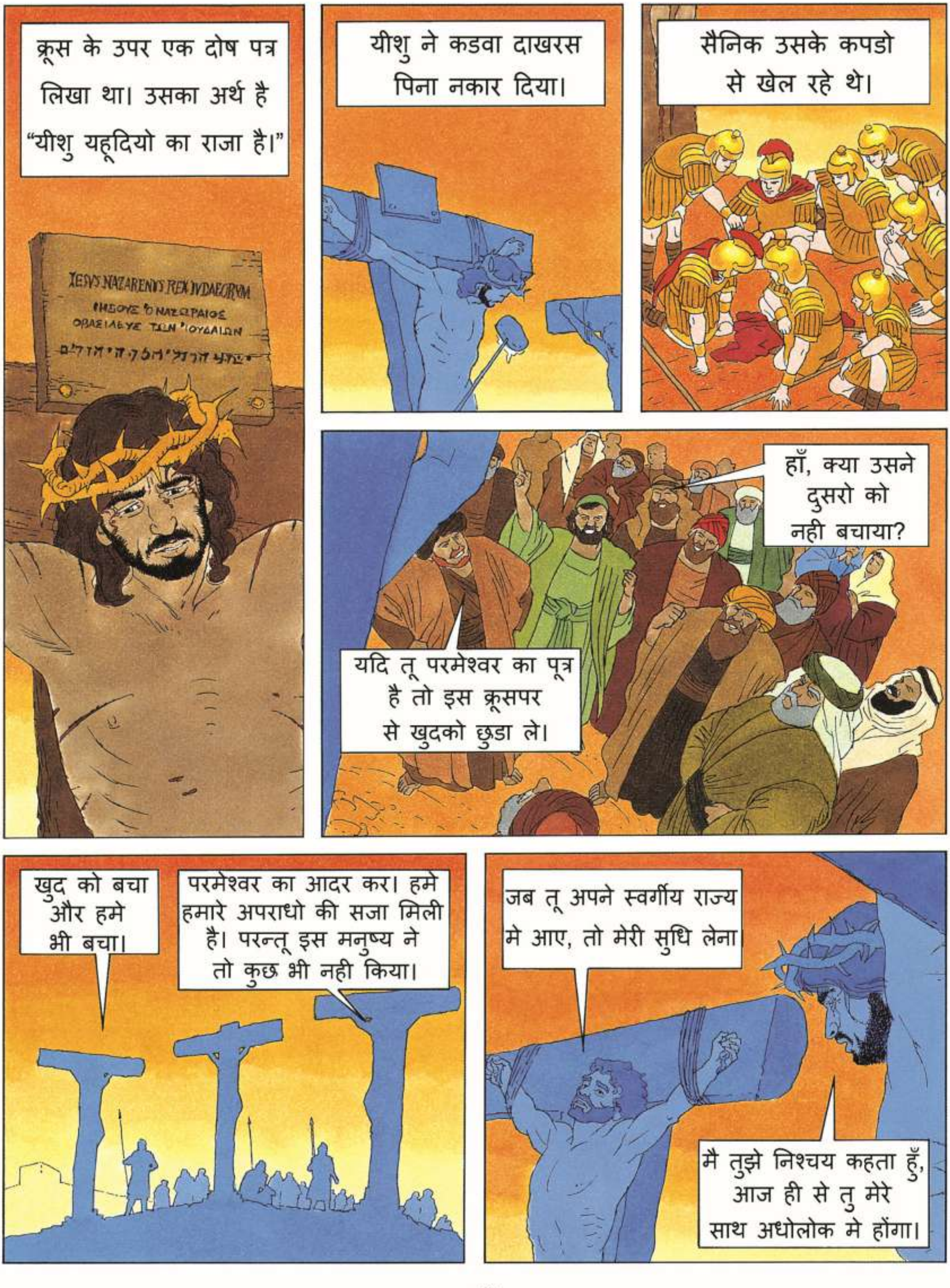
क्रूस के उपर एक दोष पत्र लिखा था। उसका अर्थ है "यीशु यहूदियो का राजा है।"
IESVS NAZARENVS REX IVDAEORVM
यीशु ने कडवा दाखरस पिना नकार दिया।
सैनिक उसके कपडो से खेल रहे थे।
हाँ, क्या उसने दुसरो को नही बचाया?
यदि तू परमेश्वर का पूत्र है तो इस क्रूसपर से खुदको छुडा ले।
खुद को बचा और हमे भी बचा।
परमेश्वर का आदर कर। हमे हमारे अपराधो की सजा मिली है। परन्तू इस मनुष्य ने तो कुछ भी नही किया।
जब तू अपने स्वर्गीय राज्य मे आए, तो मेरी सुधि लेना
मै तुझे निश्चय कहता हुँ, आज ही से तु मेरे साथ अधोलोक मे होंगा।

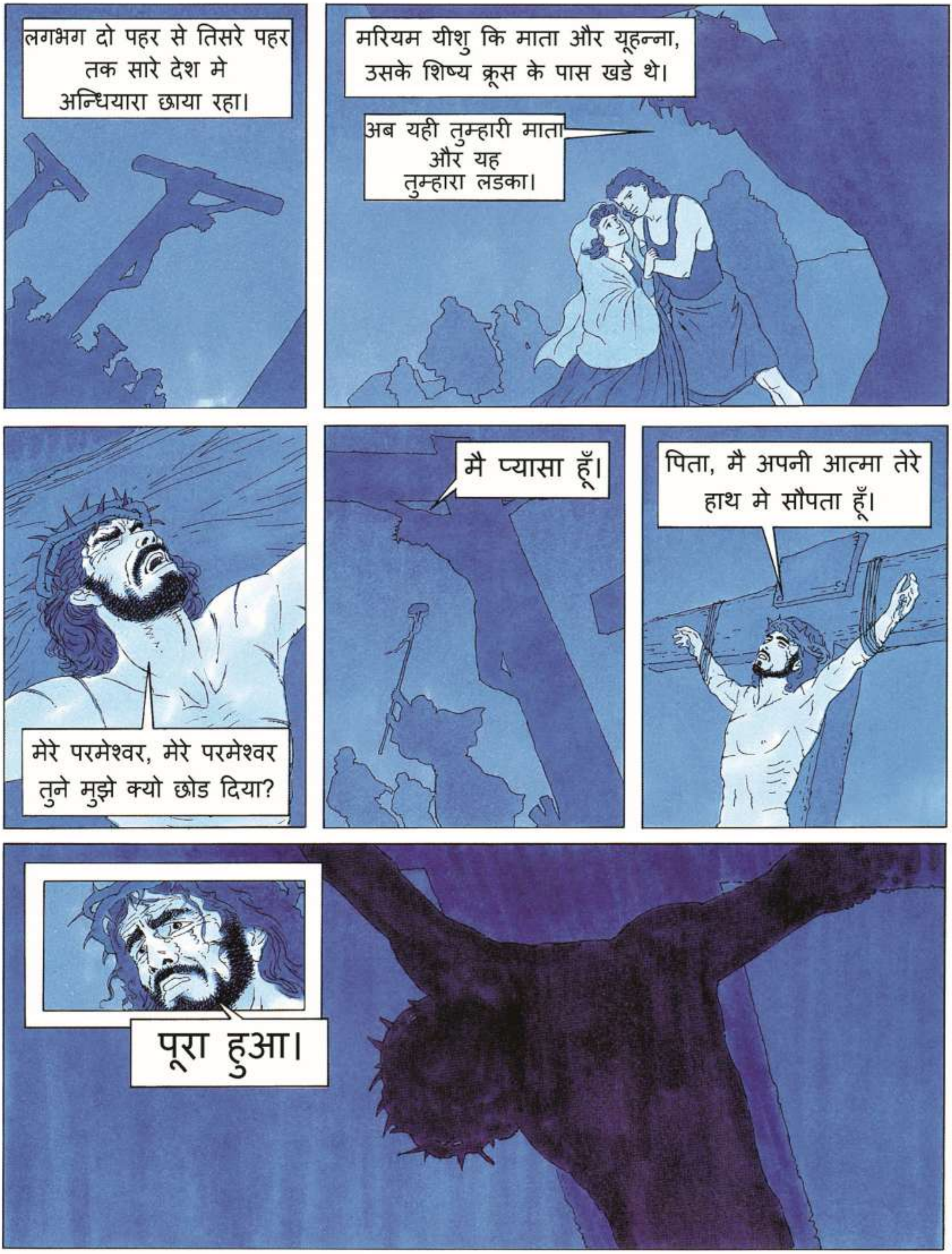
लगभग दो पहर से तिसरे पहर तक सारे देश मे अन्धियारा छाया रहा।
मरियम यीशु कि माता और यूहन्ना, उसके शिष्य क्रूस के पास खडे थे।
अब यही तुम्हारी माता और यह तुम्हारा लडका।
मेरे परमेश्वर, मेरे परमेश्वर तुने मुझे क्यो छोड दिया?
मै प्यासा हूँ।
पिता, मै अपनी आत्मा तेरे हाथ मे सौपता हूँ।
पूरा हुआ।

यीशु की मृत्यू दोपहर तीन बजे होती है। एक सैनिक ने यीशु को भाले से बेधा, तब तुरन्त लहू और पानी निकला।
किताब मे ऐसा लिखा है की भेड की नाई उसे कत्तलखाने मे ले जाया जाएंगा।
हमारे सभी पापो के लिए उसे मारा जाएंगा। बेधा जाएंगा। अब वह मर चुका है।
क्या यही वह मसीह था जो आनेवाला था? क्या नही?
क्या हम इस शव को गाड सकते है, चलो उनसे पूछ ले।
यूसुफ यह अरिमतिया और नीकुदेमुस यीशु का मृत शव ले जाते है। वह उसे सफेद कफन मे लपट कर उसपर मिश्रण लगाकर क्रब मे रख प्रवेशद्वार पर बडा सा पत्थर लुढकाकर रख देते है।

इन सब बातो के होने के बाद फसह के पर्व के समय, कुछ स्त्रिया उस बंद क्रब के पास आयी।
वह पत्थर तो लुढका हुआ है।
तुम उस जीवित को मृत्यू मे क्यो ढुंढ रहो हो? वह जीवित हो गया है। जाओ और उस के शिष्यो को बताओ।
जब वह यह बात सुनते है, पतरस और यूहन्ना क्रब की और चलकर जाते है।
क्या हुआ?
वह पूरी तरह खाली है।

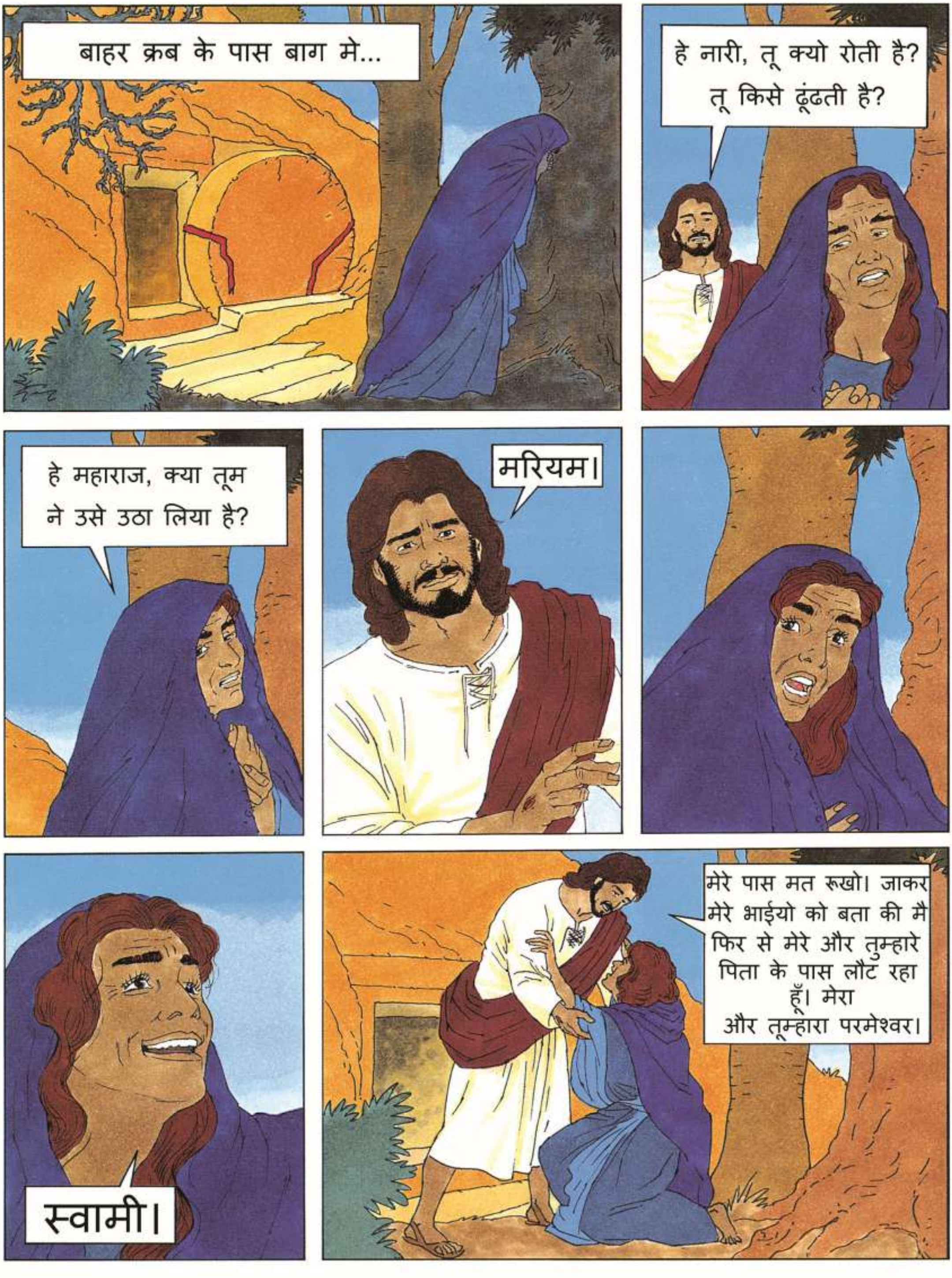
बाहर क्रब के पास बाग मे...
हे नारी, तू क्यो रोती है? तू किसे ढूंढती है?
हे महाराज, क्या तूम ने उसे उठा लिया है?
मरियम।
स्वामी।
मेरे पास मत रूखो। जाकर मेरे भाईयो को बता की मै फिर से मेरे और तुम्हारे पिता के पास लौट रहा हूँ। मेरा और तूम्हारा परमेश्वर।

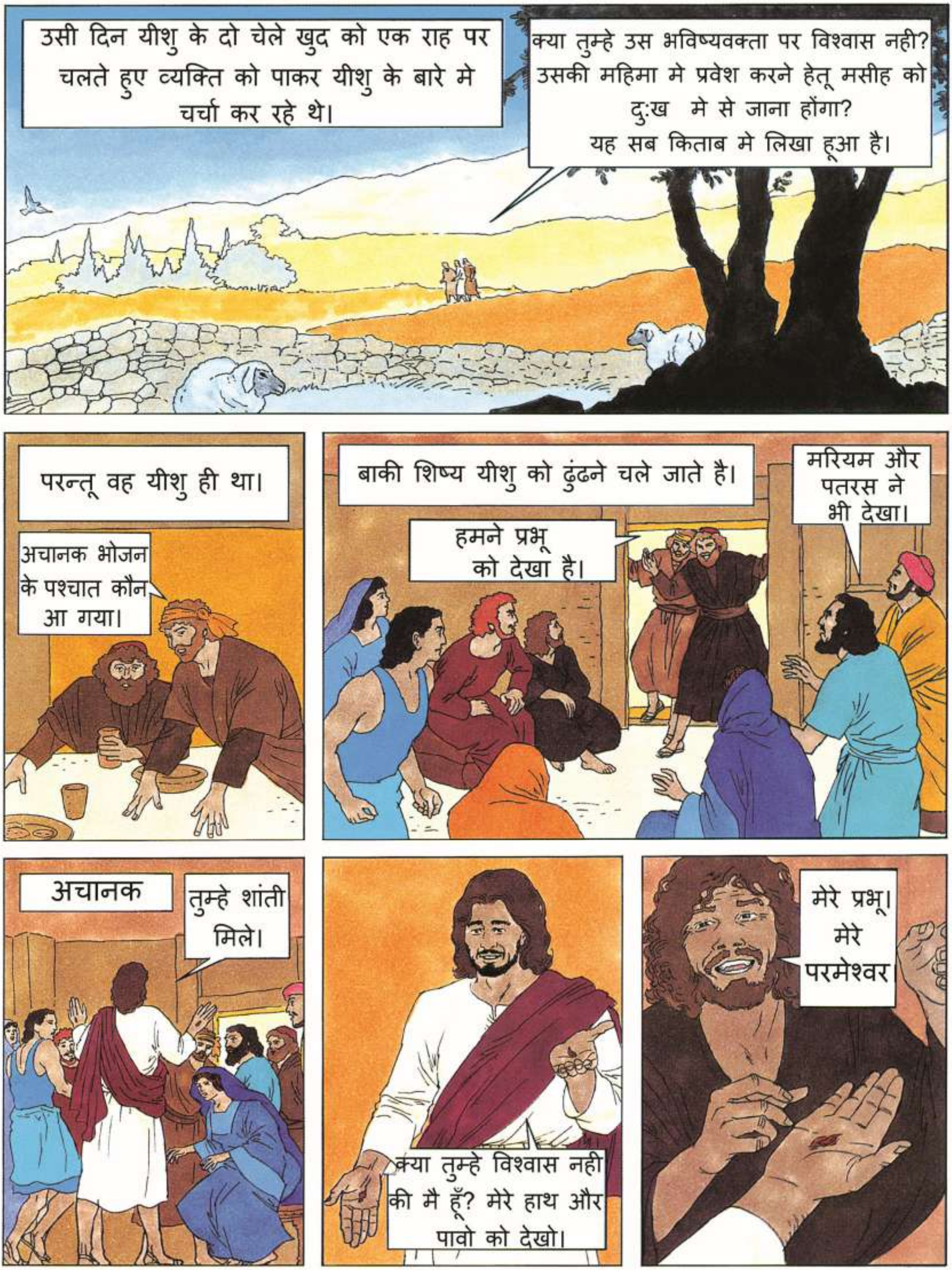
उसी दिन यीशु के दो चेले खुद को एक राह पर चलते हुए व्यक्ति को पाकर यीशु के बारे मे चर्चा कर रहे थे।
क्या तुम्हे उस भविष्यवक्ता पर विश्वास नही? उसकी महिमा मे प्रवेश करने हेतू मसीह को दु:ख मे से जाना होंगा? यह सब किताब मे लिखा हूआ है।
परन्तू वह यीशु ही था।
अचानक भोजन के पश्चात कौन आ गया।
बाकी शिष्य यीशु को ढुंढने चले जाते है।
हमने प्रभू को देखा है।
मरियम और पतरस ने भी देखा।
अचानक
तुम्हे शांती मिले।
क्या तुम्हे विश्वास नही की मै हूँ? मेरे हाथ और पावो को देखो।
मेरे प्रभू। मेरे परमेश्वर

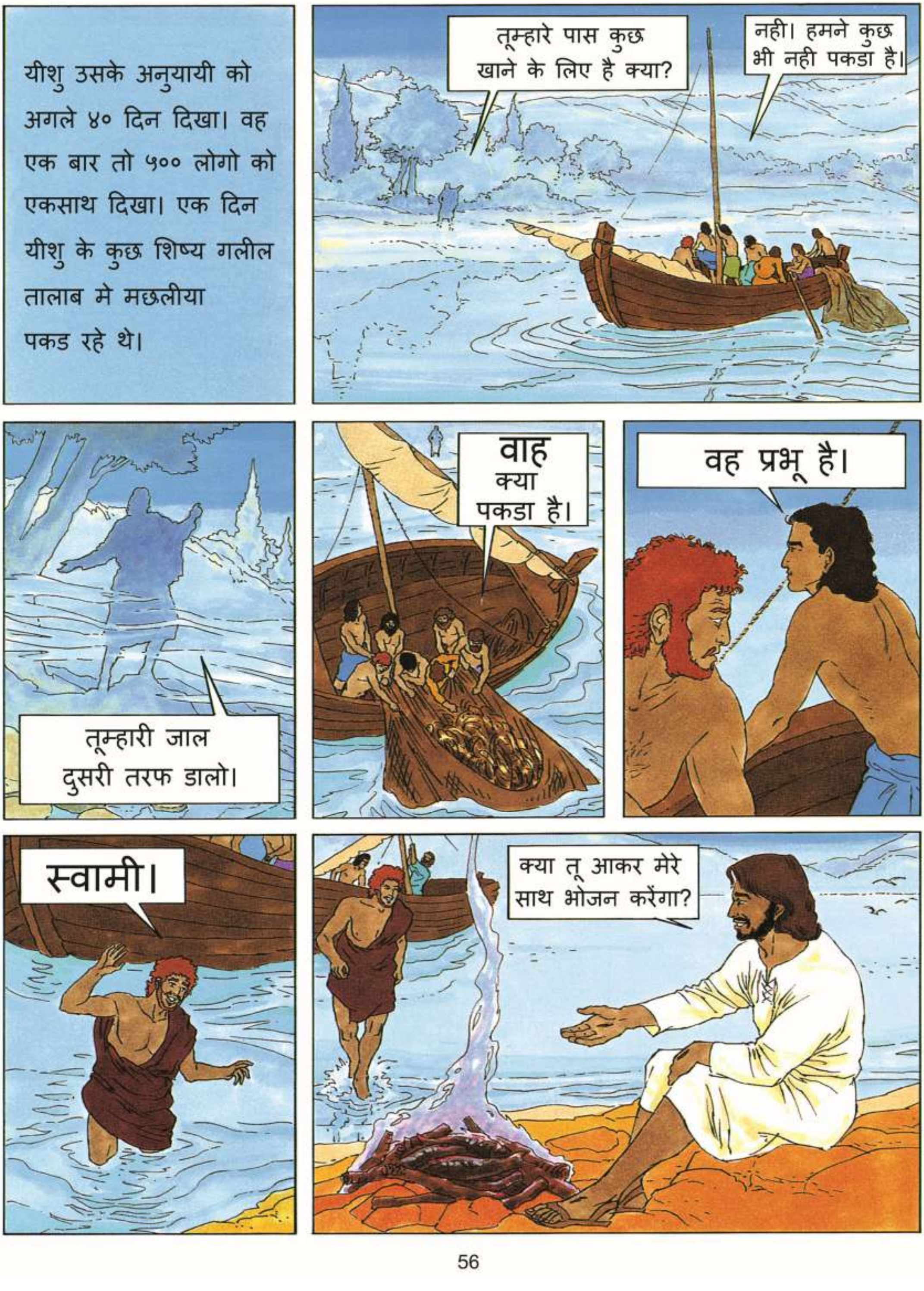
यीशु उसके अनुयायी को अगले ४० दिन दिखा। वह एक बार तो ५०० लोगो को एकसाथ दिखा। एक दिन यीशु के कुछ शिष्य गलील तालाब मे मछलीया पकड रहे थे।
तूम्हारे पास कुछ खाने के लिए है क्या?
नही। हमने कुछ भी नही पकडा है।
तूम्हारी जाल दुसरी तरफ डालो।
वाह क्या पकडा है।
वह प्रभू है।
स्वामी।
क्या तू आकर मेरे साथ भोजन करेंगा?

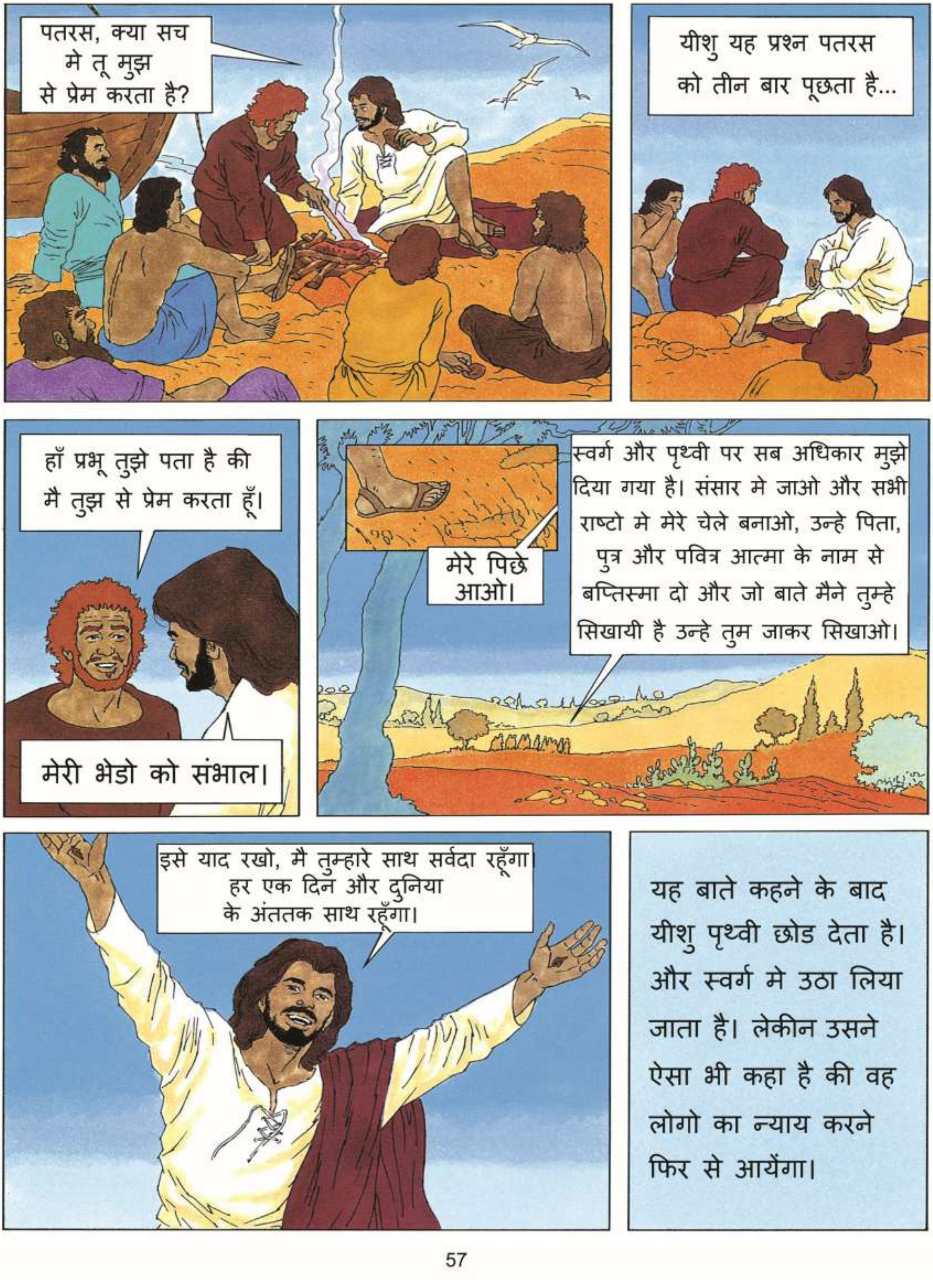
पतरस, क्या सच मे तू मुझ से प्रेम करता है?
यीशु यह प्रश्न पतरस को तीन बार पूछता है...
हाँ प्रभू तुझे पता है की मै तुझ से प्रेम करता हूँ।
मेरी भेडो को संभाल।
मेरे पिछे आओ।
स्वर्ग और पृथ्वी पर सब अधिकार मुझे दिया गया है। संसार मे जाओ और सभी राष्टो मे मेरे चेले बनाओ, उन्हे पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बप्तिस्मा दो और जो बाते मैने तुम्हे सिखायी है उन्हे तुम जाकर सिखाओ।
इसे याद रखो, मै तुम्हारे साथ सर्वदा रहूँगा। हर एक दिन और दुनिया के अंततक साथ रहूँगा।
यह बाते कहने के बाद यीशु पृथ्वी छोड देता है। और स्वर्ग मे उठा लिया जाता है। लेकीन उसने ऐसा भी कहा है की वह लोगो का न्याय करने फिर से आयेंगा।

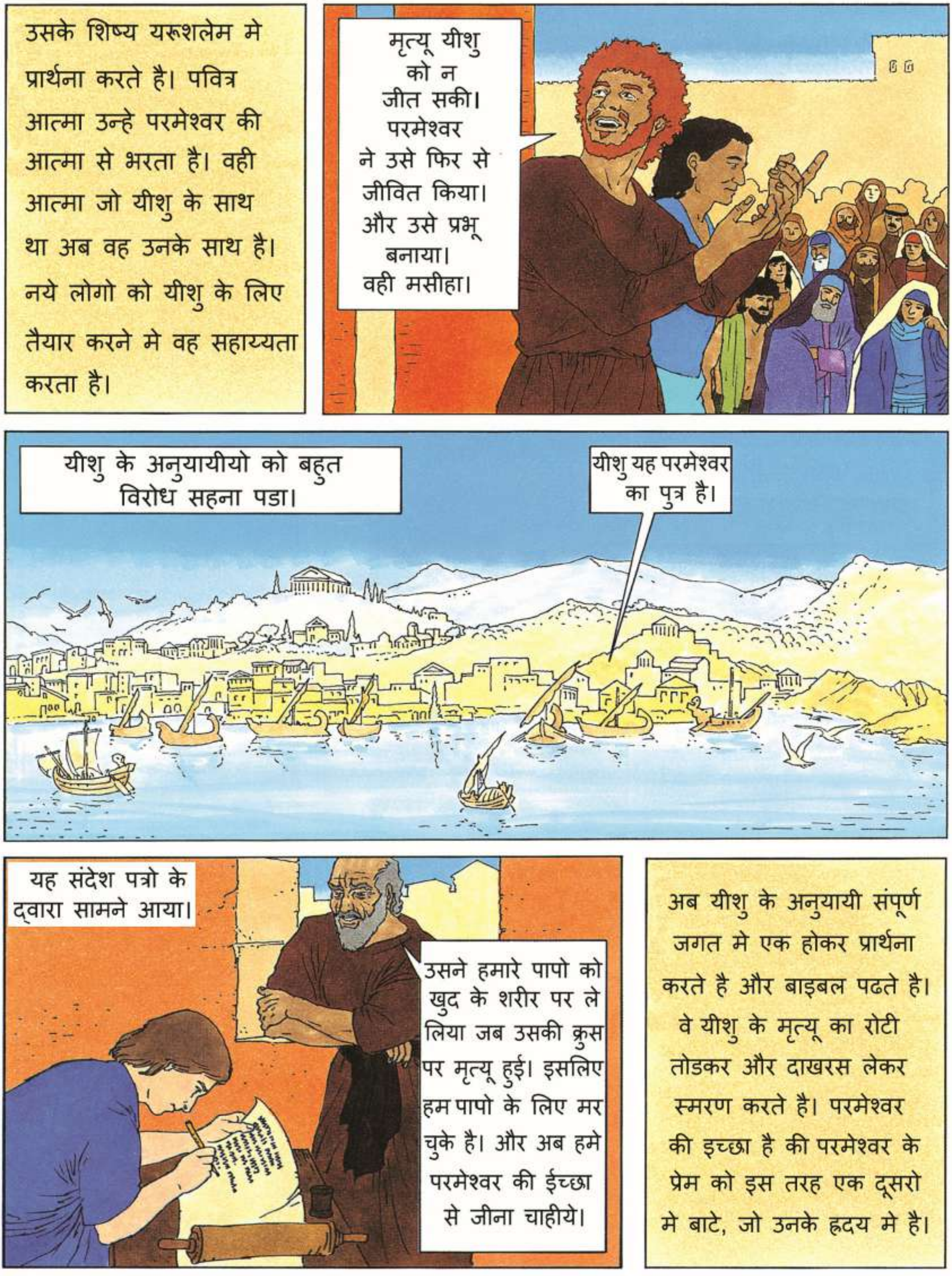
उसके शिष्य यरूशलेम मे प्रार्थना करते है। पवित्र आत्मा उन्हे परमेश्वर की आत्मा से भरता है। वही आत्मा जो यीशु के साथ था अब वह उनके साथ है। नये लोगो को यीशु के लिए तैयार करने मे वह सहाय्यता करता है।
मृत्यू यीशु को न जीत सकी। परमेश्वर ने उसे फिर से जीवित किया। और उसे प्रभू बनाया। वही मसीहा।
यीशु के अनुयायीयो को बहुत विरोध सहना पडा।
यीशु यह परमेश्वर का पुत्र है।
यह संदेश पत्रो के द्वारा सामने आया।
उसने हमारे पापो को खुद के शरीर पर ले लिया जब उसकी क्रुस पर मृत्यू हुई। इसलिए हम पापो के लिए मर चुके है। और अब हमे परमेश्वर की ईच्छा से जीना चाहीये।
अब यीशु के अनुयायी संपूर्ण जगत मे एक होकर प्रार्थना करते है और बाइबल पढते है। वे यीशु के मृत्यू का रोटी तोडकर और दाखरस लेकर स्मरण करते है। परमेश्वर की इच्छा है की परमेश्वर के प्रेम को इस तरह एक दूसरो मे बाटे, जो उनके हृदय मे है।

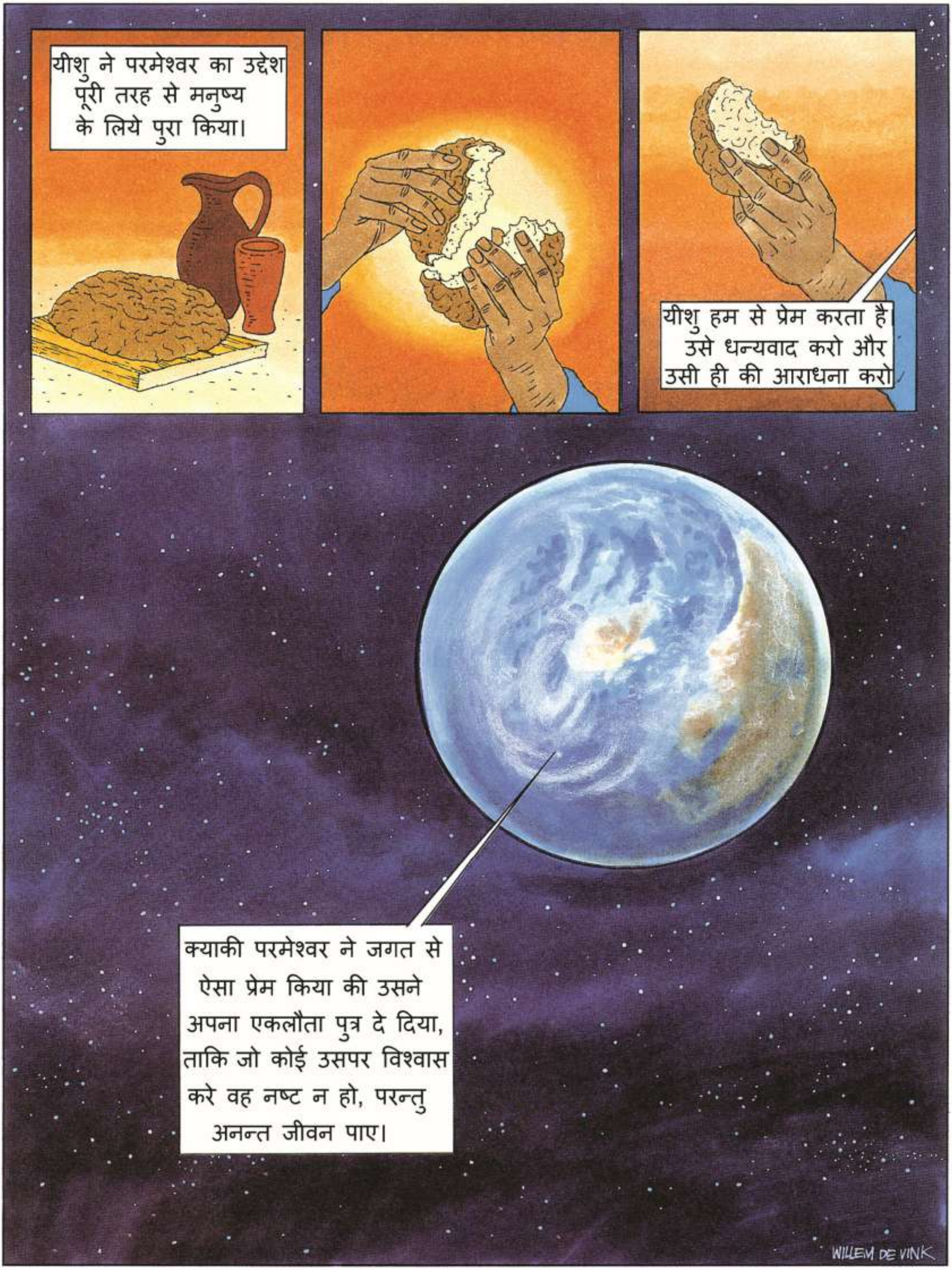
यीशु ने परमेश्वर का उद्देश पूरी तरह से मनुष्य के लिये पुरा किया।
यीशु हम से प्रेम करता है। उसे धन्यवाद करो और उसी ही की आराधना करो
क्याकी परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया की उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उसपर विश्वास करे वह नष्ट न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।
WILLEM DE VINK

❖ बाइबल

यीशु की कहानी बाइबल मे लिखित है। बाइबल से अधिक कोई भी किताब इतनी ज्यादा बार नही पढी गई। यह सभी किताबो का एक ग्रंथ है। १५०० साल यह किताब लिखने के लिए लग गये। १९०० वर्ष पूर्व बाइबल पूरी हुई। इस मे सभी तरह की बाते है की परमेश्वर मनुष्य के जीवन मे किस रीती से कार्य करता है। परमेश्वर कौन है यह यीशु के बातो से हमे पुर्णता समझ आता है।

❖ यीशु का इतिहास

बाइबल के ४ किताबो मे यीशु के जीवन के बारे मे बताया गया है। यीशु के काल मे यह लेखक थे। लेखको के नाम उन्होने दिये है।

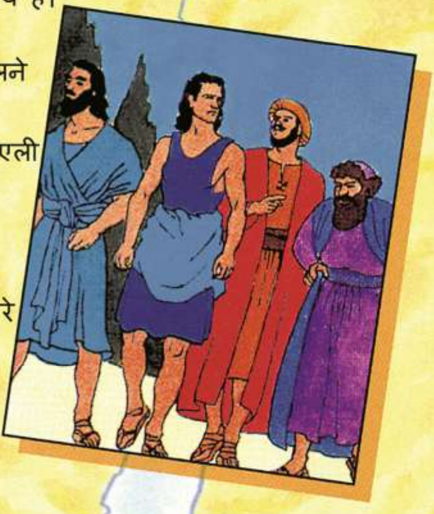

१. मत्ती : यीशु का शिष्य। जो कर वसुलने का काम किया करता था। उसने वर्णन किया है की किस प्रकार से यीशु ने इस्त्राएली लोगो से बरताव किया।(यहूदी)

२. मरकूस : यीशु ने किये चमत्कारो के बारे मे उस ने लिखा है। जब यीशु ने कार्य किये तब मरकूस किशोरवस्था मे था।

३. लूका : यह एक वैद्य था। वह व्यक्तिगत रिती से यीशु को न जानता था। उसने वर्णन किया है की किस प्रकार से यीशु लोगो के साथ चला।

४. यूहन्ना : यीशु का एक अनुयायी, यीशु कौन है यह उसने बताया, यीशु परमेश्वर है। जो मनुष्य बना इसलिए की लोगो को पापो से छुटकारा मिल सके।

❖ यीशु का जन्म

यीशु की माता मरियम का विवाह हुआ न था।
जब यीशु का जन्म हुआ वह एक कुवारी थी।
लेकीन यीशु के जन्म की योजना परमेश्वर ने
बनायी थी। यह बाते पहले ही किताबो मे लिखी गयी थी।

यीशु किसी महान व्यक्ति जैसे या किसी
अलग स्वरूप मे जन्मा नही था।
लेकीन उसका जन्म तबेले मे हुँआ।

❖ यीशु के चमत्कार

यीशु ने बहुत से चमत्कारो को किया।
बाइबल मे ४० से अधिक चमत्कार
घटीत है। इन चमत्कारो के द्वारा यीशु परमेश्वर
के शक्ति का और प्रेम का अनुभव
लोगो को देता है। उसे लोगो की मदत
करनी है और उन्हे खुश रखना है।

❖ यीशु का मृत्यू एंव पुनरूत्थान

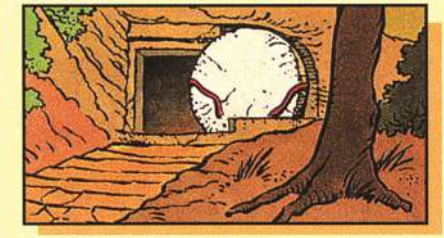

यीशु क्यो मारा गया? इसका वर्णन बाइबल मे दिया हुआ है। सभी लोग जो गलत बाते करते है वह परमेश्वर को क्रोधित और दु:खी करती है। उसे ही पाप कहते है। यह सभी पाप लोगो को परमेश्वर की संगती से दूर रखता है। और इसलिए यीशु आया। यीशु ने खुद होकर हमारे पापो की सजा खुदपर ले ली। वह सजा मृत्यूदंड की थी। इसलिए यीशु मारा गया। अब हम फिर से परमेश्वर से दोस्ती कर सकते है, लेकीन हमे हमारे गलतियो की क्षमा मांगनी चाहीये। यीशु मृत्यू मे से जी उठा। परमेश्वर ने उसे जीवित किया। इस तरह परमेश्वर ने दिखाया की वह मृत्यू से भी शक्तिशाली है।

यीशु अब परमेश्वर के साथ रहता है। इसलिए वह हमारा मित्र बन सकता है। परमेश्वर को खुशी होंगी की जब इस तरह का जीवन जीने के लिए वह हमारी मदत करता है।

❖ प्रार्थना

यदि आप गलत बातो की क्षमा मांगते है और परमेश्वर से दोस्ती बनाना चाहते है। तो आप यह प्रार्थना कर सकते है।

प्यारे परमेश्वर, तू मुझ से प्रेम करता है। तू ने यीशु को दिया तेरा एकलौता पुत्र जो क्रुसपर मर गया। जो भी गलत बाते मै ने की उन सभी पापो की कृपया क्षमा मुझे कर। यीशु मेरे साथ है इसलिए तुझे धन्यवाद।

क्या तू तेरी इच्छा से मुझे जीवन जीने के लिए मदत करेंगा?

तू जो वचन देता है वह तू पूरा करता है।
मेरी प्रार्थना का उत्तर दिया इसलिए धन्यवाद।

❖ यीशु और आप

यीशु के कहानी का एक अच्छा अन्त है। यीशु बहुत से महान लोगो का दोस्त बना। अब और तब भी दुनीया बदल गयी थी। बहुत से लोग अब गदोपर या घोडोपर यात्रा नही करते। वह कार या हवाईजहाज से यात्रा करते है। लेकीन यीशु पर इस का कुछ भी प्रभाव नही गिरता है। जैसा वह इस्त्राएल मे था, वैसे ही वह अब भी हमारे साथ है। वह अदृश्य है फिर भी केवल वो ही सत्य है। वह आपका दोस्त बनना चाहता है। तुम उसे सुन सकते हो।

क्या आपको यीशु के साथ जीवन और उसके बारे मे अधिक जानकारी चाहीए? तो आप निचे दिए हुई बाते किजिए।-

१) आप खुद होकर बाइबल पढे (लूका ने लिखा हुआ भाग पढे)
२) प्रार्थना करना(परमेश्वर के साथ बोलना और उसका सुनना, आपको किसी विशेष शब्द को बोलने की जरूरत नही।)
३) बाइबल के बारे मे और यीशु के बारे मे दुसरो से बातचीत करना। यीशु चीहता है की उसके अनुयायी एकदुसरे को मिलकर उन्हे प्रोत्साहित करे।

भाषाः प्रथम हिन्दी संस्करण : २०१६ (येशू मसीहा)
ISBN: 978-90-73150-53-9
हिन्दी भांषातर एंव छपाई : डिवाइन मीडिया, अमरावती. भारत.

Jesus Messiah: First Hindi edition: Nov-2016
ISBN: 978-90-73150-53-9
Hindi Translation by: Vicky Patil (Amravati-MH-India)

Reprints by: Divine Media (Amravati-MH-India)
email: divine_sagar@yahoo.co.in
Phone: +91-7276 487 095
web: www.divinemedia.webs.com

Text and illustrations: Willem de Vink.
Copyright © 1993 Stichting Wereldtaal, Published in Dutch as "Jezus Messias".
Digital copyright under the terms of the Creative commons BY-SA licence
All rights of translation, reproduction and adaptation reserved for all countries.

यह यीशु मसीह की एक सच्ची कहानी है। जो २००० वर्षपूर्व इस्त्राएल मे था। जो कोई उसे मिलता था वह सोच मे पड जाता था। जो कुछ उसने किया उसे कोई नही कर पाया। जो बाते उसने बतायी वह किसी ने नही बतायी। जहा यीशु रहता था वहा चमत्कार होते थे। जो कोई उसकी सुनता वह आनन्द और खुशी से भर जाता था। तब अचानक अन्त हुआ ऐसा लगता है। उसके विरोधी उसे सजा देते है, लेकीन वहा अन्त न था। आगे जो हुआ उसे आप खुद पढे और देखे की कैसे यीशु की कहानी आगे बढते जाती है।

Language : Hindi
ISBN : 978-90-73150-53-9